Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 8
नई दिल्ली, सोमवार, 11 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

स्पोर्ट्स 12

खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

निज्जर का साथी कनाडा में गिरफ्तार

पीटीआई। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला को कनाडा के ओंटारियो प्रांत में गोलीबारी की घटना के बाद संभवत: गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों ने रविवार को यह दावा किया। गोलीबारी की यह घटना 28 अक्टूबर को मिल्टन में हुई थी। हैल्टन क्षेत्रीय पुलिस सेवा (एचआरपीएस) ने 29 अक्टूबर को कहा था कि उसने एक जांच के बाद, दो लोगों को गोलीबारी के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों लोग एक अस्पताल गए थे और उनमें से एक गोली से जख्मी था, जिसे बाद में छुट्टी दे दी गई। एचआरपीएस ने उनकी पहचान का खुलासा नहीं किया और कहा कि दोनों आरोपियों को जमानत की सुनवाई तक हिरासत में रखा गया है।

सूत्रों ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक का नाम अर्श डल्ला है, जो प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) से जुड़ा हुआ है और पिछले साल जून में मारे गए आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की ओर से आतंकी मॉड्यूल चलाता था। हैल्टन पुलिस ने एक बयान में कहा, 28 अक्टूबर 2024 की सुबह गुएल्फ पुलिस ने एचआरपीएस से संपर्क किया, जब दो व्यक्ति वहां एक अस्पताल में आए थे। उनमें से एक का इलाज किया गया और अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दूसरे व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई थी। हैल्टन पुलिस ने एक बयान में कहा, एचआरपीएस मेजर क्राइम ब्यूरो अब जांच कर रहा है और दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हैल्टन हिल्स के 25 वर्षीय व्यक्ति और सरे बीसी के 28 वर्षीय व्यक्ति, दोनों पर जानबूझकर आग्नेयास्त्र चलाने का आरोप है। पुलिस ने यह भी कहा कि वह घटना की सक्रियता से जांच कर रही है।

इससे पहले, रविवार को पंजाब पुलिस ने बताया कि मोहाली के खरड़ से डल्ला के गिरोह के दो सदस्यों को एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में कथित रूप से संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि यह गिरफ्तारी राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ, गैंगस्टर रोधी कार्य बल और फरीदकोट पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत की गई। दोनों की पहचान बरनाला के भदौड़ निवासी अनमोलप्रीत सिंह उर्फ विशाल और खरड़ के निज्जर रोड निवासी नवजोत सिंह उर्फ नीटू के रूप में हुई।

पंजाब में लक्षित हत्याओं, आतंकवाद के वित्तपोषण और जबरन वसूली में शामिल होने के आरोपी अर्श डल्ला को पिछले साल जनवरी में भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा था कि वह बड़े पैमाने पर ड्रग्स और हथियारों की सीमा पार तस्करी में शामिल था।वह राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दर्ज और जांच किए गए विभिन्न मामलों में आरोपी है, जिनमें लक्षित हत्या, आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए धन उगाही, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ना और पंजाब में लोगों के बीच आतंक पैदा करना शामिल है। डल्ला पर हत्या, जबरन वसूली और लक्षित हत्याओं जैसे जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप है। उस पर आतंकवाद के वित्तपोषण, बड़े पैमाने पर ड्रग्स और हथियारों की सीमा पार से तस्करी का भी आरोप है। डल्ला 2020 में सक्रिय हुआ था।

वह ज्यादातर आतंकी फंडिंग, आतंकी मॉड्यूल तैयार करने, सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति का समन्वय करने और पूरे पंजाब में विशिष्ट हत्याओं की योजना बनाने में लगा हुआ था। खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाए गए डोजियर के अनुसार, डल्ला का केटीएफ नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी ज्यादा हत्याओं का रिकॉर्ड है। डल्ला ने कथित तौर पर अपने सहयोगियों राम सिंह उर्फ सोना और कमलजीत शर्मा उर्फ कमल के जरिए जनवरी 2021 में जालंधर के फिल्लौर में एक हिंदू पुजारी प्रज्ञा ज्ञान मुनि पर हमले की योजना बनाई थी। अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला नवंबर 2020 में बठिंडा में डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी मनोहर लाल की हत्या में भी शामिल था। डल्ला ने मृतक अपराधी सुखप्रीत सिंह की हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी। डल्ला ने 2021 में गैंगस्टर बिक्रम बराड़ और कनाडा में रहने वाले गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर 4 सदस्यीय मॉड्यूल बनाया, जिसका काम खास व्यक्तियों को निशाना बनाना था। मॉड्यूल को बिट्टू प्रेमी, शम्मा बदमाश और सिरसा स्थित शक्ति सिंह को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था।

श्रीनगर में रविवार को जबरवान वन क्षेत्र में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सतर्क सुरक्षाकर्मी। पीटीआई

आतंक विरोधी अभियान में पैरा कमांडो बलिदान

मोहित कंधारी। जम्मू

ग्राम रक्षा समूह के दो सदस्यों की हत्या करके छिपे आतंकियों को खोज निकालने के लिए किश्तवाड़ के भारत रिज इलाके में शुरू किए गए आतंकवाद विरोधी अभियान में भारतीय सेना के एक विशिष्ट पैरा कमांडो शहीद हो गया। गंभीर रूप से घायल तीन अन्य सैनिकों को किश्तवाड़ से बेहतर उपचार के लिए सैन्य अस्पताल ले जाया गया। खबर लिखे जाने तक अभियान जारी था। सेना ने बहादुर सैनिक की पहचान 2 पैरा के नायब सूबेदार राकेश कुमार के रूप में की और उनके सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर, किश्तवाड़ के भारत रिज के सामान्य क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। यह वही समूह है जिसने दो निर्दोष ग्रामीणों (ग्राम रक्षा रक्षकों) का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी थी। इस दौरान उन्हें खोज लिया गया और गोलीबारी शुरू हो गई।

ग्राउंड रिपोर्ट्स के अनुसार, यह मुठभेड़ उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर हुई, जहां शुक्रवार को वीडीजी नजीर अहमद और कुलदीप कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले थे। कश्मीर में, जबरवान वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले निवासियों को आतंकवादियों के एक समूह और सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलीबारी की आवाज़ सुनाई दी। अत्यधिक किलेबंद क्षेत्र की घेराबंदी की गई क्योंकि भागने के रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, दाचीगाम और प्रसिद्ध पर्यटन स्थल निशात क्षेत्र के ऊपरी इलाकों को जोड़ने वाले वन क्षेत्र में सुबह करीब नौ बजे गोलीबारी शुरू हुई। 1 नवंबर के बाद से श्रीनगर में आतंकवादी हिंसा की यह तीसरी घटना है। रविवार सुबह शुरू हुई गोलीबारी कथित तौर पर दोपहर में बंद हो गई। माना जाता है कि आतंकवादी घने जंगल वाले इलाके से भाग गए हैं। 1 नवंबर से, कश्मीर घाटी के विभिन्न हिस्सों में छह आतंकवाद विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों ने आठ आतंकवादियों को मार गिराया है। शनिवार को उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के सोपोर के बाहरी इलाके राजपोरा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक विदेशी आतंकवादी मारा गया। पिछले चार दिनों में उत्तरी कश्मीर में कुल चार मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें पांच आतंकवादी मारे गए। शुक्रवार को सोपोर के सागीपोरा इलाके में मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि दो स्थानीय आतंकवादियों को अनंतनाग के शांगस में मार गिराया गया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार शेख हसीना को वापस लाने के लिए इंटरपोल से मदद मांगेगी

पीटीआई। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने रविवार को कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और अन्य भगोड़ों को भारत से वापस लाने के लिए इंटरपोल से मदद मांगेगी ताकि उन सभी पर मानवता के खिलाफ कथित अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सके। हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं पर सरकार विरोधी छात्र आंदोलन को क्रूर तरीके से दबाने का आदेश देने का आरोप है। जुलाई से अगस्त महीने में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोगों की मौत हुई थी। बाद में यह आंदोलन बड़े पैमाने पर विद्रोह में तब्दील हो गया,

जिस कारण हसीना को पांच अगस्त को गुप्त रूप से भारत भागना पड़ा। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों लोग घायल हुए। इस घटना को यूनुस ने मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार बताया।

अक्टूबर के मध्य तक हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार की 60 से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई गईं। कानूनी मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने संवाददाताओं को बताया, इंटरपोल के जरिए बहुत जल्द ही रेड नोटिस जारी किया जाएगा। चाहे ये भगोड़े फासीवादी दुनिया में कहीं भी छिपे हों, उन्हें वापस लाया जाएगा और अदालत में जवाबदेह ठहराया जाएगा। आईसीटी उच्चतम न्यायालय परिसर में पुराने उच्च न्यायालय भवन में स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि रेड नोटिस किसी प्रकार का अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट नहीं बल्कि कानून प्रवर्तन (शेष पृष्ठ 9)

जस्टिस संजीव खन्ना आज लेंगे सीजेआई पद की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जो चुनावी बॉन्ड योजना को खत्म करने, ईवीएम की पवित्रता और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने जैसे कई ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हिस्सा रहे हैं, सोमवार को भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी। उनका कार्यकाल 13 मई, 2025 तक रहेगा। दिल्ली के एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखने वाले न्यायमूर्ति खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति देव राज खन्ना के पुत्र और प्रसिद्ध न्यायाधीश न्यायमूर्ति एचआर खन्ना के भतीजे हैं, जिन्हें इंदिरा गांधी के शासनकाल में मुख्य न्यायाधीश पद से हटा दिया गया था और बाद में वे कानून मंत्री बने। जस्टिस संजीव खन्ना के चाचा जस्टिस एचआर खन्ना ने 1976 में आपातकाल के दौरान कुख्यात एडीएम जबलपुर मामले में असहमतिपूर्ण फैसला लिखने के बाद इस्तीफा देकर सुर्खियां बटोरीं। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के हनन को बरकरार रखने वाले संविधान पीठ के बहुमत के फैसले को न्यायपालिका पर 'काला धब्बा' माना गया। जस्टिस एचआर खन्ना ने इस कदम को असंवैधानिक और कानून के शासन के खिलाफ घोषित किया और इसकी कीमत तब चुकाई जब तत्कालीन केंद्र सरकार ने उन्हें हटाकर जस्टिस एमएच बेग को अगला सीजेआई बना दिया। केंद्र ने 16 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की सिफारिश के बाद 24 अक्टूबर को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की नियुक्ति को आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया। शुक्रवार को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का सीजेआई के रूप में अंतिम कार्य दिवस था (शेष पृष्ठ 9)

वक्फ विधेयक समिति फिर विवादों के घेरे में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद सदस्यों की संसदीय समिति अब एक और विवाद में फंस गई है, क्योंकि विधेयक की जांच कर रहे कई विपक्षी सांसदों ने सुझाव दिया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात के बाद उन्हें जो आश्वासन मिला था, उसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने पैनल के अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर आरोप लगाया कि उनकी बैठकों में कोरम भी पूरा नहीं होने के बावजूद वे राज्यों का दौरा कर रहे हैं। पिछले मानसून सत्र में सरकार द्वारा पेश किए गए विवादास्पद विधेयक की जांच के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विपक्षी सदस्यों के तर्क को खारिज करते हुए कहा कि संसदीय समितियों के 'अध्ययन दौरा' एक अनौपचारिक अभ्यास हैं और कोरम पूरा करने जैसी औपचारिकताओं से बंधे नहीं हैं।

पाल के नेतृत्व वाली समिति वर्तमान में विभिन्न हितधारकों से बात करने के लिए पांच राज्यों के दौरे पर है, हालांकि विपक्षी सदस्यों ने इसका बहिष्कार किया है। समिति के अध्यक्ष ने रविवार को पीटीआई को बताया कि उन्हें 25 नवंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक समिति की रिपोर्ट सौंपने की समयसीमा पूरी होने का भरोसा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही 200-250 पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार कर ली है। हालांकि, समिति के विपक्षी सांसदों ने उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए हाथ मिला लिया है। उनका आरोप है कि भाजपा के सांसद पाल सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने पहले तो समिति के कामकाज से खुद को अलग करने की धमकी भी दी थी।

सूत्रों ने बताया कि 9 नवंबर को बिरला को भेजे गए अलग-अलग संदेशों में कुछ विपक्षी सांसदों ने कहा कि 5 नवंबर को बिरला से मुलाकात के बाद उन्हें लगा कि भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त समिति का पांच राज्यों का दौरा स्थगित किया जा सकता है, क्योंकि (शेष पृष्ठ 9)

कहीं बड़ी दाढ़ी तो कहीं नारंगी रंग पर बहस

● सरकारी कॉलेजों में विचित्र मुद्दों पर खींचतान

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर/बेंगलुरु

कर्नाटक के सरकारी कॉलेजों में जम्मू-कश्मीर के छात्रों द्वारा दाढ़ी रखने के विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, वहीं राजस्थान में एक और मुद्दा सामने आ रहा है, जहाँ संस्थान अपनी इमारतों को नारंगी रंग से रंगना चाहते हैं। राजस्थान कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने कायाकल्प योजना के तहत 20 सरकारी कॉलेजों को अपनी इमारतों और प्रवेश हॉल के अग्रभाग को नारंगी रंग से रंगने का निर्देश दिया है। आयुक्तालय के अनुसार, यह कदम शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक माहौल सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। यह योजना भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वच्छता, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक राष्ट्रीय पहल है

विपक्षी कांग्रेस ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे शैक्षणिक संस्थानों का राजनीतिकरण करने का प्रयास बताया। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि यह कॉलेजों में शिक्षा का 'राजनीतिकरण' करने का प्रयास है। बीजेपी सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, सरकार के पास अपनी उपलब्धियों के रूप में बताने के लिए कुछ भी नहीं है और ध्यान भटकाने के लिए वह इस तरह के कदम उठा रही है। राजस्थान सरकार के संयुक्त निदेशक (योजना), कॉलेज शिक्षा विजेंद्र कुमार शर्मा ने पिछले महीने इस योजना के तहत कॉलेजों के सामने के हिस्से और प्रवेश हॉल की पेंटिंग के संबंध में आदेश जारी किया था। आदेश में कहा गया है कि पहले चरण में कुल 20 कॉलेजों, प्रत्येक संभाग स्तर पर दो कॉलेजों को पेंट किया जाना है। कॉलेज उच्च शिक्षा के मुख्य केंद्र हैं। आदेश में कहा गया है कि कॉलेज का शैक्षणिक माहौल और परिदृश्य छात्रों के लिए ऐसा होना चाहिए कि वे कॉलेज में प्रवेश करते ही सकारात्मक महसूस करें। संयुक्त निदेशक ने आदेश में आगे कहा कि योजना के पहले चरण में प्रत्येक संभाग के दो सरकारी कॉलेजों को शामिल किया गया है और 20 कॉलेजों की इमारतों के सामने के हिस्से और प्रवेश द्वार को एशियन पेंट्स व्हाइट गोल्ड 8292 और एशियन पेंट्स ऑरेंज क्राउन 7974 से रंगा जाना चाहिए।

दक्षिण में, कर्नाटक के हासन में, कर्नाटक के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ने वाले जम्मू और कश्मीर के छात्रों द्वारा लंबी दाढ़ी रखने को लेकर उठे विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है, संस्थान के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मुद्दा तब प्रकाश में आया जब जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हसन जिले के होलेनरसिपुरा में कॉलेज में छात्रों के सामने आने वाली 'महत्वपूर्ण चुनौतियों' के बारे में पत्र लिखा। हसन इंस्टीट्यूट (शेष पृष्ठ 9)

सांसों में घुलता जहर!

रविवार को दिल्ली में जहरीली हवा के साथ एक और सुबह हुई, क्योंकि दिवाली के बाद लगातार 10वें दिन भी हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में धुंध की घनी परत छाई रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक 334 रहा। अलीपुर, आनंद विहार, जहाँगीरपुरी, रोहिणी और बवाना सहित प्रमुख क्षेत्र बहुत खराब एक्यूआई श्रेणी में रहे। सफदरजंग हवाई अड्डे पर धुंध/हल्का कोहरा देखा गया। शहर के कई हिस्सों में, इमारतें, स्मारक, कार्यालय, फ्लाईओवर, सड़कें और पुल मुश्किल से दिखाई दे रहे थे क्योंकि वे धुंध की मोटी परत से ढके हुए थे।

48 लाख विवाह समारोह, छह लाख करोड़ का होगा कारोबार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भारत में हर साल दुनिया में सबसे ज़्यादा शादियाँ होती हैं, और हर शादी दूल्हा-दुल्हन, उनके दोस्तों और परिवारों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होती। शादियाँ दुनिया भर में एक बड़ा कारोबार है, हालाँकि, बाज़ार के आकार के मामले में, भारतीय विवाह उद्योग अभी भी चीन से छोटा है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका से लगभग दोगुना बड़ा है। 12 नवंबर को देव उठावनी एकादशी से शुरू होने वाले भारत के विवाह सीजन में पूरे देश में 48 लाख विवाह समारोह होने की उम्मीद है, जिससे छह लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। इसका श्रेय इस सीजन में 18 शुभ विवाह मुहूर्तों (तिथियों) को जाता है, जबकि 2023 में 11 थे।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक अध्ययन के अनुसार, इन 48 लाख शादियों में से लगभग 40 लाख 'बजट-शादियाँ' (जिनकी लागत 3 लाख रुपये से 15 लाख रुपये के बीच होगी) होंगी, जबकि लगभग 50,000 शादियाँ 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक खर्च वाली 'शानदार' होंगी। लगभग सात लाख शादियों का बजट 25 लाख होगा, जबकि 50,000 शादियों पर 50 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होंगे।

अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 4.5 लाख शादियाँ जो धूमधाम से होंगी, दिल्ली की अर्थव्यवस्था में

1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देंगी। पिछले साल, इस सीजन में 35 लाख शादियों ने यहाँ 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया था। व्यापारियों का कहना है कि शादियाँ कपड़ों, आभूषणों, ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे कई अन्य क्षेत्रों को भी बढ़ावा देने में मदद करती हैं। इन उद्योगों में शादी के मौसम में अधिक मांग देखी जाती है, क्योंकि कंपनियाँ शादी की तारीखों के आसपास अपने प्रचार और स्टॉक प्रबंधन का सावधानीपूर्वक समय तय करती हैं। आभूषण उद्योग का आधे से अधिक राजस्व दुल्हन के आभूषणों से आता है, जबकि विवाह और उत्सव के परिधानों पर होने वाले खर्च का 10 प्रतिशत हिस्सा होता है। वेडिंग प्लानर्स के अनुसार, एक नया चलन उभर रहा है, जो शादियों के लिए सोशल मीडिया सेवाओं पर खर्च में वृद्धि है।

इस बारे में बताते हुए कैट के महासचिव और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय विवाह उद्योग काफी हद तक खंडित और असंगठित है, लेकिन बड़े खिलाड़ियों के लिए अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि शादी के खर्च को वस्तुओं और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है, जिसमें मुख्य व्यय क्षेत्र कपड़े, साड़ी, लहंगे और परिधान (10 प्रतिशत), आभूषण (15 प्रतिशत), इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण (पांच प्रतिशत), सूखे मेवे, मिठाई और स्नैक्स (पांच प्रतिशत), किराने का सामान और सब्जियां (पांच प्रतिशत), उपहार आइटम (चार प्रतिशत) और अन्य सामान (छह प्रतिशत) हैं। (शेष पृष्ठ 9)

कार सवार मां-बाप समेत 5 की मौत

खराब खड़े ट्रक में पीछे से घुसा तेज रफ्तार वाहन, दादरी के कांशीराम कॉलोनी जा रहे थे

● यातायात पुलिस की लापरवाही को लेकर लोगों में रोष

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

क्षतिग्रस्त कार

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर रविवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खराब खड़े ट्रक में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पीछे से घुस गई।

यह सड़क हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के आगे का पूरा हिस्सा खत्म हो गया। हादसे में मां-बाप, बेटे समेत 5 की मौत हो गई। मरने वालों में तीन महिलाएं हैं। यह सभी लोग निठारी अस्पताल से दादरी थाना क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी जा रहे थे। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत सुबह करीब 6 बजे वैगनआर कार ट्रक से टकरा गई। कार में देवी सिंह, उनकी पत्नी राजकुमारी, बेटा अमन सवार थे। इसके साथ ही अमन दो मौसी कमलेश और विमलेश भी सवार थीं। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। यह लोग नोएडा की तरफ से परी चौक होते हुए अपने निवास स्थान काशीराम कॉलोनी घोड़ी बछेड़ी जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सेक्टर-146 मेट्रो स्टेशन के पास रोड के किनारे खराब खडे ट्रक में पीछे से जा घुसी। इससे कार चला रहे अमन की मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनके परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी है।

पुलिस ने सड़क पर खड़े खराब ट्रक और क्षतिग्रस्त कार को हटवा दिया है। बताया जाता है कि ट्रक के टायर खराब थे, इस कारण ट्रक सड़क के किनारे खड़ा हुआ था। अगर पुलिस इस ट्रक को पहले ही हटा दिया होता तो शायद यह हादसा नहीं होता।

गाजियाबाद में बिजली विभाग की टीम को ग्रामीणों ने पीटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव कलछीना में बिजली का कनेक्शन काटने को लेकर ग्रामीणों व बिजली विभाग टीम के बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट की। जिसके बाद उन्होने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। बिजली विभाग की तरफ से इस संबंध में भोजपुर थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है।

बिजली विभाग द्वारा गांव कलछीना में बिल कनेक्शन कराने के लिए शिविर लगाया गया था। जिन लोगों के बिजली के बिल के बिल जमा नहीं हुए है,उनके कनेक्शन काटना शुरु कर दिया। ग्रामीणों का आरोप जिनके बिजली के बिल जमा है, फिर भी उनके कनेकशन काटने शुरू कर दिए। इस बात को लेकर बिजली विभाग व ग्रामीणों के बीच कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि देखते ही देखते विवाद इतना ब?ा कि सैक?ों ग्रामीण एकत्र हो गए और उन्होंने बिजली विभाग की टीम को घेर लिया और मारपीट करनी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने बिजली विभाग की टीम को दौड़ा- दौड़ाकर पीटा। बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह ग्रामीणों को लाठी फटकार कर भगाया।

अधिशासी अभियंता महेश उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे। बिजली विभाग ने इस संबंध में सात नामजद सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। अधिशासी अभियंता महेश उपाध्याय ने बताया कि बिजली विभाग की टीम के साथ अभद्रता व धक्का-मुक्की हुई है।

संक्षिप्त समाचार

कुंवर बेचैन की स्मृति में कवि सम्मेलन का आयोजन

गाजियाबाद। गाजियाबाद के हिंदी भवन में महाकवि डॉक्टर कुंवर बेचैन फाउंडेशन की ओर से कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह 6 घंटे से भी अधिक चला। इसमें कई किताबों का लोकार्पण हुआ साथ ही बॉलीवुड अभिनेता और कवियों को सम्मान से नवाजा गया। गाजियाबाद के रहने वाले महाकवि डॉक्टर कुंवर बेचैन फाउंडेशन की ओर से कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें बॉलीवुड कलाकार रजा मुराद और यशपाल शर्मा ने भी शिरकत की। इस दौरान कई कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी। साथ ही कुंवर बेचैन की पुस्तक सफर में हूं और अभिनेत्री कवियित्री प्रतिभा सुमन की पुस्तक अर्बन नक्सल बीवी का लोकार्पण किया गया। कवि सोम ठाकुर को साहित्य ऋषि सम्मान से नवाजा गया तो वहीं दिनेश रघुवंशी को साहित्य मनीषी सम्मान और अभिनेता राजा मुराद को काव्य कुटुम्ब सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव राज शर्मा ने किया। इस दौरान गाजियाबाद के स्थानीय सांसद अतुल गर्ग और मेयर सुनीता दयाल भी मौजूद रही।

गाजियाबाद में नहर में मिला शव

गाजियाबाद। मोदीनगर के गांव अबूपुर स्थित सोनिया विहार रेगूलेटर के पास गंगनहर में सुबह के समय एक व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सिर में चोट के निशान होने के चलते हत्या कर शव को नहर में फेंकने की आशंका जताई है। एसीपी मोदीनगरज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि सुबह निवाड़ी पुलिस को सूचना मिली कि गंगनहर में सोनिया विहार रेगूलेटर के पास एक व्यक्ति का शव तैर रहा है। सूचना मिलते ही निवा?ी पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी ने बताया कि मृतक की उम्र 45 साल के आसपास है और अभी तक शिनाख्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि शव कई दिन पुराना लग रहा है और पीछे से बहकर आया होगा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मृतक के सिर व शरीर पर चोट के निशान है।

गरीब लड़कियों को सशक्त बनाने की पहल

नोएडा। ग्राम निठारी में सखा - एक पहल संस्था द्वारा शुरू किए गए क्रोशिया स्कूल विद्या देवी स्कूल ऑफ क्रोशिया और बुनाई का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीसीपी रामबदन सिंह, एनएईसी के अध्यक्ष ललित ठुकराल और विशिष्ट अतिथि आयशा चौहान, खुशबू खुराना, सुमन शर्मा, प्रेरणा गुगनानी, सुकृति चौहान, सीमा सचदेवा और आरती सिंह ने किया। संस्था की अध्यक्षा विभा चुघ ने बताया कि यह स्कूल उन वंचित लड़कियों को कौशल सिखाने का अवसर प्रदान करेगा जो उनके जीवन में आय के नए स्रोत खोलने और आत्मनिर्भर बनने में सहायक होंगे। इस पहल का लक्ष्य शिक्षा और बेहतर भविष्य के सपने पूरे करने में उन्हें सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में लाइव डेमो, मेंटरों से संवाद और इस परिवर्तनकारी पहल का हिस्सा बनने वाली लड़कियों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा किया गया। डीसीपी रामबदन सिंह ने कहा कि एक महिला को आत्मनिर्भर बनाना एक परिवार को सशक्त करना है। इन पहल से निश्चित ही समाज में बड़ा बदलाव आएगा जिसके हम साक्षी हैं।

रोटरी क्लब ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर किए दान

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित होटल फॉर्च्यून इन में शनिवार को रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ओखला सिटी के तत्वाधान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए गए। इस पहल का उद्देश्य ज़रूरतमंद मरीजों को जीवनदायिनी ऑक्सीजन उपकरण उपलब्ध कराकर चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाना है। रोटरी क्लब के सदस्य रोटेरियन सीए संभव और शैलजा मेहरा द्वारा इन कंसंट्रेटरों का दान किया गया, जिनके माध्यम से कोविड-19 और अन्य श्वसन रोगों से पीड़ित मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में हथियार संग बदमाश।

नोएडा में बदमाश के साथ पुलिस की मुठभेड़

● जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में लगी गोली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के थाना 20 की पुलिस की मासूम बच्ची का अपहरण करने वाले बदमाश से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लगने से वो घायल हो गया। आरोपी एक मासूम बच्ची को उठाकर ले गया था, जो सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ था। उसके बाद 6 टीमों का गठन कर बच्ची को बरामद कर लिया गया ।

थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के अंतर्गत चाइना कट सेक्टर-18 नोएडा के पास स्थित बीकानेर रेस्टोरेन्ट के बाहर बने बूथ से एक वर्ष की बच्ची का अपहरण करने की घटना को खोलने के लिए 6 टीमों का गठन किया गया था। जिस पर पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज व अन्य माध्यमों से बच्ची को सकुशल बरामद करने के लिए तलाश कर रही थी। इसी क्रम में शनिवार दोपहर के समय बच्ची को मल्टीलेवल कार पार्किंग सेक्टर-18 नोएडा के पास स्थित झाड़ियों से बरामद किया गया था। सीसीटीवी फुटेज में बच्ची को उठाकर ले जा रहे बदमाश की तलाश उसी स्थान के आस-पास व झाड़ियों में की जा रही थी। पुलिस टीम द्वारा की जा रही कॉम्बिंग के दौरान शातिर बदमाश ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया, जिस पर पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फारिंग की जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान बबलू निवासी जेजे कॉलोनी सेक्टर-18, थाना सेक्टर 20 नोएडा मूल पता ग्राम डहेरिया चौक (लक्ष्मी टोला मनिहारी गुमटी) थाना शहीद चौक, जिला कटिहार, बिहार के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से 1 अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। नोएडा के डीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया आरोपी नेथाना सेक्टर-20 नोएडा क्षेत्रान्तर्गत चाइना कट सेक्टर-18 नोएडा के पास स्थित बीकानेर रेस्टोरेन्ट के बाहर बने बूथ से एक वर्ष की बच्ची को चोरी किया गया था। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई थी और इसको लेकर 6 टीमों का गठन किया गया था। इस घटना का सफल अनावरण किया गया है, बच्ची को पहले ही बरामद कर दिया गया और आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम पर चलाई गोली

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की सेक्टर-142 पुलिस व सर्विलांस सेल टीम की शातिर बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वो घायल हो गया, वहीं दूसरे बदमाश को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। यह दोनों बदमाश बड़े ही शातिर किस्म के चोर हैं। इनके कब्जे से चोरी का एक ई - रिक्शा, एक मोटरसाइकिल, नगदी व तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं। दरसअल थाना सेक्टर-142 पुलिस व सर्विलांस टीम सेन्ट्रल जोन द्वारा सेक्टर-145 के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, तभी गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि हिण्डन पुस्ता रोड़ किनारे 2 संदिग्ध लोग खड़े हुए हैं। यह सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दो बदमाश ई-रिक्शा व मोटरसाइकिल के साथ पुस्ता के किनारे खड़े दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस द्वारा टोका गया तो उनके द्वारा भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वो घायल हो गया, जिसकी पहचान रोहित कुमार के रूप में हुई है। घायल बदमाश के साथी अनिल कुमार कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

शहर के दो सेक्टरों में चलाया सफाईगिरी अभियान, स्वच्छता की दिलाई शपथ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा सेक्टर-34 एवं सेक्टर-72 में शनिवार को सफाई गिरि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सेक्टर में सघन सफाई अभियान चलाया गया।

सेक्टरवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। सफाईगिरि कार्यक्रम के दौरान फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 अध्यक्ष केके जैन ने नोएडा प्राधिकरण के काम की सराहना की और बताया कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का सहयोग हमेशा मिलता रहता है। जिससे सेक्टर आज अपनी एक अलग पहचान बनाता जा रहा है। यह सब संबंधित विभाग के अधिकारियों के निरंतर सहयोग से ही संभव हो पा रहा है। सफाईगिरि कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से सेक्टर के विकास कार्यों संबंधित कुछ मांगे भी रखी। जिनमें वेंडर जोन को सीमित करके ठीक प्रकार से लागू करने, शुक्रबाजार को सर्विस रोड में शिफ्ट करने, बड़े सिंचाई नाले को कवर करने, समस्त अपार्टमेंट की आंतरिक रोड की रिसर्फेसिंग पार्कों में लाइटिंग फाउंटेन लगाने, सेक्टर की मार्केट का सौंदर्यीकरण आदि मांगे शामिल रही। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण से जन स्वास्थ्य विभाग से परियोजना अभियंता गौरव बंसल, उद्यान निदेशक आनंद मोहन सिंह, वर्क सर्किल से वरिष्ठ प्रबन्धक पारसनाथ सोनकर, जल व सीवर विभाग से वरिष्ठ प्रबंधक प्रेम सेन, विधुत यांत्रिकी विभाग से सुनील कश्यप, हॉर्टीकल्चर विभाग से इंस्पेक्टर तेजेन्द्र सिंह पुनिया, आरडब्ल्यूए से केके जैन, धर्मेन्द्र शर्मा, देवेंद्र वत्स, कर्नल अतुल सरीन, एमसी भारद्वाज, कर्नल शेखर शर्मा, सुरेंद्र महाजन, आरपी प्रजापति, संजीव महतो, आरपी वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण पर 81 गांवों के किसान आज करेंगे प्रदर्शन

● अधिकारियों से कार्य प्रगति रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि 10 अक्टूबर से नोएडा प्राधिकरण पर भारतीय किसान यूनियन मंच का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन चल रहा है जिसे 30 दिन हो चुके हैं लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी किसानों से लगातार झूठे वादे कर अभी भी किसानों को गुमराह करने पर लगे हुए हैं जिसके कारण किसानों में भारी रोष है इसलिए भारतीय किसान यूनियन मंच की संपूर्ण कार्यकारिणी और 81 गांवों के किसानों ने भारतीय किसान यूनियन मंच के प्रधान कार्यालय गांव शाहपुर गोवर्धनपुर सेक्टर 128 पर पंचायत कर निर्णय लिया है कि 11 नवंबर को नोएडा प्राधिकरण पर बड़ा और निर्णायक विरोध प्रदर्शन करेंगे।

पंचायत की अध्यक्षता निरंजन प्रधान सलारपुर ने की और मंच संचालन उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मनविंदर भाटी ने किया डीपी चौहान को भारतीय किसान यूनियन मंच के सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया एवं निरंजन प्रधान सलारपुर को सदस्य भाकियू मंच और सोमेंद्र पंडित को वरिष्ठ उपाध्यक्ष यूथ विंग में नियुक्त किया गया। पंचायत को को संबोधित करते हुए मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण किसानों को हल्के में लेने की भूलना करें 11 नवंबर दिन सोमवार को नोएडा प्राधिकरण का बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से किसानों के कार्य की प्रगति रिपोर्ट भी किसानों के सामने सार्वजनिक कराई जाएगी।

गाजियाबाद में गैंगस्टर को लगी गोली

गाजियाबाद। थाना मसूरी क्षेत्र में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक वांटेड को पुलिस की गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में घायल बदमाश गैंगस्टर है। उस पर एक दर्जन से अधिक संगीन मुकदमे दर्ज हैं। ये बदमाश एक्सप्रेस-वे पर वाहनों से लूटपाट किया करता था। बदमाश के कब्जे से पुलिस ने बाइक, हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। गाजियाबाद में एसीपी मसूरी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि थाना मसूरी पुलिस दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेस-वे अंडरपास के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कुशलिया की तरफ से एक बाइक सवार आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब बाइक सवार को रुकने का इशारा किया तो बाइक सवार अपनी बाइक को पीछे मुड़कर भागने लगा। इसी दौरान उसकी बाइक फिसल गई और वह नीचे गिर गया। पुलिस जब उसके पास पहुंचने लगी तो गिरे बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के लगी है। पुलिस हिरासत में पूछताछ पर बदमाश ने अपना नाम बिलाल पुत्र हनीफ निवासी नेकपुर थाना मुरादनगर बताया है।

गाजियाबाद में रात का तापमान 20 डिग्री से नीचे पहुंचा

गाजियाबाद। नवंबर माह एक तिहाई बीत चुका है। ऐसे में गाजियाबाद में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा है। अगले वीक से से एनसीआर में तापमान में 2 डिग्री की कमी आनी बताई जा रही है। शहर के अलग-अलग इलाकों में अभी भी हवा साफ नहीं है।

सुबह के समय गाजियाबाद का न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं दिन में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है। आज हवा की गति 5 किलोमीटर प्रति घंटा से है। दिन में हल्की धूप के साथ मौसम साफ रहेगा। दीपावली पर एयर क्वालिटी के मामले में देश में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर उत्तर प्रदेश का गाजियाबाद रहा, दूसरे नंबर पर दिल्ली और तीसरे नंबर पर ग्रेटर नोएडा है। एनसीआर के शहरों की एयर क्वालिटी गंभीर श्रेणी में पहुंच गई थी। इंडेक्स पर एयर क्वालिटी दीपावली की अपेक्षा कम हुई है।

प्रेमिका ने दिया धोखा, प्रेमी फंदे पर लटका, मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना फेस- तीन क्षेत्र के गांव गढी चौखंडी में रहने वाले एक युवक ने आज अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। आसपास के लोगों का कहना है कि युवक ने प्रेम प्रसंग में विफल होने पर यह कदम उठाया है।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस- तीन क्षेत्र के गांव गढ़ी चौखंडी गांव में किराए के मकान में रहने वाले सोनू कुमार पुत्र विजय सिंह निवासी जनपद अलीगढ़ उम्र 22 वर्ष में आज सुबह को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर विधि विज्ञान की टीम पहुंची है। पुलिस व विधि-विज्ञान की टीम घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। इस मामले में अन्य अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि युवक एक लड़की से प्रेम करता था। प्रेम प्रसंग में विफल रहने पर उसने आत्महत्या किया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रहकर मामले की जांच कर रही है।

साइबर ठगी के 70 लाख वापस कराए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर ठगी का शिकार हुए पीड़ितों की रकम वापस कराने को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने विशेष अभियान चलाया है। अक्टूबर माह में साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने ठगी के अलग-अलग मामले में 69 लाख 82 हजार 998 रुपए की रकम पीड़ितों के खाते में वापस कराई। इस दौरान ठगी के 1 करोड़ 74 लाख 37 हजार 676 रुपए की रकम को फ्रीज कराया गया।

डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि साइबर क्राइम थाने द्वारा साइबर ठगी से संबंधित मामलों का तुरंत संज्ञान लेते हुए पीड़ितों को जल्द से जल्द सहायता प्रदान की जाती है। पुलिस द्वारा संबंधित बैंकों से तालमेल स्थापित करते हुए साइबर ठगी के पैसों को जल्द से जल्द पीड़ितों के खातों में वापस कराया जाता है। इसी कड़ी में अक्टूबर में साइबर क्राइम थाने द्वारा पीड़ितों द्वारा दर्ज कराई गई विभिन्न शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की गई और 1 करोड़ 74 लाख 37 हजार 676 रुपए फ्रीज कराए गए। 69 लाख 82 हजार 998 रुपए को पीड़ितों के खाते में वापस भी कराया गया। 16 साइबर अपराधियों को अक्टूबर में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि साइबर अपराध से बचने के लिए सतर्क रहें।

बचाव के टिप्स

1. साइबर अपराध से बचने के लिए सतर्क रहें, इंटरनेट की दुनिया में किसी पर भी बिना सत्यापन के विश्वास न करें।
2. साइबर जगत में अक्सर आपके भय या लालच का फायदा उठाकर आपको झांसे में लेकर ठगा जाता है।
3. मेहनत करके धन अर्जित करें, कोई भी अचानक से आपकी मेहनत की कमाई को दुगना नहीं कर सकता।
4. जब तक किसी से आमने-सामने मिल ना लें तब तक किसी पर भी विश्वास न करें।
5. अपनी निजी जानकारी जैसे पासवर्ड, ओटीपी, बैंक विवरण, पहचान विवरण को अनावश्यक कहीं भी साझा न करें।

बुलेट सवार युवकों ने दंपति पर किया हमला

गाजियाबाद। मोदीनगर में दिल्ली -मेरठ मार्ग पर अम्बर सिनेमा के पास बुलेट सवार युवकों ने बाइक सवार दंपत्ति पर हेलमेट से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला की हालात गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव फजलगढ़ निवासी मुस्तकीम परिवार सहित रहता है। मुस्तकीम अपनी पत्नी शबनम को डॉक्टर के पास दिखाने के लिए बाइक से जा रहा था। जब वह दिल्ली- मेरठ मार्ग पर अम्बर सिनेमा के सामने पहुंचे तो पीछे से आ रही बुलेट ने बाइक में टक्कर मार दी। इस बात को लेकर युवकों और दंपति के बीच विवाद हो गया। देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बुलेट सवार युवकों ने मारपीट करनी शुरू कर दी।

न्यू नोएडा के लिए अलग बने प्राधिकरणः कोनरवा

● शहरी समस्याओं को लेकर उठाये सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सामाजिक संस्था कनफिडिरेशन ऑफ एनसीआर रेजिडेन्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (कोनरवा) की नोएडा चैप्टर की हुई एक प्रेस वार्ता के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि नोएडा के स्थापना के 48 वर्ष बाद भी नोएडा प्राधिकरण शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाया है।

जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर शनिवार को सेक्टर-27 स्थित क्लब-27 में कोनरवा ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता में कोनरवा अध्यक्ष पीएस जैन, महासचिव राजीव गर्ग, संयोजक बीबी वलेचा, मनीष शर्मा, लोकेश कश्यप, दिनेश जैन, किरन भारद्वाज, मीरा हेमन्त, रविन्द्र के अहलूवालिया, महेन्द्र कटारिया, सुष्मिता चक्रवर्ती, गिरीश कपूर, ब्रि. अशोक हक, एमसी भारद्वाज सहित अन्य शामिल रहें।

प्रेस वार्ता के दौरान कोनरवा अध्यक्ष पीएस जैन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नोएडा उत्तर प्रदेश का आर्दश शहर है। यहां पर इन्फ्रास्ट्रेक्चर का विकास प्राधिकरण द्वारा काफी अच्छा किया गया है। विकास की इस क?ी में नोएडावासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना भी नोएडा प्राधिकरण का दायित्व है। नोएडा को स्थापित हुए 48 वर्षों से अधिक होने के बाद भी नोएडा प्राधिकरण शहरवासियों को पीने योग्य पानी की आपूर्ति करने में सफल नहीं है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नागरिकों का मौलिक अधिकार है तथा प्राधिकरण की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि प्राधिकरण द्वारा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कर ली जाती है तो लाखों लीटर पानी की बरबादी को भी रोका जा सकता है।

गंगा जल में रेनी वेल के पानी को मिक्स करने से गंगा जल भी दूषित हो जाता है अथवा गंगा जल पीने योग्य नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि तथा टयूबवेल पर भी आवश्यकतानुसार ट्रीटमेन्ट प्लान्ट लगाया जाना चाहिए। नोएडा की आवासीय भूमि को कराया जाए फ्री होल्ड पीएस जैन ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण की आवासीय भू-खण्ड की संपति को लीज होल्ड से फ्री होल्ड किये जाने के संबंध में 10 अक्टूबर 2018 में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था जिसमें मुख्य विधि सलहाकार, वित्ति नियंत्रक, विशेष कार्याधिकारी, उप महाप्रबंधक नियोजन व मैसर्स ई एण्ड वाई कंपनी का प्रतिनिधि सदस्य के रूप में नामित हुए थे।

समिति द्वारा अपनी बैठक कर एक संस्तुति दी थी, जिसको दृष्टिगत रखते हुए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि आवासीय भू-खण्डो को फ्री होल्ड किये जाने के संबंध में विस्तृत रिर्पोट तैयार की जाए।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, krishan R/o H No 9340, Katra Ganga Bishan Gaushala Marg, Kishan Ganj, North Delhi-110006 declare that I am changing the name of my minor daughter from Kirti to KANAK for all future purposes.

PD(897)C

It is for general information that I, Sukhwinder Kaur W/o Jitendra Singh, C/o C-32 /6 /232, Guru Nanak Pura, Laxmi Nagar Delhi-110092, declare that name of mine in my Adhar Card No 9822-1859-9007 have been wrongly written as Sukhvinder Kaur. The actual name of mine and its spellings are as Sukhwinder Kaur respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PD(896)A

CHANGE OF NAME

It is for general information that I, MANJARI LUTHRA, D/o SHRI. ANIL KUMAR VERMA, Ex. W/o SHREE AMIT LUTHRA, residing at H. No. 363, Second Floor, Sector-46, Faridabad, Haryana, declare that I got divorced from my husband vide Family Court, Faridabad, Decree No. HMA/395/2024 Dated 01/07/2024. Further, I have changed my name and names of my minor daughters, namely JIA LUTHRA aged 14 years, and SAISHA LUTHRA aged 9 years, and we shall hereafter be known as MANJARI VERMA, JIA VERMA, and SAISHA VERMA, respectively in the future for all purposes.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the Public at large that my clients Sh. Hari Prasad Shukla S/o Late Data Ram and Smt. Usha Devi W/o Hari Prasad Shukla both R/o F-3/798, Gali No. 12, Sangam Vihar Deoli, Pushpa Bhawan, South Delhi, Pin-110062 severed all relation with their daughter namely Miss. Rinki Shukla due to her bad habits. My clients have disowned and debarred their daughter from all movable and immovable properties. Anybody dealing with Rinki Shukla will do so at his/her/their own risk and responsibilities and My clients shall not be responsible for any act, deed or dealing done by Rinki Shukla.

NEERAJ KARGETI (Advocate) Block N-8(A), Ground Floor Jangpura Extension New Delhi-110014, Mob No: +91-8750119197

CHANGE OF NAME

It is for general information that I, MOHD ATIF S/o MOHD WAKIL, R/o H No-32, Bagichi Bhargava Lane, Boulvard Road, VTC: Civil Lines, PO: Civil Lines, Sub District: Delhi, District North Delhi State: Delhi-110054, declare that name of mine my father and my mother has been wrongly written as MOHAMMED ATIF, MOHHAMMED WAKIL and FARIDA BANU in my 12th class educational Documents. The Actual name of mine my father and my mother are MOHD ATIF, MOHD WAKIL and FARIDA BANO respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुव्वकिल श्री जयाउल हक पुत्र इकरामुल हक और मेरी पत्नी अफरोजी खातुन दोनो निवासी ए-321, अमर पुरी, नबी करीम, पहाड़ गंज, मध्य दिल्ली, दिल्ली-110055, व स्थाई पता, ग्राम, चक अब्दुल्ला, उर्फ पहाड़ पुर, खोटी पोस्ट, दिहुली, वाया चंदन पट्टी, थाना, सकरा, जिला, मुजफ्फरपुर,-843104, ने अपने बेटे मो, रेहान व उसकी पत्नी नाजरीन एवं मेरा दुसरा बेटा मो, रशीद व उसकी पत्नी शाजीया खातुन को दुर्व्यवहार और गलत आचरण के कारण अपनी सभी चल एवम् अचल समपत्ति से बेदखल कर अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। मेरे मुव्वकिल के उपरोक्त पुत्रो एवं उसकी पत्नी के साथ कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का लेन-देन, कानूनी वाद-विवाद या व्यवहार करता है या फिर उससे सम्बन्ध रखता है तो उसके लिये वह स्वंय ही जिम्मेदार होगा, इसमें मेरे मुव्वकिल व उसके परिवार की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी।

Mohd. Ali Ansari (Advocate) Ch. 486, Block Saket Court Complex, New Delhi-110017

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 11 नवंबर, 2024

आप के पूर्व मंत्री हरशरण बल्ली भाजपा में शामिल

- कहा, पूरा सिख समाज पीएम मोदी की ओर विश्वास के साथ देख रहा है
- कहा, केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को भ्रष्टाचार की दलदल में धकेल दिया है

आप के पूर्व मंत्री हरशरण सिंह बल्ली को भाजपा में शामिल कराते वीरेंद सचदेवा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री, सिख समाज एवं आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सरदार हरशरण सिंह बल्ली रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। पूर्व मंत्री को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर उनके साथ हरशरण सिंह बल्ली के पुत्र आप के युवा नेता सरदार गुरमीत सिंह 'रिकू' बल्ली ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व महापौर सुभाष आर्य एवं पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा भी मौजूद थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने दिल्ली के उधोग मंत्री के रूप में दिल्ली के उद्योग व्यापार के विस्तार में बड़ी भूमिका अदा की। उन्होंने कहा, हरशरण सिंह बल्ली दिल्ली के प्रतिष्ठित सिख समाज नेता हैं जो ईमानदार जनप्रतिनिधि की छवि के साथ पश्चिम दिल्ली में सर्वमान्य सिख नेता के रूप में स्थापित हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा की दिल्ली में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के चलते दिल्ली के व्यापारियों को सीलिंग की मार झेलनी पड़ी।

उस वक्त सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने दिल्ली के व्यापारियों के सीलिंग विरोधी आंदोलन को नेतृत्व दिया, अनेक बार जेल गये और आज भी दिल्ली के व्यापारियों के सम्मान के पात्र हैं। भाजपा परिवार में पुन: जुड़ने पर अति भावुक सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने कहा है की मैंने बहुत उम्मीद के साथ अरविंद केजरीवाल की बातों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली थी पर 5 साल बाद हताश होकर आप को छोड़ा है क्योंकि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को विकासधारा से काट कर भ्रष्टाचार की दलदल में धकेल दिया है।

सरदार हरशरण सिंह बल्ली ने कहा आज पूरे देश के साथ ही पूरा सिख समाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर विश्वास के साथ देख रहा है और 1984 के दंगाईयो सज्जन कुमार एवं जगदीश टाइटलर को कटघरे में खड़ा करने के लिए आभारी है। सरदार बल्ली ने कहा है की मुझे विश्वास है सज्जन कुमार एवं टाइटलर के कानून का मुजरिम बनने के बाद दिल्ली का सिख समाज 2025 में भाजपा को बड़ी विजय दिलायेगा।

झटका : कांग्रेस नेता मतीन अहमद ने थामा आप का दामन

चौ. मतीन को आप में शामिल करते पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सीलमपुर से पांच बार विधायक रहे मतीन अहमद रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। कुछ दिन पहले ही उनके बेटे और बहू भी आप में शामिल हुए थे।

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस की दिल्ली इकाई के वरिष्ठ नेता अहमद के पार्टी में शामिल होने की औपचारिक घोषणा की। केजरीवाल ने पार्टी में शामिल हुए नए सदस्य का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यमुना पार क्षेत्र में चौधरी मतीन अहमद जी जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करते आए हैं। अहमद के बेटे चौधरी जुबैर अहमद और उनकी पार्षद पत्नी शगुफ्ता चौधरी 29 अक्टूबर को आप में शामिल हो गए थे।

विरोध प्रदर्शन के चलते कनाडा उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ी

- हिंदू-सिख संगठन के सदस्यों के मार्च को देखते हुए लिया गया फैसला

राजधानी स्थित कनाडा उच्चयोग के बाहर विरोध-प्रदर्शन करते लोग।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करते हुए हिंदू-सिख समूह के प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के चाणक्यपुरी इलाके में कनाडा उच्चायोग के बाहर अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है।

पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने और कानून-व्यवस्था में किसी तरह की बाधा न आए, यह सुनिश्चित करने के लिए उच्चायोग के बाहर बैरिकेड्स लगाए और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी। हालांकि, इससे आक्रोशित प्रदर्शनकारियों इतने से नहीं माने और विरोध प्रदर्शन करते रहे। प्रदर्शन करने वालों में हिंदू और सिख समुदायों के गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले हिंदू सिख ग्लोबल फोरम के सदस्य शामिल थे, जिन्होंने इस तरह के हमलों को रोकने की मांग को लेकर मार्च निकाला। सिख सदस्यों सहित इन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की मौजूदगी के बावजूद बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' और 'जस्टिन ट्रूडो, हाय हाय' जैसे नारे लगाए। दिल्ली पुलिस प्रदर्शनकारियों से बैरिकेड्स के पीछे रहने की अपील करती नजर आई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने विरोध मार्च के आह्वान के बाद कनाडा के उच्चायोग के बाहर अतिरिक्त बल और बैरिकेडिंग तैनात की है। किसी को भी कानून और व्यवस्था का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने 'कनाडा में मंदिरों पर हमले बंद करो', 'आवाज़ दो हिंदू सिख एक है' और 'ना टूटेंगे ना बटेंगे, हम एक हैं' लिखी तख्तियां हाथ में लिए हुए थे।

कनाडा में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाकर की गई हिंसक घटनाओं की एक श्रृंखला के बाद यह विरोध प्रदर्शन हुआ है। जिसमें सबसे ताज़ा घटना 4 नवंबर को ब्रैम्पटन के एक मंदिर में हुई थी। 3 नवंबर को खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर महिलाओं और बच्चों सहित हिंदू भक्तों पर हमला किया गया और उन पर लाठियों से हमला किया गया।

भाजपा से नहीं संभल रही दिल्ली की कानून व्यवस्था : केजरीवाल

- आप प्रमुख ने कसा तंज, आखिर जनता किस विश्वास पर उनको पूरा प्रदेश सौंप दे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा की केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। रोहिणी के व्यापारी से रविवार को सरेआम रंगदारी मांगने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा से दिल्ली की कानून-व्यवस्था ही नहीं संभल रही है, तो जनता पूरी दिल्ली की जिम्मेदारी उसे कैसे दे दे।

वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री व वरिष्ठ आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोई ऐसा दिन नहीं बीत रहा है, जब दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से सरेआम गोलीबारी या रंगदारी मांगने की खबर न आ रही हो। गैंगस्टरों के नेटवर्क को बचाने के चक्कर में भाजपा ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था का बेड़ा गर्क कर दिया है। इतनी बुरी हालत कभी नहीं देखी गई। अगर भाजपा से कानून-व्यवस्था नहीं संभल रही है, तो दिल्ली की चुनी हुई सरकार को दे दें। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 10 दिन में कानून-व्यवस्था काबू में आ जाएगा।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि भाजपा ने दिल्ली को उस स्थिति में पहुंचा दिया है, जिस स्थिति में कभी 90 के दशक में मुंबई में अंडरवर्ल्ड का राज हुआ करता था।

सिसोदिया ने प्रदूषण पर भाजपा को घेरा

राजधानी में प्रदूषण पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए बहुत बेहतर इंतजाम किए हैं। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में बहुत कमी आई है। दिल्ली और पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकारें प्रदूषण कम करने पर काम कर रही हैं। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार प्रदूषण रोकने के लिए क्या कर रही है। भाजपा दिन-रात अरविंद केजरीवाल को गाली देने के अलावा क्या कर रही है।

आधा दर्जन बदमाशों ने दो दोस्तों को मारी गोली

- हालत गंभीर, हमलावर फरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के भलस्वा डेयरी इलाके में शनिवार रात आधा दर्जन बदमाशों ने दो दोस्तों को गोली मार दी। दोनों की हालत अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके पर से फरार हो गए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनको पकड़ने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक भलस्वा डेयरी पुलिस को बीती रात करीब पौने 12 बजे जगराम चौक,मुकुंदपुर,डी ब्लॉक में दो युवकों को गोली मारने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची।

जगराम चौक के रहने वाले दो दोस्त अरविंद (36) को छाती और पैर जबकि गोलू उर्फ डाबा (21) को थाई के पास गोली लगी थी।

दोनों को तुरंत नजदीक के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद अरविंद को ट्रॉमा सेंटर जबकि गोलू को लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में शिफ्ट कर दिया। क्राॅइम और फॉरेंसक टीम की मदद से सबूत इक्ट्ठा किये। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला कि दोनों दोस्त गली के बाहर बातचीत कर रहे थे। उसी वक्त करीब आधा दर्जन लड़के उनके पास आए और किसी बात को लेकर बहसबाजी करने लगे।

हाथापाई और गाली गलौच के बीच लड़को में से कुछ ने पिस्टल निकालकर उनको गोली मारने के बाद सभी हमलावर फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़ितों के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान करके उनको पकडने की कोशिश की जा रही है।

आजादपुर मंडी में कारोबारी से लूटपाट, सीसीटीवी जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। आजादपुर मंडी में एक कारोबारी से बदमाशों ने लूटपाट हुई। इस मामले में महेंद्रा पार्क पुलिस ने पीड़ित कारोबारी के बयान पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक शिकायतकर्ता निसारुल हक परिवार के साथ वीपी ब्लॉक, मौर्या एंक्लेव में रहता है। आजादपुर मंडी में कारोबार है। शनिवार को अलग अलग फर्म से टोटल पेमेंट 2 लाख 35 हजार रुपए पेमेंट कलेक्ट करके पिलर नंबर 270 के पास दोपहर एक बजे माल लाने वाले ट्रक ड्राइवरों को पेमेंट कर रहे थे। करीब 60 हजार रुपए दे चुके थे। बाकी करीब 1 लाख 75 हजार रुपए बैग में टेबल पर रखे थे। क बदमाश आया और बैग लूटकर भाग गया।

अस्पताल में भर्ती बच्चे के पिता को बेहोश कर लूटा

नई दिल्ली। समयपुर बादली इलाके में अस्पताल में भर्ती बच्चों की देखभाल और इलाज के लिए पैसे लेकर घर से निकले पिता को रास्ते में बदमाशों ने जबरन रोककर रूमाल सुंघाकर बेहोश कर करीब 15 हजार रुपये और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक पीड़ित दाता राम परिवार के साथ भगवानपुरा, समयपुर बादली इलाके में पत्नी व 2 बच्चे के साथ रहता है। वह बेलदारी का काम करता है। जिससे उसके परिवार को गुजारा होता है। पिछले कुछ समय से उसके दोनों बच्चे निमोनिया से ग्रस्त हैं।

15 लाख रुपये की फिरौती व अपहरण में आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की साइबर सेल ने फिरौती के लिए अपहरण करने के मामले में फरार आरोपी अनिल कुमार यादव को गिरफ्तार किया है।

वर्ष 2023 में जमानत पर रिहा होने के बाद, वह गायब हो गया और अदालती कार्यवाही में शामिल नहीं हुआ। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छह अक्तूबर 2016 को फर्श बाजार में किडनैपिंग और फिरौती मांगने का केस दर्ज हुआ था। जिसमें आरोपी अनिल को गिरफ्तार किया था।

जमानत पर बाहर आने और फिर वापिस नहीं जाने पर बीते नौ सितम्बर को उसको भगौड़ा घोषित कर दिया था।

एक पुख्ता जानकारी के बाद एसीपी पवन कुमार की देखरेख में गाजियाबाद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजधानी के कई इलाकों में रहेगा जल संकट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के कुछ इलाकों के लोगों को सोमवार और मंगलवार को जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार रोहिणी सेक्टर 7 बीपीएस की 700 मिमी व्यास की आउटलेन लाइन पर फ्लो मीटर लगाने के कारण 16 घंटे तक जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से जारी सूचना में बताय गया कि पानी सोमवार (11 नवंबर) शाम से मंगलवार सुबह तक नहीं आएगा। डीजेबी ने इसकी वजह भी बताई है। फ्लो मीटर लगाने का काम सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होगा और 16 घंटे तक चलेगा। दिल्ली जल बोर्ड ने लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

पानी की सप्लाई से प्रभावित इलाके रोहिणी सेक्टर 6, रोहिणी सेक्टर 7, रोहिणी सेक्टर 8 और उसके असापास के हैं। यहां पानी सोमवार शाम और मंगलवार सुबह नहीं आएगा। अगर सोमवार सुबपह पानी की आपूर्ति होती है तो उसका पानी का प्रेशर काफी कम रहेगा। दिल्ली जल बोर्ड ने लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। आपातकाल स्थिति या फिर पानी का टैंकर मंगाने के लिए 1916 नंबर डायल कर सकते हैं।

हेल्प लाइन नंबर

मंगोलपुरी के लिए हेल्पलाइन नंबर- 01127915965
पश्चिम विहार के लिए हेल्पलाइन नंबर- 01125281197
सेंट्रल कंट्रोल रूम के नंबर-1916, 23527679, 23624469, 9650291021, 1800117118
प्रभावित इलाकों में रोहिणी सेक्टर 6 7 8 और आसपास के इलाके शामिल हैं।

संक्रामक रोगों ने ली सबसे अधिक जान: रिपोर्ट

- राजधानी में पिछले साल 24 फीसदी मौतें संक्रमक, परजीवी रोगो की वजह से हुईं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में कुल 88,628 मौतों में से लगभग 24 फीसदी हैजा, दस्त, तपेदिक (टीबी) और हेपेटाइटिस-बी सहित अन्य संक्रामक एवं परजीवी रोगों की वजह से हुईं। दिल्ली सरकार की एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय की ओर से जारी द मेडिकल सर्टिफिकेशन ऑफ कॉज ऑफ डेथ्स (एमसीसीडी) रिपोर्ट-2023 में कहा गया है कि दिल्ली में पिछले साल कुल 88,628 मौतें अस्पतालों या स्वास्थ्य संस्थानों में हुईं, जिनमें से लगभग 21,000 लोगों की जान संक्रामक एवं परजीवी रोगों की वजह से गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में कैंसर और अन्य संबंधित बीमारियों के कारण उन स्थानों पर 6,054 मौतें हुईं, जो 2022 में इस श्रेणी में रिकॉर्ड की गई 5,409 मौतों से लगभग 12 फीसदी ज्यादा हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में शिशुओं के मामले में सबसे ज्यादा मौतें (1,517) भ्रूण के धीमे विकास और कुपोषण के कारण हुईं। इसमें कहा गया है कि निमोनिया ने 1,373, सेप्टीसीमिया ने 1,109 और हाइपोक्सिया, जन्म के समय श्वास अवरोध व श्वास संबंधी अन्य विकारों ने 704 शिशुओं की जान ली। 2023 में सबसे ज्यादा मौतें 45 से 64 साल के आयु वर्ग में हुईं। इसमें बताया गया है कि पिछले साल हुई कुल मौतों में 28,611 मृतक इस आयु वर्ग के, जबकि 29.44 प्रतिशत यानी 26,096 मृतक 65 साल और उससे अधिक उम्र के थे।

वोरवेल की जांच करने गए भाजपा नेता से मारपीट

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में रविवार को अवैध बोरवेल कार्य को रोकने की कोशिश कर रहे भाजपा के एक नेता के साथ किसी अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर मारपीट की। यह दावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने किया।

भाजपा ने दावा किया कि यह घटना उस समय हुई जब भाजपा नेता तेजेन्द्र यादव और पार्षद जयवीर राणा पार्टी के तीन-चार अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बोरवेल कार्य की जांच करने के लिए क्षेत्र में गए थे। भाजपा बयान में कहा गया, झड़प के दौरान यादव के सिर पर चोटें आईं और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

ऑपरेशन मिलाप: दो किशोरियों को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपराध शाखा ने ऑपरेशन मिलाप के तहत दिल्ली से लापता दो किशोरियों को पंजाब और उत्तरप्रदेश से सुकुशल बरामद करके उनके परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते 17 अगस्त को ओखला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में एक किशोरी माता-पिता से झगड़ कर घर से निकल गई थी। पुलिस मामला दर्ज कर किशोरी का पता लगा रही थी। बाद में केस अपराध शाख ने एएचटीयू को सौंप दिया था। एसीपी अरुण चौहान की देखरेख में किशोरी को लुधियाना से उसकी सहेली के घर से बरामद किया। पूछताछ करने पर पता चला कि घर से लापता होने के बाद वह ट्रेन में मिली एक अज्ञात महिला मित्र के साथ लुधियाना (पंजाब) पहुंची थी। वह लुधियाना (पंजाब) में अपनी सहेली के साथ रह रही थी। उसने दूसरे व्यक्ति के मोबाइल फोन का इस्तेमाल सोशल मीडिया ऐप यानी इंस्टाग्राम के जरिए अपने माता-पिता को कॉल करने के लिए किया और इस्तेमाल के लिए पैसे की मांग की थी। वेलकम से लापता किशोरी को सहसवान जिला बदायूं, यू.पी. इलाके से सकुशल बरामद किया।

संक्षिप्त समाचार

दंत चिकित्सा पर तीन दिवसीय सम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित 6वें ग्लोबल अमेरिकन एकेडमी ऑफ इम्प्लांट डेंटिस्ट्री (जीएएआईडी) और 12वें वर्ल्ड कांग्रेस फॉर ओरल इम्प्लांटोलॉजी (डब्ल्यूसीओआई) सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. शंकर अय्यर, सम्मेलन के अध्यक्ष और एएआईडी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, हम इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के नए प्रयोगों से उत्साहित हैं, जो रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक हैं। इस अवसर पर डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. कोमल मजूमदार, डॉ. एसपी अग्रवाल, डॉ. जतिन काला, डॉ. डैनियल कार्डारोपोली, डॉ. शंकर अय्यर, डॉ. मार्टन बोगार्ड ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। सम्मेलन के चेयरमैन, डॉ. महेश वर्मा ने कहा, इस सम्मेलन में लगभग 45 विशषेज्ञों ने जानकारी दी और 1200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

गौतम लाहिड़ी बनें प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार गौतम लाहिड़ी लगातार दूसरी बार प्रेस क्लब ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। यह जानकारी रविवार को जारी हुए चुनाव परिणाम से मिली। संगीता बरुआ पिशारोती पीसीआई की उपाध्यक्ष, नीरज ठाकुर महासचिव, अफजल इमाम संयुक्त सचिव और मोहित दुबे कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। शीर्ष पांच पदों और प्रबंधन समिति के 16 सदस्य चुनने के लिए मतदान शनिवार को यहां प्रेस क्लब ऑफ इंडिया परिसर में हुआ था।

नार्थ-ईस्ट प्रकोष्ठ का मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा नॉर्थ ईस्ट प्रकोष्ठ के संयोजक उत्तम चाकमा की अध्यक्षता में रविवार को 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमे बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक नार्थ ईस्ट से आ कर दिल्ली में बसे नागरिक सम्मलित हुए। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सभी को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मूलमंत्र दिया। सचदेवा ने कहा, देश के नार्थ ईस्ट के लोग दिल्ली की अर्थ व्यवस्था खासकर स्वास्थ क्षेत्र भूमिका निभा रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से पूर्व केन्द्रीय मंत्री आरके रंजन सिंह, भाजपा नेता अशोक ठाकुर, प्रकोष्ठ की प्रभारी एल खुलना साहनी, सह प्रभारी डॉ. गीताश्री सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

घरेलू नुस्खों और आयुर्वेद की मदद से प्रदूषण को दें मात

- कहा, पहले से बीमार लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्या पहले से कई गुना बढ़ सकती है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के साथ छाया धुंध हर किसी के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है वहीं पहले से सांस संबंधी समस्या से जूझ रहे मरीजों की समस्या और बीमार कई गुना बढ़ सकती है। यह कहना है दिल्ली नगर निगम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) डॉक्टर आरपी पाराशर का। इससे आगे डॉ. पाराशर कहते हैं कि कुछ साधारण उपायों, घरेलू नुस्खों व आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग से प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। इस संबंध में डॉ. पाराशर ने प्रदूषण से बचाव के लिए कुछ घरेलू नुस्खों के साथ सावधानियों पर प्रकाश डाला है ताकि स्वास्थ्य पर किसी तरह का दुष्प्रभाव न पड़े। डॉ. पाराशर ने कहा कि प्रदूषित वायु को शरीर में जाने से रोकने के लिए सुबह नाक साफ करने के बाद नाक के अंदर तेल लगा लें जिससे धूल व प्रदूषण के कारण नासिका में चिपक जाएं और आगे श्वसन तंत्र में न पहुंचे। इस कार्य के लिए अणु तेल सर्वोत्तम है लेकिन घर में उपलब्ध सरसों या नारियल के तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने इसके साथ घर से बाहर निकलते समय मास्क अवश्य पहनने की सलाह दी।

इसके अलावा जब भी मौका मिले तो नाक में पानी मार कर नाक साफ करें। साथ ही मुंह में भी पानी भरें और गरारे कर गले में चिपके कणों को पानी के साथ बाहर निकाल दें।

डॉ. पाराशर कहते हैं कि बाहर से घर आने के बाद सबसे पहले नमक के पानी के गरारे करें और नाक में भी हल्के से गर्म पानी के छींटें मारकर नाक साफ करें। घर पहुंचने के तुरंत बाद जलनेति व स्वेदन आदि प्रक्रियाओं की सहायता से धूल के कणों और विषैले तत्वों को शरीर से बाहर निकाला जा सकता है। इसके अलावा प्रदूषण के दुष्प्रभाव को रोकने और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाने वाली जड़ी बूटियां व औषधियां को दिनचर्या में शामिल करें। जैसे दूध या चाय में हल्दी, तुलसी, अदरक, लोंग, काली मिर्च उबालकर पीने से गले की खराश ठीक हो जाएगी और प्रदूषित कण भी शरीर से बाहर निकल जाएंगे। दूध में खजूर, छोटी पीपल, काली मिर्च और सौंठ उबालकर पीने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ेगी।

इसके अलावा औषधियों में सितोपलादि चूर्ण, तालीसादि चूर्ण, टंकण भस्म, लक्ष्मी विलास रस, चंद्र अमृत रस, चित्रक हरीतकी, वासावलेह व तुलसी, हल्दी, वसाका, भृंगराज, कुटकी, कासनी आदि औषधियों का प्रयोग लाभदायक रहता है। डॉ. पाराशर के अनुसार प्रदूषण के कारण नाक व सांस नली की सूजन को खत्म करने और संक्रमण से बचाव के लिए अणु तेल की बूंदें डालें। पुदीना, यूकेलिप्टस व यष्टिमधु के रस या तेल की भी दो-दो बूंदें नाक में दिन में दो-तीन बार डाल सकते हैं।

डॉ. पाराशर ने प्रदूषण से बचाव के लिए ठंडी तासीर की खाने वाले चीजों से परहेज करने की सलाह देते हैं। उन्होंने कहा कि अस्थमा व सीओपीडी जैसी श्वसन तंत्र की बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए कनकासव, चित्रक हरीतकी, अगस्त्य हरितकी, वासावलेह, श्वासकुठार रस जैसी दवाएं लाभ पहुंचाती है। फेफड़ों के लिए गुनगुने पानी से नहाएं व दिन में कम से कम एक बार महानारायण तेल, महामाष तेल, विषगर्भ तेल, पिंड तेल आदि औषधि युक्त तेल से छाती और कमर की मालिश जरूर करें। सरसों के तेल का प्रयोग भी कर सकते हैं। डॉ. पाराशर ने पंचकर्म थेरेपी की वमन, विरेचन व नस्य कर्म जैसी प्रक्रियाएं प्रदूषण जन्य समस्याओं के इलाज के लिए अत्यंत प्रभावकारी बताया है।

जिले में खाद की आपूर्ति सामान्य, किसान न करें स्टॉक: उपायुक्त

- किसान डीएपी पर निर्भरता घटाएं, नैनो डीएपी, एसएसपी, एनपीके खाद का करें प्रयोग
- जरूरत के हिसाब से ही खरीदारी करें अन्नदाता

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उपायुक्त डा . हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि जिले में खाद की आपूर्ति सामान्य है और आने वाले दिनों में भी जरूरत के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में 758 मीट्रिक टन डीएपी खाद, 457 मीट्रिक टन एनपीके व 1344 मीट्रिक टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिले में आगे भी खाद की आपूर्ति सामान्य रहेगी व किसानों को खाद का स्टॉक करने से बचना चाहिए। किसान जरूरत के हिसाब से ही खाद का स्टॉक और उपयोग करें। उपायुक्त ने कहा कि जिला में रबी फसलों की बुवाई का सीजन शुरू हो गया है, किसान तिलहन फसलों की बेहतर पैदावार लेने के लिए डीएपी (डाई अमोनियम फॉस्फेट) की बजाय एसएसपी यानी सिंगल सुपर फॉस्फेट अथवा एनपीके का प्रयोग करें। इस खाद के इस्तेमाल से सरसों में तेल व वजन की मात्रा बढ़ती है व फसल की चमक में भी इजाफा होता है। इसके अलावा सर्दी के प्रकोप से बचाने में भी यह खाद कारगर है। एक बैग डीएपी की विकल्प के रूप किसानों को डेढ़ बैग एनपीके इस्तेमाल करना चाहिए इससे भूमि को पोटाश की मात्रा सही मिलेगी और फसलों का कीट आदि की बीमारी से बचाव होगा।

उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक वीरेन्द्र देव आर्य ने कहा कि किसान आज भी सरसों व गेहूं की फसल के लिए डीएपी खाद पर निर्भर है जबकि बाजार में इसकी तुलना में कम दाम पर बेहतर विकल्प उपलब्ध है। उन्होंने जिला के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान बाजार में उपलब्ध इस किफायती व बेहतर विकल्प का लाभ अवश्य उठाएं। उन्होंने कहा कि तिलहन फसलों के लिए एसएसपी का प्रयोग करना चाहिए। बीज बुवाई से पूर्व एसएसपी का प्रयोग न केवल पौधे की उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है बल्कि यह फसल की गुणवत्ता की बढ़ोतरी में भी सहायक सिद्ध होता है। वहीं गेहूं की फसल में दाने का साइज़ व उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए एनपीके का प्रयोग कर सकते हैं।

नियम तोड़ने वालों से वसूला 11 लाख से अधिक का जुर्माना

- यातायात पुलिस ने बिना नंबर प्लेट, तीन सवारी, ब्लैक फिल्म वालों पर कसा शिकंजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यातायात पुलिस ने यातायात के नियम तोड़ने वालों पर सख्ती दिखाई है। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट, तीन सवारी व ब्लैक फिल्म लगाकर चलने वालों पर शिकंजा करते हुए 11 लाख रुपये जुर्माना भी वसूला है।

यातायात पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर पूरा शिकंजा कसा है। जांच के बाद 263 बिना नम्बर प्लेट, 102 ट्रिपल राइडिंग, 88 ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों का एक ही दिन में 453 चालान किए गए। इन पर 11 लाख 40 हजार 500 रुपये का जुर्माना ठोंका गया है। काटे गए 453 चालान में बिना नम्बर प्लेट के 263 और ट्रिपल राइडिंग के 102, ब्लैक फिल्म के 88 चालान हैं।

गुरुग्राम पुलिस का मकसद गुरुग्राम की सड़कों को सुरक्षित बनाकर होने वाले सड़क हादसो को रोकना है। कुछ दुपहिया वाहन चालक अपनी मोटरसाइकिलो को बिना नम्बर प्लेट के चलाते हैं। ट्रिपल राइडिंग भी करते हैं।

इसके अलावा कुछ वाहन चालक अपने वाहनों में ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करते हैं जो किसी भी अपराध को आसानी से अंजाम दे सकते हैं। इन सभी प्रकार की गतिविधियों पर रोकथाम लगाने के उद्देश्य से ही यह स्पेशल चालान अभियान चलाया गया था। गुरुग्राम पुलिस आमजन से अपील करती है कि दोपहिया वाहन पर केवल दो ही लोग सफर करें और हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें, गलत/विपरीत दिशा में वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार का नशा ना करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करे, वाहनों के अंदर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल न करें, ट्रिपल राइडिंग न करें व सभी यातायात नियमों का पालन करें। यातायात नियमों की पालना करके जिम्मेदार नागरिक होने का दायित्व निभाए।

भविष्य में भी इस प्रकार के चालान अभियान यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा जारी रहेंगे।

कार्यकर्ता ही हमारी ताकत है: गुर्जर

धन्यवाद समारोह में बोले केंद्रीय मंत्री, कहा- बड़खल के लोगों ने सिखाया सट्टेबाजों को सबक

- हरियाणा की सरकार बनाने में फरीदाबाद और करनाल का बहुत बड़ा योगदान: अदलखा

कार्यकर्ता धन्यवाद समारोह मौजूद केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, विधायक धनेश अदलखा भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार आदि।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल विधायक धनेश अदलखा द्वारा सूरजकुण्ड रोड स्थित डिलाइट फोरऐवर में कार्यकर्ता धन्यवाद समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर मौजूद थे। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा, निर्वतमान महापौर सुमन बाला, पूर्व महापौर डॉ अत्तर सिंह, मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा व सतेन्द्र पांडे, निर्वतमान निगम पार्षद सतीश चंदीला, मनोज नासवा,सरदार जसवंत सिंह, धर्मबीर भड़ाना, पूर्व महिला जिलाध्यक्ष अनिता शर्मा,संदीप कौर, हरेन्द्र भड़ाना, बिन्दे भड़ाना, युवा मोर्चा अध्यक्ष शोभित अरोड़ा व पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस मौके पर कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि आज का आयोजन उन तमाम कार्यकताओं जो यहां मौजूद है और वे जो किसी कारणवंश नहीं आ पाए उनका धन्यवाद करने के लिए है। क्योंकि इस जीत के लिए यदि कोई असली हकदार है तो वह बडखल विधानसभा का मेहनती कार्यकर्ता है। सारा श्रेय उन्हीं को जाता है क्योंकि यह उन्हीं के परिश्रम का फल है जो धनेश अदलखा हमारे विधायक हैं। धनेश का वजूद जो बढ़ा है वो आपकी वजह से ही है। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि सटटेबाजों को यदि किसी ने सबक सिखाया है तो वह बड़खल के मतदाताओं ने सिखाया है। सभी सटटेबाज भाजपा के कार्यकताओं को कोस रहे हैं। आपने जिस उम्मीद और अपेक्षाओं से धनेश को जिताया वह सभी पूरी होंगी, ऐसा मुझे विश्वास है। यहां नगर निगम के कई निर्वतमान पार्षद बैठे हैं और में भी कभी पार्षद रहा हूं नगर निगम में जो काम किसी से नहीं हो सकता वह सिर्फ धनेश अदलखा कर सकता है। इसलिए मुझे मालूम है काम को लेकर काई शिकायत आपको नहीं होगी। उन्होंने कार्यकाओं की सराहना करते हुए कहा कि आपने इतिहास रचा है लगातार तीसरी बार बड़खल से विधायक और पूरे हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाकर। इसलिए कार्यकर्ता ही हमारी पूंजी और ताकत है। में ह्रदय से तमाम बड़खल के कार्यकताओं का आभार प्रकट करता हूं। आने वाले दिनों में एक नया फरीदाबाद जो भारत के मानचित्र पर अलग से दिखाई देगा। हम सब मिलकर जो मंच पर बैठे हैं, सामने बैठे है और जो हमारे से जुड़े है बनाएंगे। राजकुमार वोहरा ने कहा कि देव तुल्य कार्यकताओं की बदौलत हमने विजया पाई जिन्होंने ना दिन देखा और ना रात सिर्फ कमल के फूल के लिए मेहनत करते रहे।

इस मौके पर धनेश अदलखा ने कहा कि आपने हाल ही में हरियाणा विधानसभा के 5 अक्टूबर के चुनाव में जी तोड़ मेहनत की जिसका नतीजा यह हुआ कि में यहां से विधायक बना और 48 सीटों के साथ नायब सिंह मुख्यमंत्री बने। सरकार बनाने में दो जिलों फरीदाबाद और करनाल का बहुत बड़ा योगदान है। आप सभी ने मुझमें जो विश्वास जताया है में आपसे वायदा करता हुं किसी भी विभाग जैसे नगर निगम, पीडब्लूडी, बिजली बोर्ड से कार्यकताओं को निराश नहीं होना पड़ेगा।

देशभर में 25.67 करोड़ की ठगी के 8 आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पुलिस द्वारा साइबर ठगी के 8 आरोपियों को काबू किया गया है। उनसे पूछताछ में पूरे भारत में लगभग 25 करोड़ 67 लाख रुपयों की ठगी करने की 6864 शिकायतों का खुलासा हुआ है।

सहायक पुलिस आयुक्त अपराध प्रियांशु दिवान के नेतृत्व में साईबर अपराध पुलिस थानों की पुलिस टीमों द्वारा इन 8 साईबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी करुण सहगल निवासी डिफेंस कॉलोनी जिला अंबाला इस साईबर ठग को पुलिस थाना साईबर अपराध पूव, गुरुग्राम में जांच अधिकारी नितिन ने काबू किया। दीपक, सत्यनारायण दास, सोनम व किरण को पुलिस थाना साईबर पूर्व में गिरफ्तार किया गया है। मुख्य सिपाही चुन्नीलाल ने टीम के साथ मिलकर गिरफ्तार किया।

परिवार जोड़ो अभियान के तहत हुई बाल संस्कार पाठशाला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बाल संस्कार पाठशाला में बच्चों को सम्मानित करते अतिथि।

परिवार जोड़ो अभियान के तहत रविवार को सेक्टर-9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में बाल संस्कार कक्षा आयोजित की गई। आचार्य हरीश उपाध्याय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के बच्चे भी शामिल हुए।

आचार्य का कहना है कि धार्मिक संस्था विश्व जागृति मिशन के संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज के आशीर्वाद से ही परिवार जोड़ो अभियान चलाया जा रहा है। देश के विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार की पाठशालाओं का आयोजन संस्था करती आ रही है। इस आयोजन में 5 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चों को धर्म, संस्कृति, सभ्यता, संस्कार एवं नैतिक जागरुकता के प्रति जागरुक किया जा रहा है। ये कक्षाएं पूरी तरह से निशुल्क हैं। कार्यक्रम में पहुंचे बच्चों को गुरु वंदना कराई गई और उन्हें योगाभ्यास भी कराया गया। बच्चों से जहां प्रश्न किए गए, वहीं बच्चों के प्रश्नों के उत्तर भी उन्हें दिए गए। आचार्य ने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों को बाल संस्कार केंद्र यानि कि इस पाठशाला में अवश्य भेजें, ताकि उन्हें धर्म और संस्कृति का ज्ञान हो सके और समाज व देश के एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

रेडक्रास सोसाइटी की जूनियर विंग का ट्रेनिंग कैंप आज से

गुरुग्राम। सेक्टर 4-7 राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में 11 से 16 नवंबर तक जिला रेडक्रास सोसायटी की जूनियर विंग का पांच दिवसीय ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। इसमें आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के 120 छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। सोसायटी के चेयरमैन एवं उपायुक्त अजय कुमार के मार्गदर्शन में यह कैंप आयोजित किया जा रहा है। रेडक्रास सचिव विकास कुमार ने बताया कि सोहना, पटौदी, गुड़गांव व फर्रुखनगर खंड के 20 राजकीय विद्यालयों से ये बच्चे आएंगे। इन्हें फर्स्ट-एड, ब्लड डोनेशन सर्विस, योगाभ्यास, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण, हेल्थ चेकअप कैंप आदि की विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग करवाई जाएगी। सचिव ने बताया कि सभी बच्चों के लिए भोजन व जलपान की व्यवस्था रहेगी।

'जिले में 2.5 लाख नए सदस्य पार्टी से जोड़ेंगे'

- कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने की सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा में भाजपा का सदस्यता अभियान पूरे जोश के साथ चल रहा है, और इस अवसर पर अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाजपा के सदस्यता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

विपुल गोयल ने 8800002024 पर मिस्ड कॉल देकर प्राप्त लिंक के माध्यम से अपनी जानकारी भरकर भाजपा सदस्यता का नवीनीकरण किया तथा भाजपा सदस्यता का प्राथमिक कार्ड प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रदेश सदस्यता अभियान के सह-संयोजक गोपाल शर्मा, जिला संयोजक हुकमसिंह भाटी, सह-संयोजक अनीता शर्मा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, और आईटी संयोजक समीर टंडन समेत कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। गोयल ने बताया कि भाजपा का लक्ष्य फरीदाबाद में 2.5 लाख नए सदस्य जोड़ने का है, जिसे पूरा करने के लिए सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता पूरी लगन से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर एक रेफरल लिंक और क्यूआर कोड भी जारी किया और सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जारी भाजपा सदस्यता अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

भाजपा से जुड़ना गौरव की बात: विपुल गोयल: अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और हरियाणा के लोगों से अपील की कि वे इस दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी से जुड़ें और राष्ट्र निर्माण के इस अभियान को मजबूती प्रदान करें।

रजिस्टर्ड सोसाइटी वार्षिक रिटर्न समय पर जमा कराएं: लोकेश

- गुरुग्राम जिले में पंजीकृत हैं करीब दस हजार सोसायटीज

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रजिस्ट्रार कार्यालय हरियाणा से पंजीकृत सोसायटी के पदाधिकारी अपनी संस्था की वार्षिक ऑडिट रिटर्न समय पर जमा करवा दें। अन्यथा संस्था को निष्क्रिय मान कर उसका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। यह बात फर्म एंड सोसायटीज के जिला रजिस्ट्रार लोकेश यादव ने कही।

उन्होंने कहा कि हरियाणा रजिस्ट्रार कार्यालय से पंजीकृत हुई सोसायटीज को हर साल नियमित रूप से अपनी रिटर्न जमा करवानी होती है। अभी भी जिला में अनेक ऐसी सोसायटीज हैं, जिनकी एक साल की अवधि पूरी होने के बाद भी रिटर्न फाइल नहीं हुई हैं।

जिस सोसायटी की नियमित रूप से रिटर्न जमा नहीं होती, उसे निष्क्रिय मान लिया जाता है और फिर सोसायटी के पंजीकरण को रद्द किया जा सकता है। जिला रजिस्ट्रार लोकेश यादव ने बताया कि शिक्षा, खेल, आवासीय, स्वास्थ्य सेवा, धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र की करीब दस हजार संस्थाएं तथा पांच हजार साझेदारी फर्म गुरुग्राम जिला में रजिस्टर्ड हैं। उन्होंने बताया कि किसी सोसायटी के पदाधिकारी या सदस्य को फर्म एंड सोसायटी रजिस्ट्रार कार्यालय में अपना सुझाव या शिकायत देनी है तो वह ई-मेल आईडी पर भिजवा सकता है। आमजन की शिकायत का नियम व कानून के अनुसार निपटान किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पंजाबी फेडरेशन ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

फरीदाबाद। दयानन्द स्कूल में पंजाबी फेडरेशन के प्रधान वासुदेव अरोड़ा व समाजसेवी संतोष नायक द्वारा इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, कलाऊडनाइन अस्पताल, कलोव डेन्टल अस्पताल, क्रिस्टल विजय अस्पताल, वृक्षकल्पा आर्युवैदिक एवं पंचकरमा अस्पताल, मैक्स लैब यूनिट ऑफ मैक्स अस्पताल के सहयोग से स्वास्थय जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थय जांच शिविर में काबिल व अनुभवी डाक्टरों जिसमें डॉ अखिलन, डॉ श्रवण, डॉ मनीषा, डॉ अनिता, डॉ राशि जैन द्वारा लोगों की जांच की गई। इस मौके पर दीपक कालरा, राकेश खेड़ा,रमेश मक्कड़, अरिंदम बाबा,एस के मुंजाल,अशोक भैया सहित कई लोग मौजूद थे। इस मौके पर वासुवेदव अरोड़ा ने कहा कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर ही उसका जीवन निर्भर करता है। मनुष्य का स्वास्थय जितना सही होगा उसका जीवन उतना ही लंबा होगा।

वार्रियर सर्विस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

फरीदाबाद। वार्रियर सर्विस क्लब की ओर से होटल मिलन प्लाजा में शपथ ग्रहण समारोह 2024-25 का आयोजन किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस आयुक्त विजय प्रताप सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी सदस्यों को इंस्टालेशन चेयरमैन पुनीत मिश्रा ने शपथ दिलाई एवं सभी को क्लब के सेवा कार्यों से अवगत कराया। क्लब के प्रधान सीए मनोज जैन ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रधान मनोज जैन व उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जैन ने कहा कि क्लब हर वर्ग के नागरिकों के कल्याण के लिए कार्य करने को पूरी शक्ति से प्रयासरत रहेगा। समारोह को सम्बोधित करते हुए डिस्ट्रिक गर्वनर पुनीत मिश्रा ने कहा कि वार्रियर सर्विस क्लब का मुख्य ध्येय समाजसेवा है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पुलिस आयुक्त विजय प्रताप सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में आने पर उन्हें काफी प्रसन्नता महसूस होती है क्योंकि इस तरह के कार्यक्रमों में आने से समाजसेवा को बढ़ावा मिलता है। समारोह के अंत में प्रधान मनोज जैन ने कहा कि वारियर सर्विस क्लब फरीदाबाद सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहता है। इस अवसर पर प्रधान मनोज जैन एवं उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जैन, सचिव अनुराग गर्ग, दीपक जैन, हितेश, पुनीत मिश्रा, राजीव कपूर, अजय गुप्ता, सुशील गुप्ता, संजीव वाधवा एवं क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।

छात्रों में विधिक जागरूकता बढ़ाने पर जोर

फरीदाबाद। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विधिक विषयों पर आधारित एक विशेष ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में विधिक जागरूकता बढ़ाना और उन्हें कानूनी जानकारी से सशक्त बनाना था। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रीतु यादव ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अपने उद्बोधन से छात्रों को प्रेरित किया। प्रतियोगिता में स्कूल के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता से विधिक मुद्दों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने 'कानूनी अधिकार', 'न्याय तक पहुंच', 'महिलाओं की सुरक्षा' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचारों को रंगों के माध्यम से व्यक्त किया।

विकसित भारत समिट में डॉ. कुलपति राज नेहरू सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू को फरीदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (एफएमए) द्वारा आउटस्टैंडिंग लीडरशिप ट्रेनिंग एंड स्किल एंपावरमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया है। उन्हें यह अवॉर्ड एफएमए द्वारा आयोजित विकसित भारत समिट-2024 में प्रदान किया गया। एफएमए की अध्यक्ष सलोनी कौल, कार्यकारी निदेशक वी त्यागराजन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चारु स्मिता मल्होत्रा और महासचिव मोनिका आनंद ने उन्हें यह अवॉर्ड देकर सम्मानित क्या। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय कौशल सशक्तिकरण एवं लीडरशिप ट्रेनिंग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एनआईआरएफ में भी कौशल विश्वविद्यालय की श्रेणी में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हो चुका है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I hitherto known as GEETA alias DOLLI W/o KRISHAN PAL D/o MAHENDER KUMAR R/o 30, Prajapati Mohalla, Chilla Village Saroda Khadar, East Delhi Delhi-110091, have changed my name and shall hereafter be known as GEETA.

PD(903)C

'वीटा ब्रांड को भी अमूल की तरह प्रमोट किया जाए'

- सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री ने हिपा में ली अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक
- बोले, पैक्स समितियों का किया जाएगा डिजिटलाइजेशन

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

हिपा में सहकारिता विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक लेते मंत्री अरविंद शर्मा।

हरियाणा की डेयरी फेडरेशन वीटा ब्रांड को भी अमूल की तरह से प्रमोट करे। वीटा का नाम लोकप्रिय और विश्वसनीय ब्रांड के रूप में विकसित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करने करें। यह कदम राज्य के कृषि और डेयरी क्षेत्र को और मजबूती प्रदान करेगा। जिससे प्रदेश में डेयरी उद्योग को गति मिलेगी। यह बात हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान हिपा में सहकारिता विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की।

इस बैठक में विभाग के कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई और सहकारिता क्षेत्र में सुधार और विकास के लिए कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए। सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने पैक्स कमेटी (प्राथमिक कृषि ऋण समितियों) के त्वरित डिजिटलाइजेशन की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। जिससे कि डिजिटलाइजेशन से व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता और दक्षता आए। उन्होंने कहा कि पैक्स का डिजिटलाइजेशन न केवल कार्यप्रणाली को बेहतर बनाएगा, बल्कि यह किसानों और अन्य हितधारकों को भी बेहतर सेवाएं प्रदान करेगा।

कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने हरको बैंक की ओर से रखी गई पैक्स की समस्याओं के समाधान के लिए नीतियों पर विचार करने और सुधारात्मक उपायों को लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने नई सहकारी समितियों के गठन के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सहकारिता से रोजगार के नए अवसर लोगों को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारी दूसरे राज्यों का दौरा कर सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे आधुनिक सुधारों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। ताकि उनको हरियाणा में क्रियान्वित किया जा सके। हरियाणा सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल ने मंत्री डा. अरविंद शर्मा का स्वागत किया।

सभी ग्राम पंचायतें पैक्स कमेटियों के अधीन: राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पोर्टल पर राज्य की सहकारी समितियों की जानकारी अपलोड की जा रही है। जिसके द्वारा राज्य की सहकारी समितियों के कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। वर्तमान में हरियाणा की सभी ग्राम पंचायतें 782 पैक्स कमेटियों के कार्यक्षेत्र में आती हैं। पैक्स द्वारा जन औषधि केंद्र, किसान समृद्धि केंद्र, और कॉमन सर्विस सेंटर जैसे जनहितकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा की कई सहकारी समितियां राष्ट्रीय स्तर की सहकारी जैविक समिति, निर्यात समिति और बीज समिति की सदस्य हैं, जो राज्य की सहकारी क्षेत्र की शक्ति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

रजिस्ट्रार सहकारी समितियों ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र में की गई प्रगति के बारे में भी जानकारी दी, जिससे विभाग के कार्यों में और अधिक दक्षता आई है। उन्होंने बताया कि सभी सहकारी समितियों का पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार पूनम नारा, वीरेंद्र कुमार, सुमन बल्हारा, कविता धनखड़, संयुक्त रजिस्ट्रार हरप्रीत कौर, योगेश शर्मा व सहकारिता विभाग के सलाहकार सिद्धार्थ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

वेद बिना मति नहीं और गाय बिना गति नहीं: नायब सैनी

● राज्यपाल आचार्य देवव्रत बोले-आर्य समाज की संस्थाओं को बचाने को सरकार बनाए कानून

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

गुरुकुल में आयोजित 'आर्य महासम्मेलन' में मौजूद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य।

भारतीय संस्कृति में वेद और गाय का विशेष महत्व है। हमारे यहां 'वेद बिना मति नहीं और गाय बिना गति नहीं' की कहावत प्रचलित है। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती ने समाज में व्यापक स्तर पर जहां वेदों का प्रचार-प्रसार किया वहीं गाय के गुणों की व्याख्या करते हुए एक पूरी पुस्तक 'गोकरुणानिधि' लिखी। उक्त शब्द आज महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में गुरुकुल में आयोजित 'आर्य महासम्मेलन' में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहे।

मुख्यमंत्री समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे जहां पर गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर परोपकारी सभा अजमेर के महामंत्री कन्हैयालाल आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान देशबन्धु आर्य, महामंत्री उमेद शर्मा, गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप, उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान देवेन्द्रपाल वर्मा, भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, डीडी शर्मा, सुभाष कलसाना, सुशील राणा सहित विभिन्न स्थानों से पधारे आर्य विद्वान् मौजूद रहे। मंच संचालन वैदिक विद्वान् डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार द्वारा किया गया।

आचार्यश्री कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि आचार्य देवव्रत ने जीर्ण-क्षीर्ण हालत में इस गुरुकुल की बागडोर संभाली और नि:स्वार्थ भाव से एक दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य करते हुए सफलता के शिखर पर पहुंचाया। उन्हीं की कड़ी मेहनत और परिश्रम का परिणाम है कि वर्तमान में गुरुकुल कुरुक्षेत्र देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां से हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र एनडीए, नीट, आईआईटी, एनआईटी के लिए चुने जाते हैं। महर्षि दयानन्द जी की 200वीं जयन्ती पर सभी आर्यजनों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी ने हमेशा समाज उत्थान का कार्य किया।

राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ही पहले व्यक्ति थे जिन्होंने अंग्रेजी शासन में 'स्वराज' का नारा बुलंद किया था। उनकी शिक्षाओं से प्रभावित होकर ही भगत सिंह, सरदार वल्लभ भाई पटेल, राजा राममोहन राय, मदनलाल ढींगरा, स्वामी श्रद्धानन्द जैसे वीर सपूतों ने देश की आजादी हेतु अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। अंग्रेजों ने प्राचीन शिक्षा पद्धति को जब लगभग खत्म कर दिया तब स्वामीजी के ही मानसपुत्र स्वामी श्रद्धानन्द जी जैसे महापुरुषों ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र, गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, गुरुकुल सूपा आदि अनेक गुरुकुलों की स्थापना कर गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति का विस्तार किया। मुख्यमंत्री हरियाणा से आर्य समाज की सम्पत्तियों और संस्थानों पर अवैध कब्जे को लेकर उन्होंने नया कानून बनाने की मांग की जिसे सीएम सैनी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। अंत में मुख्यमंत्री ने गुरुकुल की एन.डी.ए. विंग का आचार्यश्री के साथ अवलोकन किया।

लाडवा के विकास के लिए जारी किया 35 करोड़ का बजट: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा हल्का के विकास के लिए सरकार की तरफ से 35 करोड़ रुपए का बजट जारी किया जा चुका है। इस हल्के में विकास कार्यों के लिए यह राशि 12 मार्च से लेकर नवंबर माह तक जारी की है। इस हल्के में बाईपास और पिहोवा से यमुनानगर तक फोरलेन करने की परियोजना की सौगात पहले ही दी जा चुकी है और इस परियोजना पर जल्द कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को गांव कनीपला में अपने धन्यवादी दौरे के दौरान लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कनीपला गांव के लोगों की समस्याएं सुनी और लोगों से लिखित रूप में मांगे और शिकायतों के पत्र भी प्राप्त किए। इस दौरान गांव के सरपंच सुखदेव और भाजपा कार्यकर्ता देशराज शर्मा ने गांव की तरफ से कुछ मांगें भी रखीं और मुख्यमंत्री को मांग पत्र भी सौंपा।

मुख्यमंत्री ने गांव कनीपला को विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए की अनुदान राशि देते हुए कहा कि इस गांव के लोगों की मांग को पूरा करने के लिए जल्द ही गांव में ही 33 केवी का नया पावर हाउस बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब 5 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जाएगा और इस परियोजना को भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लाडवा, थानेसर ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश का चहुंमुखी विकास तेज गति के साथ हो रहा है। भाजपा के जिला अध्यक्ष सुशील राणा ने मेहमानों का स्वागत किया और गांव की तरफ से सरपंच सुखदेव व भाजपा नेता देशराज शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, डा. ऋषिपाल मथाना, रविन्द्र सांगवान, ब्लॉक प्रधान देवेन्द्र शर्मा, परमजीत कौर कश्यप, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, एडीसी सोनू भट्ट सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अग्रोहा धाम निशुल्क यात्रा के लिए सैकड़ों लोग रवाना

● श्रद्धालुओं में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

अग्रोहा धाम यात्रा के लिए कुरुक्षेत्र से रविवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर 7 बसों का काफिला करीब साढ़े तीन सौ लोगों को लेकर अग्रवाल धर्मशाला रेलवे स्टेशन कुरुक्षेत्र से रवाना हुआ।

इस निशुल्क यात्रा बसों के काफिले को श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान सत्य प्रकाश गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गुप्ता ने कहा कि हर वर्ष इस तरह की यात्रा से लोगों को अग्रकुल नरेश महाराजा अग्रसेन की कर्मस्थली अग्रवालों की एक मात्र शक्तिपीठ अग्रोहा धाम में दर्शनों हेतु जाने का अवसर मिलता है। यात्रा के संयोजक श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के कोषाध्यक्ष कपिल मित्तल एवं महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना (मैसी) के प्रधान मुनीष मित्तल ने बताया कि निशुल्क बस यात्रा को लेकर समाज के सभी लोगों एवं श्रद्धालुओं में काफी उत्साह रहा। कुरुक्षेत्र से रवाना हुए काफिले में श्रद्धालु अग्रोहा धाम दर्शन में श्री अग्रसेन मंदिर, कुलदेवी श्री महालक्ष्मी मंदिर, सती मंदिर, वैष्णो देवी गुफा, श्री हनुमान के विराट स्वरूप इत्यादि के दर्शन करेंगे।

अग्रोहा विकास ट्रस्ट अग्रोहा धाम के प्रदेश प्रवक्ता राजेश सिंगला ने कहा कि ऐसी यात्राओं से समाज के लोगों एवं विशेषकर युवाओं व बच्चों को अग्रकुल नरेश महाराजा अग्रसेन सहित धर्मस्थलों के बारे विस्तृत जानकारी मिलती है।

सिंगला ने बताया कि कुरुक्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए अग्रकुल नरेश भगवान श्री अग्रसेन महाराज मंदिर, कुलदेवी श्री महालक्ष्मी मंदिर, श्री सरस्वती मंदिर, वैष्णों देवी मंदिर, त्रिपुति बालाजी मंदिर, अमरनाथ गुफा, श्री हनुमानजी मंदिर इत्यादि के दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई है। सभी यात्रियों के अग्रोहा धाम में शक्ति सरोवर मे स्नान करने की भी व्यवस्था है।

खाटूश्याम की पूजा करने से मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण: धनेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल विधायक धनेश अदलखा ने भाखड़ी गांव स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर और एनआईटी दशहरा मैदान में श्री श्याम जन्मोत्सव पर आयोजित जागरण में भाग लेकर खाटू श्याम जी के दरबार में माथा टेका। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा में मुख्य रूप से मौजूद थे।

इस मौके पर विधायक धनेश अदलखा श्याम भक्तों के साथ खाटू जी के भजनों पर खूब नाचे। इस अवसर पर धनेश अदलखा ने कहा कि खाटू श्याम अर्थात जो हारे हुए और निराश लोगों को संबल प्रदान करता है। खाटू श्याम दुनिया के सर्वक्षेष्ठ धनुर्धर है उनसे बड़े सिर्फ श्रीराम ही माने गए है। उन्होनें कहा कि श्याम बाबा, खाटू वाला श्याम, कलयुग का अवतार, दीनों का नाथ, खाटू नरेश आदि नामों से भी पुकारा जाता है. खाटू श्याम जी बाल अवस्था में वीर और बलशाली थे. उन्होंने युद्ध कला अपनी माता मोरवी और भगवान कृष्ण से सीखी थी। विधायक धनेश अदलखा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कहा था कि बर्बरीक धरती पर तुम से बड़ा दानी न तो कोई हुआ है और न ही होगा। मां को दिए वचन के अनुसार, तुम हारने वाले का सहारा बनोगे। लोग तुम्हारे दरबार में आकर जो भी मांगें उन्हें मिलेगा। खाटू श्याम बाबा द्वापर या महाभारत काल के समय में बर्बरीक के रूप में जाने जाते थे। वे तीन बाण धारी शक्तिशाली योद्धा थे। वे पांडव पुत्र भीम के नाती और घटोत्कच के पुत्र थे। भारत में लाखों मंदिर हैं। हर मंदिर के बनने के पीछे कोई न कोई रहस्य छिपा हुआ है। ऐसा ही एक रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर है राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम मंदिर जहां आज लाखों लोग न केवल खाटू बाबा को मानते हैं, बल्कि हर मौके पर वहां भक्तों की भीड़ उमड़ती है। उन्होनें कहा कि जो लोग भगवान खाटू के दर्शन करते हैं, उनके जीवन की हर समस्या दूर हो जाती है।

इस मौके पर सतिन्द्र फागना, महेश फागना, आदेश यादव, कविन्द्र चौधरी, पवन ढींगरा जतिन ललित कपूर के नाम मिनाक्षी प्रिया व महिला मंडल की महिलाओं सहित कई भक्त मौजूद थे।

रेडक्रास के संयुक्त सचिव अनिल जोशी ने 89वीं बार किया रक्तदान

चंडीगढ़। भारतीय रेडक्रास सोसायटी हरियाणा शाखा के राज्य संयुक्त सचिव अनिल कुमारी जोशी ने 89वीं बार रक्तदान किया। अनिल जोशी ने 89वीं बार रक्तदान करके न केवल एक मिसाल कायम की है, बल्कि युवाओं को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया है। रेडक्रास हरियाणा शाखा चंडीगढ़ मुख्यालय में कार्यरत संयुक्त सचिव अनिल कुमार जोशी ने गीता भवन कालका में स्वामी विवेकानंद मानव सेवा सोसायटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर की अध्यक्षता की और रक्तदान भी किया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा की सबसे बड़ी संस्था रेडक्रास, न केवल जरूरतमंदों की सहायता करती है, बल्कि रक्तदान में भी अग्रणी रहती है। वे खुद रेडक्रास से जुड़े हुए हैं, इसलिए उनका मानव सेवा से जुड़ाव बना हुआ है। जब भी रक्तदान शिविर का आयोजन होता है तो रक्तदान करने से पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में यह भ्रम है कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आती है। रक्तदान के कारण कोई कमजोरी नहीं आती, बल्कि सभी को 90 दिन में एक बार अवश्य ही रक्तदान करना चाहिए। इससे जरूरतमंदों को मदद मिलती है साथ ही शरीर स्वस्थ रहता है। रक्तदान जैसा पुनीत काम सबसे बड़ी सेवा में आता है।

उत्तर भारत के विकास का 'मनोहर' रोडमैप तैयार

● हरियाणा व पंजाब में घर की छत बनेंगी सौर ऊर्जा का विकल्प, हिमाचल में हाइड्रो प्रोजेक्ट पकड़ेंगे रफ्तार

● हरियाणा, पंजाब, हिमाचल व चंडीगढ़ में शहरी विकास की योजनाएं होंगी तैयार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

उत्तर भारत के केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ सहित चार राज्यों में ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास का 'मनोहर' रोडमैप तैयार हो चुका है। हरियाणा व पंजाब में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने को लेकर घरों की छतों को विकल्प के तौर पर प्रयोग किया जाएगा। इसके अलावा, हिमाचल में हाइड्रो प्रोजेक्टों को बढ़ाया जाएगा।

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल उत्तर भारत के तीन दिवसीय पर रहे। तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा सरकार के साथ बैठक कर ऊर्जा एवं शहरी विकास पर विस्तार से चर्चा की। मनोहर लाल ने चंडीगढ़ में 42 करोड़ की लागत से तैयार हुए आवासीय परिसर का उद्घाटन किया।

दरअसल, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री राज्यों में चल रहे ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास के प्रोजक्टों का रिव्यू कर रहे हैं। अभी तक नार्थ-ईस्ट के 8, साउथ के तीन और गुजरात का दौरा कर चुके हैं। उत्तर भारत के चंडीगढ़ सहित चार राज्यों में केंद्रीय योजनाओं का रिव्यू करने मनोहर लाल पहुंचे। हिमाचल दौरे के दौरान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने हिमाचल प्रदेश में हाइड्रो पावर प्लांट प्रोजेक्टों को गति देने और शहरी विकास को लेकर पहल करते हुए, प्रदेश का मुफ्त बिजली शेयर बढ़ाने पर मनोहर लाल ने सार्थक कदम बढ़ाया है और हिमाचल में शहर बसाने को लेकर भी प्रतिबद्धता जताई। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कई लंबित प्रोजेक्टों और नई योजनाओं पर केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। मनोहर लाल ने आश्वासन दिया कि पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में पावर प्लांट प्रोजेक्टों को गति दी जाएगी और स्मार्ट शहर भी बसाए जाएंगे। हिमाचल सरकार की ओर से फ्री पावर शेयर बढ़ाने का विषय रखा गया, जिस पर मनोहर लाल ने आश्वासन दिया कि इस विचार किया जाएगा। वहीं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के समक्ष शानन प्रोजेक्ट पर स्वामित्व, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में हिमाचल हिस्सेदारी समेत कई मुद्दों को उठाया। मनोहर लाल ने बताया कि शानन प्रोजेक्ट की 100 साल की लीज समाप्त हो गई है, इसको लेकर पंजाब से मतभेदों को दूर किया जाएगा।

हरियाणा का पावर मॉडल देशभर में होगा लागू

हरियाणा में मनोहर पावर मॉडल देशभर के राज्यों के लिए आदर्श बन रहा है। अब दूसरे राज्य भी केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर पावर मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं। एक दिवसीय हरियाणा दौरे के दौरान केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री का अब हरियाणा की बिजली कंपनियों को पब्लिक लिस्टिंग करने का फैसला है।

जब सुक्खू ने की मनोहर की कार्यशैली की प्रशंसा

हिमाचल दौरे के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री की कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल ने सभी मुद्दों और विषयों का न केवल समाधान का आश्वासन दिया, बल्कि नई योजनाओं को लागू करने की भी सराहनीय पहल की। बतौर मुख्यमंत्री, मनोहर लाल को कार्य करने का अनुभव है, ऐसे में हिमाचल को भी इसका लाभ मिलेगा।

नए मेट्रो रूटों पर केंद्रीय मंत्री ने दिखाई रूचि

दिल्ल से सटे गुरुग्राम, बहादुरगढ़, फरीदाबाद और सोनीपत में मेट्रो रूटों का विस्तार किया जाएगा। हरियाणा सरकार की ओर से अंबाला शहर से अंबाला छावनी और यमुनानगर व जगाधरी में मेट्रो प्रोजेक्ट की मांग रखी गई। नई मांग के आधार का कार्ययोजना तैयार होगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 450 नई बसों की शुरुआत होगी। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के तहत हरियाणा और जम्मू में स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत की जाएगी। महानगरों में गंदगी की समस्या का हल निकालने के लिए प्रोसेसिंग प्लांट लगाए जाएंगे।

पंजाब-हरियाणा में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में रविवार को वायु गुणवत्ता खराब रही और चंडीगढ़ में यह बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समीर ऐप के अनुसार, पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में सुबह 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 342 दर्ज किया गया।

हरियाणा के अन्य स्थानों में कैथल में वायु गुणवत्ता सूचकांक 284, चरखी दादरी में 280, बहादुरगढ़ में 278, पंचकुला में 270, गुरुग्राम में 240, यमुनानगर में 231, कुरूक्षेत्र में 221, सोनीपत में 202, भिवानी में 198, पानीपत में 184 और अंबाला में 148 रहा। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 268, अमृतसर में 246, लुधियाना में 220, पटियाला में 206, रूपनगर में 202, जालंधर में 196, बठिंडा में 175 और खन्ना में 163 दर्ज किया गया। एक्यूआई 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है।

उल्लेखनीय है कि पंजाब में शनिवार को खेतों में पराली जलाने की 237 घटनाएं हुईं, जिससे राज्य में पराली जलाने की कुल घटनाओं की संख्या 6,266 हो गई। पंजाब में 15 सितंबर और नौ नवंबर के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में पराली जलाने की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी देखी गई है।

पराली जलाने के मामले में 7 को किया गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। पुलिस ने पराली जलाने के मामलों में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कर्म चन्द उप निदेशक आईएडीपी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में फसलों के अवशेषों की जलाने पर प्रतिबन्ध लगाया हुआ है। उपायुक्त कार्यालय के आदेश अनुसार ग्राम स्तर पर गठित की गई कमेटी द्वारा मौका का मुआयना किया गया। मुआयना करने पर सुखदेव सिंह वासी दबखेड़ा लाडवा की लोकेशन पर आगजनी पाई गई। जिस पर थाना बाबैन में मामला दर्ज करके आरोपी सुखदेव को काबू कर शामिल तफतीश किया गया। इस प्रकार पराली जलाने के एक अन्य मामले में थाना बाबैन में ज्ञान चन्द वासी गुडी, दर्शन लाल वासी गाव ध्यागला, कर्म सिंह वासी त्योडी, अंकित वासी सौदपुर, गुरदेव सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी डेरा मलिकपुर, छबेग सिंह पुत्र अरुढ सिंह वासी गांव खेड़ी शहीदां को काबू करके शामिल तफतीश किया गया।

साप्ताहिक फाइन आर्ट्स कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद। राजकीय महाविद्यालय, में साप्ताहिक फाइन आर्ट्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ में होने वाले क्षेत्रीय युवा महोत्सव के मद्देनजर विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु तैयार करने के लिए किया गया। कार्यशाला का संचालन डॉ राजविंदर कौर, डॉ अंकिता, श्रीमती निशा और श्रीमती उर्मिला पुष्कर द्वारा किया गया। योगेश ने फाइन आर्ट की विभिन्न विद्याओं जैसे कि पेंटिंग, पोस्टर, मेंहदी, कार्टूनिंग, कोलाज, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, क्ले मॉडलिंग और रंगोली की बारीकियों, सृजनात्मक शैलीयों एवं प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण के बारे में विदित कराते हुए छात्रों की प्रतिभा को निखारा।

युवाओं के हमेशा प्रेरणा स्रोत रहेंगे डा. यादव: शर्मा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ख्याती प्राप्त वैज्ञानिक डॉ जेएस यादव की स्मृति में गठित ट्रस्ट प्रतिवर्ष उनके जन्मदिवस को प्रेरणा दिवस के रुप में मनाकर समाज के सामने अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। आज के भोतिकवादी युग में पथभ्रस्ट हो रहे युवावर्ग को डा यादव का जीवन परिचय नई दिशा दिखाएगा। वे प्रख्यात शिक्षाविद एवं कुरुक्षेत्र विश्वद्यालय के पूर्व डीन डॉ जे एस यादव की जयंती पर स्थानीय यादव धर्मशाला में श्रंद्धाजलि सभा एवं विभूति सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जेएस यादव मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रेरणा स्कॉलरशिप दी गई। साथ ही अपने क्षेत्र में विशिष्ठ कार्य करने पर विभिन्न विभूतियों को प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वृंदावन में पुण्य प्राप्ति के लिए तीन वन जुगल जोड़ी की परिक्रमा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

● अक्षय नवमी पर आस्था के सैलाब में राधे राधे पर झूमे भक्त

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को अक्षय नवमी पर मथुरा वृंदवन में आस्था का सैलाब उमड़ा रहा। दिल्ली एनसीआर, फरीदाबाद व पलवल से हजारों श्रद्धालु अष्टमी को ही वृंदावन पहुंच गए। जहां श्रद्धालुओं ने ब्रज में मथुरा वृंदावन और गरुणगोविंद इन तीन वनों की 21 कोस की परिक्रमा लगाई। इस दौरान मथुरा वृंदावन राधे राधे के उद्घोषों से गुंजायमान हो उठा।

परिक्रमा को लेकर दिल्ली से मथुरा वृंदावन की ओर आने जाने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बस अड्डा व रेलवे स्टेशन पर जमा रही। प्राईवेट वाहन चालकों ने भी इस परिक्रमा को लेकर खूब चांदी काटी।

इस दिन मथुरा, वृंदावन, और गरुड़ गोविंद इन तीन वनों की परिक्रमा की जाती है. इसे तीन वन की परिक्रमा कहते हैं. मान्यता है कि इस दिन परिक्रमा करने से सभी तीर्थों का पुण्य मिलता है। परिक्रमा से पहले भक्तों ने विश्राम घाट पर यमुना स्नान और पूजन किया। इस दौरान विश्राम घाट, बंगाली घाट, रंगेश्वर महादेव मंदिर, डेंपियर नगर, भूतेश्वर, पोतराकुंड, सरस्वती कुंड, चामुंडा, गायत्री तपोभूमि, गोकर्ण नाथ, मोक्षधाम, गऊघाट पर भारी भीड़ रही। अक्षय फल की प्राप्ति के लिए हजारों श्रद्धालुओं ने कान्हा की लीला स्थली वृंदावन में नवमी से पहले ही डेरा डाल लिया। अक्षय नवमी पर विशेष मान्यता के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन की जुगल जोड़ी और तीन वन की परिक्रमा के लिए यहां पहुंचे। इस दौरान प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं परिक्रमा मार्ग राधे-राधे के जयकारों से गूंजायमान हो रहा है। इसे आंवला नवमी भी कहा जाता है।

मान्यता है कि इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा और दान करने पर अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है. मां लक्ष्मी की कृपा से साधक को आर्थिक लाभ मिलता है। अक्षय नवमी को परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं का रेला और बढ़ता चला गया।

श्री राधा माधव आश्रम वृंदावन से कथा ब्यास राजकुमार शास्त्री ने बताया कि कार्तिक के महीने में जुगल जोडी परिक्रमा का बहुत बड़ा महत्व है। स्वयं भगवान ने इस परिक्रमा को दिया है। यह कथा पूर्णामासी तक चलती है। जो व्यक्ति इस परिक्रमा को लगाते हैं, उनकी मनोकामना अवश्य पूरी होगी। भगवान की परिक्रमा इंसान के जीवन को सफल बनाती है।

खेल नीति में मूक-बधिर खिलाड़ियों से भेदभाव को खत्म करे सरकार

● पीड़ितों ने खेल मंत्री से मुलाकात कर रखी मांग

● कहा- सामान्य और पैरा एथलीट्स की तुलना में उन्हें मिलते हैं कम पुरस्कार राशि और नौकरी के अवसर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा में मूक-बधिर खिलाड़ियों को सामान्य और पैरा एथलीट्स की तुलना में कम पुरस्कार राशि और नौकरी के अवसर मिलते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मूक बधिर खिलाड़ियों ने खेल मंत्री गौरव गौतम से मिलकर इस भेदभाव को दूर करने की मांग की है।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों की समस्याओं को सुना और जल्द ही इस मुद्दे पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। खिलाड़ियों और उनके परिवारों को उम्मीद है कि यह मुलाकात हरियाणा की खेल नीति में सकारात्मक बदलाव का कारण बनेगी। फरीदाबाद के दो प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मूक-बधिर खिलाड़ियों - शुभम् वशिष्ठ और अमन शर्मा ने हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम से उनके पलवल स्थित आवास पर मुलाकात की। जिसमें उन्होंने उनके साथ हो रहे भेदभाव से अवगत कराते हुए इसे दूर करने की मांग की। खिलाड़ियों का कहना है कि केंद्र सरकार व अन्य कई राज्यों में यह पुरस्कार राशि सभी खिलाड़ियों को बराबर दी जाती है।

बल्लभगढ़ निवासी शुभम् एक प्रतिभाशाली निशानेबाज हैं, जबकि एसजीएम नगर, फरीदाबाद के अमन शर्मा एक कुशल तैराक हैं। दोनों खिलाड़ियों ने 2022 में ब्राजील में आयोजित डेफलिम्पिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां दोनों ने फाइनल में छठा स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, शुभम् वशिष्ठ ने हाल ही में जर्मनी में आयोजित द्वितीय विश्व बधिर शूटिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए रजत और कांस्य पदक जीते। इन दोनों खिलाड़ियों का कहना है कि हरियाणा की वर्तमान खेल नीति में मूक-बधिर खिलाड़ियों के साथ गंभीर भेदभाव किया जा रहा है।

इस तरह पुरस्कार राशि में किया जा रहा है भेदभाव

खिलाड़ियों का कहना है कि स्वर्ण पदक हासिल करने पर सामान्य व पैरा खिलाड़ियों को 6 करोड़ रूपये की पुरस्कार राशि दी जाती है, जबकि मूक-बधिर को यह राशि केवल 1.20 करोड़ रूपये दी जाती है। इसी तरह रजत पदक हासिल करने पर सामान्य व पैरा खिलाडियों को 4 करोड़, जबकि मूक-बधिर कसे केवल 80 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। इसी तरह कांस्य पदक लेने पर सामान्य व पैरा खिलाड़ियों को 2.5 करोड़ और मूक-बधिर को 40 लाख की राशि दी जाती है। भागीदारी करने पर सामान्य व पैरा को 15 लाख तथा मूक-बधिर को 2.5 लाख की पुरस्कार राशि दी जाती है।

बलात्कार राजधानी

शिकार हुई एक और युवती

भारत की बलात्कार राजधानी के रूप में दिल्ली की लगातार प्रतिष्ठा को उजागर करने वाली एक और भयावह घटना में, व्यस्त आईटीओ चौक के पास एक युवती के साथ तीन लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। 10 अक्टूबर, 2024 को, पीड़िता, जो ओडिशा के पुरी की एक सामुदायिक नेता और शोधकर्ता थी, पर हमला किया गया और फिर उसे सराय काले खां क्षेत्र के पास छोड़ दिया गया। एक विस्तृत और चुनौतीपूर्ण जांच में संदिग्धों को पकड़ने में दिल्ली पुलिस को तीन सप्ताह से अधिक का समय लगा। यह मामला, हालांकि कई मामलों में से एक है, महिलाओं की सुरक्षा के साथ दिल्ली की लगातार चुनौतियों पर गहन प्रकाश डालता है। व्यापक सार्वजनिक आक्रोश, देशव्यापी विरोध और यहां तक ??कि 2012 के निर्भया मामले से प्रेरित विधायी सुधारों के बावजूद, शहर महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक स्थानों में से एक बना हुआ है। निर्भया सामूहिक बलात्कार के बाद, न्याय के लिए जनता की मांग ने महत्वपूर्ण कानूनी सुधारों को जन्म दिया, जिसमें 2013 में आपराधिक कानून में संशोधन शामिल थे। इनमें यौन अपराधियों के लिए कठोर दंड और फास्ट-ट्रैक अदालतों की स्थापना शामिल थी। दिल्ली पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी, महिला गश्ती दल तैनात किए और

अतिरिक्त हेल्पलाइन स्थापित की। हालाँकि, इस तरह के मामले बताते हैं कि इन अपराधों को रोकने के लिए अकेले व्यवस्थागत बदलाव पर्याप्त साबित नहीं हुए हैं। हालांकि पुलिस की मौजूदगी बढ़ी है, लेकिन अक्सर सुनसान इलाकों में गश्त कम होती है जहां ऐसे कई अपराध होते हैं। यौन हिंसा के पीड़ितों के प्रति कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण और संवेदनशीलता में देरी और देरी जैसी चुनौतियां भी हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या कम करके आंका जाता है, खासकर उन मामलों में जहां पीड़ितों को आसान लक्ष्य माना जाता है। इस मामले में अपराधियों ने कथित तौर पर पीड़िता को यह मानकर निशाना बनाया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है।

कई पीड़िताएं गंभीर आघात का सामना करती हैं, जो हमले के विवरण को फिर से बताने या प्रभावी ढंग से कानूनी उपाय करने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। हालांकि इस मामले में अधिकारियों ने पीड़िता का समर्थन करने के लिए असाधारण कदम उठाए, लेकिन ऐसे प्रयास अभी भी दुर्लभ हैं। पीड़ितों की सुरक्षा और भलाई के लिए सुलभ और व्यापक आघात-सूचित सहायता प्रणाली स्थापित करना महत्वपूर्ण है। इस भयावह घटना को उन उपायों की आलोचनात्मक जांच के लिए प्रेरित करना चाहिए जो दिल्ली की महिलाओं के लिए विफल रहे हैं। सुधारों को कानूनी ढांचों से आगे बढ़ाने और गहरे सामाजिक और प्रणालीगत बदलावों को शामिल करने की आवश्यकता है। निगरानी का विस्तार करके एकांत क्षेत्रों को कवर करना, वास्तविक समय की निगरानी शुरू करना प्रतिक्रिया समय को बढ़ा सकता है और संभावित अपराधियों को रोक सकता है। कानून प्रवर्तन को आघात-सूचित दृष्टिकोण, पीड़ित संवेदनशीलता और कठोर जांच प्रक्रियाओं में पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। महिलाओं और यौन हिंसा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक अभियान और शैक्षिक कार्यक्रम जो रूढ़ियों को चुनौती देते हैं और सहानुभूति को बढ़ावा देते हैं, ऐसी संस्कृति को बदलने में मदद कर सकते हैं जो इस तरह की हिंसा को सक्षम बनाती है।

एकीकृत विकसित राष्ट्र की ओर

'विकसित भारत' को प्राप्त करने के लिए धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने, पर्यावरण संबंधी खतरों को दूर करने और वैश्विक तनावों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

जेएस राजपूत
(लेखक, शिक्षा एवं सामाजिक सद्भाव हेतु कार्यरत हैं)

भारत 2047 का इंतजार कर रहा है क्योंकि वह विकसित देशों में से एक बनने की आकांक्षा रखता है, और जाहिर है, इसका मतलब है अपने प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए ईमानदारी से और सामूहिक रूप से प्रयास करना। उम्मीद है कि विकसित भारत में किसी को भी मुफ्त राशन की जरूरत नहीं होगी और वोट के लालच में बांटे जाने वाले मुफ्त सामान इतिहास बन जाएंगे। इससे पीने योग्य पानी, स्वच्छ हवा, सभी मौसम में सिर पर छत और 'काम न करने' की स्थिति से मुक्ति भी मिलेगी। भूख, खराब स्वास्थ्य और कुपोषण इतिहास बन जाएंगे! भारत में शिक्षा की एक ऐसी प्रणाली होगी जो लुटियंस जोन और झाबुआ गांव के बच्चों के लिए समान पहुंच और समान स्तर पर सफलता सुनिश्चित करेगी!

शिक्षा अब 'आवश्यक स्वप्नलोक' नहीं रहेगी! इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सांप्रदायिक वैमनस्य और हर तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक बहिष्कार से छुटकारा पाना ज़रूरी है। हम एक ऐसे राष्ट्र की उम्मीद करते हैं जो अब अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक चिंताओं से ग्रस्त न हो! भारत में सामाजिक सामंजस्य और धार्मिक सौहार्द - या सामाजिक और धार्मिक सामंजस्य और सौहार्द - के विभिन्न पहलुओं का गंभीरता से अध्ययन करने के बाद, यह स्वीकार करने से कोई बच नहीं सकता कि यह सांप्रदायिक वक्रता की एक बहुत ही जटिल पहेली है जो इसे सुचारू करने के लिए विभिन्न नेक इरादों वाली पहलों के लिए प्रतिरोधी है।

ऐसे मानवीय मूल्य हैं जो हर धर्म में समान हैं, और ये किसी भी तरह से आस्था और धार्मिक प्रथाओं के तरीकों में हस्तक्षेप किए बिना भाईचारे को मजबूत करने का आधार बन सकते हैं। कट्टरवाद, आतंकवाद और कट्टरपंथ का वैश्विक उदय और इसके परिणामस्वरूप अविश्वास, उत्पीड़न और अलगाव का विस्तार निश्चित रूप से लोगों के लिए बेहतर जीवन के लिए अनुकूल नहीं है, चाहे उनके घरों में कितने भी गैजेट उपलब्ध हों। दुख की बात है कि सहस्राब्दी के अंत में यह बहुत स्पष्ट था कि आने वाले दिनों में नेतृत्व के लिए चीजें संभालना मुश्किल हो जाएगा, और मानव जाति का अस्तित्व ही दांव पर लग जाएगा। 21वीं सदी के तीसरे दशक में, मानवता और ग्रह पृथ्वी जलवायु परिवर्तन, मानव-प्रकृति संबंधों में तेज गिरावट और विभिन्न रूपों और स्वरूपों में लगातार बढ़ती हिंसा से उत्पन्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन लोगों द्वारा शांति स्थापित करने के प्रयासों की निरर्थकता जिनके आर्थिक हितों के लिए घातक हथियारों के अधिक उत्पादन और उनकी बिक्री और खपत की आवश्यकता होती है, अब कोई छिपा हुआ रहस्य नहीं है।

इस सब से पैदा होने वाले तनाव, उथल-पुथल और चिंता अब हर जगह अनुभव की जा रही है, खासकर पश्चिम में, जिसने शरणार्थियों और घुसपैठियों को खुले हाथों से स्वीकार किया, उनमें से कई अब अपनी पिछली नीतियों पर पछता रहे हैं! अविश्वास और आशंका का बढ़ना छिटपुट हिंसा से कहीं अधिक खतरनाक है, जिसके उदाहरण यूरोपीय देशों में बढ़ रहे हैं। ये उदाहरण आज के युवाओं और कल सत्ता संभालने वालों के सामने की दुनिया के कुछ संकेत देते हैं!

भारत एक प्रमुख एशियाई राष्ट्र है जो अवैध प्रवासियों की भारी आमद से पीड़ित है, और उनमें से अधिकांश को कई राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है। यह स्पष्ट है कि यह समर्थन विशुद्ध रूप से सांप्रदायिक विचारों पर आधारित है, और

ऐसे मानवीय मूल्य हैं जो हर धर्म में समान हैं, और ये किसी भी तरह से आस्था और धार्मिक प्रथाओं के तरीकों में हस्तक्षेप किए बिना भाईचारे को मजबूत करने का आधार बन सकते हैं। कट्टरवाद, आतंकवाद और कट्टरपंथ का वैश्विक उदय और इसके परिणामस्वरूप अविश्वास, उत्पीड़न और अलगाव का विस्तार निश्चित रूप से लोगों के लिए बेहतर जीवन के लिए अनुकूल नहीं है, चाहे उनके घरों में कितने भी गैजेट उपलब्ध हों।

निश्चित रूप से राष्ट्रीय हित में नहीं है। यह उन नाजुक रिश्तों को और बढ़ाता है जो हमेशा से मौजूद रहे हैं, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और भी बढ़ गए और भारत के विभाजन का कारण बने, सामाजिक सामंजस्य और धार्मिक सौहार्द प्राप्त करने की संभावना मायावी बनी रही। दो-राष्ट्र सिद्धांत को सर सैयद अहमद खान द्वारा मार्च 1888 में दिए गए अपने मेरठ भाषण में अक्सर उद्धृत किए जाने वाले भाषण में विस्तृत किया गया था, जो अंग्रेजों के जाने के बाद उभरने वाले परिदृश्य के बारे में उनका दृष्टिकोण था: क्या यह संभव है कि इन परिस्थितियों में दो राष्ट्र - मुसलमान और हिंदू - एक ही सिंहासन पर बैठ सकें और सत्ता में बराबर रह सकें?

निश्चित रूप से नहीं। सर सैयद मुस्लिम समुदाय के सबसे सम्मानित और प्रशंसित नेताओं में से एक थे जिन्होंने उनके लिए आधुनिक शिक्षा के द्वार खोले थे, और इसलिए, प्रबुद्ध मुस्लिम युवा उन्हें बहुत पसंद करते थे। उपरोक्त बातों का सार मुस्लिम समुदाय की प्रचलित भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, और इन्हें दूसरों द्वारा, विशेष रूप से उन लोगों द्वारा, जो आधुनिक शिक्षा पर सर सैयद के विचारों का विरोध करते थे, कायम रखा गया। हालांकि, उन्होंने दो राष्ट्रों के विचार को अपनाया!

इसके बाद, उसी व्याख्यान में, सर सैयद ने अपने विचारों को और विस्तृत किया: प्रतिनिधि सरकार का सिद्धांत यह है कि 'यह एक राष्ट्र द्वारा सरकार है, और यह कि संबंधित राष्ट्र अपने लोगों और अपनी भूमि पर शासन करता है।' यह इतना सरल है- हिंदुओं और मुसलमानों द्वारा एक साथ चुनी गई किसी भी प्रतिनिधि सरकार के भारत पर शासन करने की कोई संभावना नहीं हो सकती है, जिसमें न केवल हिंदुओं और मुसलमानों के राष्ट्र शामिल हों, बल्कि अन्य राष्ट्र भी हों, जिन्हें अपने स्वयं के राष्ट्र बनाने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र यह स्थापित करता है कि सांप्रदायिक सद्भाव संभव है, और दोनों समुदाय एक साथ काम करने के लिए समान रूप से प्रबुद्ध हैं।

सर सैयद आधुनिक शिक्षा पर अपने भविष्यदर्शी दृष्टिकोण और मुसलमानों के उत्थान के लिए इसकी सख्त जरूरत के लिए प्रशंसा के हकदार हैं और उन्हें प्रशंसा भी मिलती है, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर बहस का विषय बना रहेगा कि क्या दो राष्ट्रों की उनकी परिभाषा ने समुदाय की मानसिकता पर कोई स्थायी प्रभाव डाला जो आज भी कायम है।

दो-राष्ट्र सिद्धांत का सिद्धांत अंततः बांग्लादेश के गठन और यूरोप में उभरते बहु-धार्मिक समाजों के साथ दफन हो गया। यदि कोई एक राष्ट्र है जो धार्मिक एकता का एक कार्यात्मक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है तो वह भारत, भारत के हिंदू और मुसलमान हैं। कहीं और, सभी धर्मों की समानता विचार और कर्म में इतनी गहरी जड़ें नहीं रखती जितनी प्राचीन भारतीय संस्कृति में है। इसे वंशानुगत संवादात्मक परंपरा द्वारा पुनर्जीवित किया जा सकता है जो ऐतिहासिक रूप से उत्कृष्ट रही है।

ट्रंप का दूसरा कार्यकाल और भारत

राष्ट्रपति-चुने हुए ट्रंप को एक कठोर वार्ताकार के रूप में जाना जाता है, खासकर व्यापार के मुद्दों पर और उन्होंने भारत को इस मोर्चे पर सबसे बड़े अपराधियों में से एक के रूप में वर्णित किया है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

जैसी कि कहावत है, तीसरी बार जीतना आसान होता है और हम प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीन कार्यकालों के लिए सत्ता में वापस आने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके करीबी दोस्त, अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात कर रहे हैं। कई गोलियों (काफी हद तक शाब्दिक रूप से), महाभियोग और गुंडागर्दी के आरोपों को सफलतापूर्वक चकमा देने के बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका की सामूहिक पसंद पर विजय प्राप्त की।

जबकि भारत सहित दुनिया भर के दक्षिणपंथियों ने उनकी जीत का जश्न मनाया, इसे दक्षिणपंथ की वास्तविक जीत के रूप में और जिसे उन्होंने तथाकथित वामपंथी उदारवादियों के अत्याचार के रूप में देखा, राष्ट्रपति ट्रंप 2.0 उनके पहले संस्करण की तुलना में अधिक सूक्ष्म होने की संभावना है। भारत के लिए इसका मतलब चॉकलेट का एक मिश्रित बॉक्स है जो चुनने के आधार पर कड़वा या बेहद मीठा हो सकता है।

राष्ट्रपति-चुने हुए ट्रंप को एक कठोर वार्ताकार के रूप में जाना जाता है, खासकर व्यापार के मुद्दों पर और उन्होंने भारत को इस मोर्चे पर सबसे बड़े अपराधियों में से एक के रूप में वर्णित किया है। वह दशकों के अनुभव वाले व्यवसायी हैं और व्यापार के प्रति उनका दृष्टिकोण लेन-देन वाला है, जो पश्चिमी क्षेत्रों के भारतीय राजनेताओं के लिए कोई नई बात नहीं है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही भारत-अमेरिका द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों में जबरदस्त वृद्धि हुई है, साथ ही केंद्र में एक दशक से अधिक समय से व्यापार-उन्मुख भारतीय सरकार ने भारत में नौकरशाही वर्ग से कई कठिन वार्ताकारों

को उभरने के लिए प्रशिक्षण का मैदान भी बनाया है। इसलिए, जबकि सरकार के अधिकारी व्यापार से संबंधित मामलों या आयात शुल्क या प्रतिबंधों पर अमेरिका के साथ आगे की कठिन वार्ताओं से अवगत हैं, वे राष्ट्रपति की कार्यशैली से परिचित होने के कारण बीच का रास्ता निकालने की उम्मीद कर रहे हैं। कमरे में मौजूद ड्रैगन चालाक होगा, क्योंकि राष्ट्रपति-चुनाव ट्रंप ने चुनावों से पहले चीन से आयात पर कठोर शुल्क लगाने की कसम खाई है। यह भारत के लिए अच्छी खबर हो सकती है, खासकर तब जब वर्तमान सरकार का ध्यान भारत को कम से कम इस क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर का विनिर्माण केंद्र बनाने पर है।

विनिर्माण क्षेत्र में आगे बढ़ रहे भारतीय नौकरशाह इस बात से गहराई से वाकिफ हैं कि भारत को एक हब के रूप में विकसित करना एक दीर्घकालिक खेल है जो डीसी और दिल्ली में मौजूदा शासन से भी आगे निकल सकता है। वे इस बात से भी अच्छी तरह वाकिफ हैं कि चीन प्लस वन मॉडल में बड़ी अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने की अनुमति देने से ट्रम्प को लाभ होगा। वह भारत पर अमेरिका से शायद अधिक हाइड्रोकार्बन या रक्षा तकनीक खरीदने का दबाव बनाकर इस कार्ड पर बातचीत कर सकते हैं। जबकि ट्रम्प 1.0 के तहत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों का मुख्य केंद्रबिंदु प्रौद्योगिकी साझेदारी नहीं थी, उनके उत्तराधिकारी जो बिडेन ने साझेदारी के एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के साथ एक शानदार शीर्ष बनाया। आईसीईटी (महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए पहल) जैसी पहल, जिनकी सीधे दोनों देशों के प्रमुखों द्वारा निगरानी की जाती है, ने दोनों लोकतंत्रों के बीच तकनीकी साझेदारी को एक अटूट पवित्रता प्रदान की है।

राष्ट्रपति ट्रम्प या तो अमेरिकी तकनीक को भारत के अगले वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनने के घोषित लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जबकि इसे सौदेबाजी की चिप के रूप में रख सकते हैं, या, वे इनमें से कुछ कंपनियों को अपने कुछ कारखानों को घरेलू तटों पर वापस लाने के लिए राजी करने के लिए एक रचनात्मक समाधान खोज सकते हैं। बाद की संभावना असंभव लगती है क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प पारंपरिक रूप से पुराने विनिर्माण क्षेत्रों में अमेरिकियों के लिए अधिक नौकरियों के सृजन के बड़े समर्थक रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प की अधिकांश प्रौद्योगिकी नीति उनके सबसे बड़े दाता और प्रौद्योगिकी के दिग्गज एलन मस्क द्वारा तैयार की जाने की संभावना है। एलन मस्क के चीन में व्यापारिक हित हैं, जहां उनकी कुछ सबसे बड़ी टेस्ला फैक्ट्रियां हैं, इसके अलावा, वे बहुत कम सफलता के साथ भारतीय ऑटोमोबाइल बाज़ार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उपग्रह-आधारित दूरसंचार सेवाओं सहित उनके अन्य व्यावसायिक हित भारत में शुरू होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से कई कारक मोदी-ट्रम्प युग के अगले चार वर्षों को निर्धारित करेंगे।

आप की बात

ट्रंप फिर से

जनता द्वारा डोनाल्ड ट्रम्प को दूसरे कार्यकाल के लिए ऐतिहासिक जीत के लिए स्पष्ट जनादेश देने के साथ, वैश्विक भू राजनीतिक परिदृश्य बदले हुए वैश्विक वातावरण में कनेक्शन और व्यवधानों का सामना करने के लिए तैयार है। टैरिफ, जलवायु परिवर्तन के मुद्दों, आप्रवासन कानूनों पर एक आक्रामक नीति का विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव हो सकता है। कमला हैरिस के खिलाफ कड़ी प्रतिस्पर्धा और समान रूप से कांटे की लड़ाई में, रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रोवर क्लीवलैंड 1892 . के बाद गैर-लगातार दूसरा कार्यकाल जीतने वाले दूसरे पूर्व राष्ट्रपति और पहले रिपब्लिकन बनकर इतिहास रच दिया है। ट्रम्प की जीत का श्रेय बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण बनी स्थितियों को दिया जा सकता है, जब जो बिडेन और उनके बाहर निकलने के दौरान बेरोजगारी ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर आ गई थी। जैसे ही 47वें राष्ट्रपति और उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हो रहा है, उन्होंने करों पर अंकुश लगाने, प्रवासन और लालफीताशाही पर अंकुश लगाने की योजना बनाई है, जो उपभोक्ताओं के लिए ऊंची कीमत का संकेत देता है। चीनी वस्तुओं पर 60 प्रतिशत और अन्य देशों के सामानों पर 10 प्रतिशत लेवी लगाने की ट्रम्प की प्रतिबद्धता को देखते हुए 20 देशों के यूरोजोन को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

- **विजय सिंह,** नैनीताल

भारत-अमेरिका संबंध

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीत कर डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस में पुन राष्ट्रपति पद पर सत्तारूढ़ होने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में कुछ परिवर्तन तो अवश्य दिखेंगे ही साथ सहयोगी देशों के साथ कूटनीतिक संबंधों में दशा दिशा अवश्य परिष्कृत स्वरूप में दिखेगी। नाटो संगठन अमेरिका से प्राप्त होने वाले रक्षा बजट आवंटन पर निर्भर हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद नाटो को कूटनीतिक वित्तीय परिवर्तनों की चुनौती के अनुरूप सामंजस्य बिठाना पडेगा। नाटो के लिए अमेरिका ने सैन्य और वित्तीय सहायता में कमी कर दी तो रूस का साहस बढ़ सकता है। वैश्विक जगत में चीन के बढ़ते कद पद पर डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति से लगाम लग सकती है। रूस यूक्रेन युद्ध को न्यूनतम अवस्था में पहुंचाने में डोनाल्ड ट्रम्प बेहतरीन भूमिका निभा सकते हैं। इधर भारत अमेरिका संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल कूटनीति के कारण प्रगाढ़ हो रहे हैं । चीन से मुकाबला करने के लिए भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदार के रूप में उदय हो रहे हैं। दक्षिण एशिया उप महाद्वीप में भारत की सैन्य और आर्थिक स्थिति मजबूत करने में डोनाल्ड ट्रम्प सक्रिय सहयोग दे सकते हैं

- **युगल किशोर शर्मा,** फरीदाबाद

महाराष्ट्र चुनाव

इस बार महाराष्ट्र के चुनाव दिमाग घुमा देने वाले एवं चुनावी पंडितों के लिए उनके बारे में कोई भी भविष्यवाणी करना एक टेढ़ी खीर हो गई है। इसमें तो कोई शक नहीं कि यह चुनाव महायुती बनाम महा विकास अगड़ी के बीच में ही सिमट कर रह गया है। संभवत ऐसा पहली बार हो रहा है कि महा विकास आघाड़ी ने शाहू, फूले, अंबेडकर की वैचारिक क्रांति को चुनावी प्रचार का बड़ा आधार बनाया है और लड़ाई को संविधान और आरक्षण पर लाकर चुनावी मोड़ दिया है। भाजपा ने योगी आदित्यनाथ की चुनावी परिभाषा बटेंगे तो कटेंगे को आगे बढ़ाया है एवं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने चुनावी अभियान की कमान को संभाल लिया है। राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मान रैली को संबोधित किया और संविधान पर बीजेपी को जोरदार ढंग से घेरा है। दूसरी तरफ भाजपा ने संविधान की प्रीति लाल रंग की होने पर और कोरे पन्ने का किताब का हवाला देते हुए राहुल गांधी को की जमकर आलोचना की है। इन सबके बीच नेशनल कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने महायुति को ही संकट में डाल दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि हम किसी भी ऐसे बात के साथ नहीं खड़े हैं जो शाहू फूले अंबेडकर वैचारिक विमर्श के विरुद्ध खड़ी हो।

- **वीरेंद्र जाटव,** दिल्ली

एक सेवानिवृत्त, अनेक सेवामुक्त

एक सेवा से निवृत्त अनेक सेवामुक्त- जैसा कि माननीय प्रधान न्याययधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने सेवानिवृत्ति से पूर्व कहा कि मैं रविवार को सेवानिवृत्त हो जाऊंगा किन्तु मुझे सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वाले सभी सोमवार से बेरोजगार हो जाएंगे। महोदय ऐसा मत कहिये अगर वे बेरोजगार हो जाएंगे तो पहले ही देश में बेरोजगारों की संख्या बेतहाशा हो गई है अगर लाखों ट्रोलर्स बेरोजगार हो जाएंगे तो हमारे देश में और अधिक बेरोजगारी बढ़ जाएगी। अच्छी बात नहीं है आप एक सेवा से निवृत्त हो रहे हैं और अफ़सोस आपके सेवानिवृत्त होने से अनेकानेक बेचारे सेवामुक्त हो जाएंगे। महोदय उन्हें कहिये कि आप लोग व्यर्थ का ट्रोल का बिजिनेस छोड़कर नेक काम में ईमानदारी से लग जाएं ताक़ि समय का सदुपयोग भी होगा और स्वयं के साथ ही समाज व देश की उन्नति भी बेहतर तरीके से करके सबका भविष्य भी उज्जवल कर सकेंगे. अंत में महोदय आपको हार्दिक शुभकामनाएं, आपका सेवानिवृत्त जीवन सुखमय बना रहे।

-**शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

सपा का पीडीए मतलब प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी

भाजपा लौहपुरुष वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा मुखिया जिन्ना की: मुख्यमंत्री

अंबेडकरनगर/मीरजापुर/प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव प्रचार के रैलियों में रविवार को सपा के नेतृत्व व नेताओं की खूब धोया। सीएम ने पीडीए को घेरते हुए इसकी नई परिभाषा बताई। इनका पीडीए (प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी) है। सपा माफिया व अपराधियों को पालने का प्रोडक्शन हाउस बन गया है। हर दुर्दांत अपराधी माफिया, दुष्कर्मी पैदा जिस प्रोडक्शन हाउस से पैदा होते हैं, उसके सीईओ अखिलेश यादव व ट्रेनर शिवपाल यादव हैं। प्रदेश का हर बड़ा अपराधी, माफिया व दंगाई सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस का हिस्सा होगा। सपा माफिया का प्रोडक्शन हाउस बनकर जनता को तबाह कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कटेहरी, मझवा व फूलपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के लिए रविवार को जनसभा की। उन्होंने कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवा से सुचिस्मिता मौर्य व फूलपुर से दीपक पटेल को जिताने की अपील की।

सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज थे अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी व खान मुबारक

सीएम ने कहा कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। यह लोग अपराध के लिए, साथ बिजनेस करते थे। गाजीपुर में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय, रमेश पटेल, रमेश यादव समेत सात लोग की निर्मम हत्या हुई थी। माफिया ने इन्हें भून डाला था। तब सपा सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन माफिया के मरने पर सपा मुखिया वहां फातिहा पढ़ने चले गए। सपा सरकार में अतीक अहमद के गुंडों ने प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल की निर्मम हत्या कर दी। जब डबल इंजन सरकार आई, इस परिवार को न्याय तब मिला। डबल इंजन सरकार ने जब अपना वास्तविक रूप दिखाया तो इनका रामनाम सत्य होने में देर न लगी। कटेहरी में सीएम योगी ने कहा कि एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत के विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था। अनुसूचित जाति-जनजाति पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुआ। 2015-16 में इन लोगों ने अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, उसे भी हमने शुरू कराया। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस व सपा का इंडी गठबंधन देश व समाज के लिए खतरनाक है, इसलिए हरियाणा में जनता ने उन्हें नहीं आने दिया और पीएम मोदी के आह्वान पर दो तिहाई से अधिक सीट देकर भाजपा की हैट्रिक लगाई। सीएम ने कहा कि वहां के लोग समझ गए कि बंटे थे तो कटे थे, इसलिए अयोध्या में 500 वर्ष तक इंतजार करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सपा का प्रत्याशी बनकर कटेहरी को परिवारवाद का गढ़ बना देना चाहते हैं। जब रामलला विराजमान हो रहे थे तो यह लोग विरोध कर रहे थे। हर गरीब की श्रद्धा का केंद्र शिवबाबा धाम व श्रवण क्षेत्र के विकास के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने राम मंदिर निर्माण के साथ ही इन दोनों धाम का सुंदरीकरण कराया। सीएम ने अपील की कि अंबेडकरनगर के मेडिकल कॉलेज को तबाह करने के जिम्मेदार बैरियर को हटाइए। सीएम योगी ने कहा कि यह क्षेत्र प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की पावन भूमि है। एक समय जयप्रकाश नारायण, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, चंद्रशेखर, जनेश्वर मिश्र, मोहन सिंह जैसे लोग समाजवादी आंदोलन को नेतृत्व दे रहे थे। इस आंदोलन का आदर्श आंदोलन माना जाता था। लेकिन आज देख सपाई, बिटिया घबराई। अयोध्या में सपा नेता मोइद खान जैसे दुष्कर्मी को जेल भेजा गया तो सपा अंतिम समय तक उसे बचाकर क्लीनचिट दे रही थी। कन्नौज, लखनऊ व हरदोई में भी यही हुआ। लखनऊ में बारिश के दौरान एक बेटी मोटरसाइकिल से परिवार के साथ जा रही थी। एक सपाई के द्वारा उसे मोटर साइकिल से गिरा दिया गया। जब हम लोगों ने उन आरोपी को जेल में डाला तो सपाई थाने घेर रहे थे, लेकिन पुलिस का डंडा था तो सपाई भाग गए। सीएम ने चेतावनी दी कि बेटियों की इज्जत से खेलोगे तो जहन्नुम पहुंचा देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा है तो महापुरुषों का सम्मान होता है। मोदी जी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के पंच तीर्थ का भी निर्माण कराया तो दुनिया में सरदार वल्लभ भाई पटेल की सबसे बड़ी प्रतिमा भी गुजरात में बनवाई। इन महापुरुषों को भारत रत्न तब मिला, जब भाजपा सरकार को समर्थन कर रही थी। महाराज सुहेलदेव ने आक्रांता सालार मसूद गाजी को मारकर वह हाल किया कि कोई विदेशी आक्रांता 150 वर्ष तक भारत पर हमले का दुस्साहस नहीं कर पाया था। उन्होंने हिंदू राजाओं की ताकत को एकजुट किया। मथुरा से लेकर बहराइच व नेपाल की सीमा के अंदर तक सुरक्षा का ऐसा जाल बनाया कि एक बार सालार समूद घुसा तो उसकी कब्र ही खोदी गई। हमने बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का भव्य स्मारक बनाया। सपा को भय है कि वह सम्मान देगी तो मुस्लिम वोट न खिसक जाए।

सीएम योगी ने कहा कि विंध्य क्षेत्र कभी यह क्षेत्र खनन व भूमाफिया के लिए जाना जाता था। आज मीरजापुर के पास मेडिकल कॉलेज, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मां विंध्यवासिनी का भव्य कॉरिडोर है। पीएम मोदी इंटरनेशनल सोलर अलाइंस के लिए फ्रांस के प्रधानमंत्री को लेकर यहां आए और सोलर के सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन किया था। सीएम ने कहा कि खटाखट के नाम पर सपा व कांग्रेस के झूठे इंडी गठबंधन से किसी को एक लाख रुपये नहीं मिला। कांग्रेस व सपा वालों से पूछना चाहिए कि यह पैसा कहां गया। चार-चार बार मुख्यमंत्री होने के बावजूद सपा ने मीरजापुर में विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, हर घर नल और मां विंध्यवासिनी धाम को कॉरिडोर के रूप में नहीं बदला। इन्हें परिवार का विकास चाहिए, प्रदेश का नहीं।

सीएम योगी ने कहा कि 2025 में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ होने जा रहा है। जिसे पीएम मोदी ने यूनेस्को की सूची में लेकर मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिलाई है। उन्होंने कहा कि आज पैसा विकास में लगता है, लेकिन साढ़े सात साल पहले पैसा सैफई घराने और उनके कारिंदों के पास जाता था। सीएम ने आश्वस्त किया कि कछार क्षेत्र में हजारों बीघा जमीन जलमग्न होती थी, लेकिन अब इसका स्थायी समाधान भी होगा। सरकार का मतलब समाधान होता है, समस्या नहीं। जो सरकार गरीब, किसान व युवा की आवाज न सुनती हो, उसे डूब मरना चाहिए। कुंभ 2007 और 2013 में भी हुए थे, उस समय की अराजकता और दुर्व्यवस्था किसी से छिपी नहीं थी। 2019 कुंभ की भव्यता-दिव्यता, सुरक्षा, स्वच्छता व सुव्यवस्था का मानक गढ़ा गया था। हमारी टीम के हिस्से सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रयागराज कुंभ को सफल बनाने में पूरी ताकत लगाई थी। सीएम ने शहीदों-जवानों के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्यों को गिनाया। चुनाव की तिथि परिवर्तित किए जाने पर भी सीएम ने सपा को घेरा। बोले कि सपा राम मंदिर, गंगा स्नान, हिंदु और राष्ट्रीय अस्मिता के साथ खिलवाड़ करती है। हाल में जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने धारा-370 फिर से बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया है। मोदी जी के नेतृत्व में नया भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। एक देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान चलेगा।

सीएम योगी झारखंड में आज करेंगे चार रैली

लखनऊ। तीन दिन तक उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को झारखंड जाएंगे। वे यहां दूसरे दिन चुनाव प्रचार करेंगे। इसके पहले सीएम योगी पांच नवंबर को चुनाव प्रचार में झारखंड गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा भवनाथपुर विधान सभा क्षेत्र में होगी। भारतीय जनता पार्टी ने यहां से मनु प्रताप शाही को टिकट दिया है। सीएम योगी इसके बाद पलामू जनपद की हुसैनाबाद सीट से उम्मीदवार कमलेश कुमार सिंह के लिए वोट मांगेंगे। सीएम योगी की तीसरी व चौथी रैली भी पलामू जनपद में ही होगी। तीसरी रैली पांकी से शशिभूषण मेहता के लिए करेंगे। सीएम योगी की सोमवार को चौथी व आखिरी रैली डॉल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा ने आलोक कुमार चौरसिया को उम्मीदवार बनाया है।

किसानों को लहसुन की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही योगी सरकार

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत बनाई गई विशेष योजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में लहसुन की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत विशेष योजना बनाई है। यह मिशन भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। इसे प्रदेश के 45 जनपदों में लागू किया जा रहा है। यह जनपद सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, हाथरस, कानपुर, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलिया, कुशीनगर, महराजगंज, बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, गोरखपुर, झांसी, अयोध्या एवं फर्रूखाबाद हैं। इस मिशन के अंतर्गत केन्द्रांश 60 प्रतिशत तथा राज्यांश 40 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

योजना के तहत प्रदेश में उद्यान विभाग द्वारा प्रति हेक्टेयर 30 हजार रुपये की अनुमन्य इकाई लागत तय की गई है। इसमें किसानों को प्रति हेक्टेयर 40 प्रतिशत (अधिकतम 12 हजार रुपये) अनुदान दिया जाएगा। यह अनुदान प्रति किसान न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर से अधिकतम 4.0 हेक्टेयर तक की भूमि पर उपलब्ध होगा। लहसुन का बीज राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। बीज की कीमत 370 से 390 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच रखी गई है।

किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक किसानों को अपने जनपद के जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में संपर्क करना होगा। इसके साथ ही, किसान योजना में पंजीकरण करने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। लहसुन की बढ़ती मांग और उसकी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत 10 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में लहसुन की खेती का लक्ष्य रखा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इस योजना के प्रस्ताव को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, उद्यान अनुभाग, भारत सरकार को भेजा था, जिस पर केंद्र सरकार ने अनुमति प्रदान की है।

यूपी में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाएगी योगी सरकार

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल का उपयोग करके स्थापित किये जाएंगे चार्जिंग स्टेशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार राज्य में पर्यावरण के अनुकूल और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को प्रोत्साहित करने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश नवीकरणीय और ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (यूपीआरईवी) की स्थापना की है। इसके तहत योगी सरकार प्रदेश में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का जाल बिछाने जा रही है। यह पहल राज्य को एक हरित और ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए व्यापक योजना बनाई है। यूपीआरईवी के तहत, राज्य के प्रमुख शहरों, राष्ट्रीय-राज्य राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का उपयोग किया जाएगा, जिससे निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में तेजी आएगी। सरकार ने अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर राज्य की भूमि को चार्जिंग स्टेशनों के लिए राइट टू यूज के आधार पर उपयोग करने की अनुमति दी है। इस पहल से राज्य के डिस्कॉम कार्यालयों, सब स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ईवी चार्जिंग पॉइंट्स स्थापित किए जा रहे हैं।

योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए बिजली दरों में भी संशोधन किया है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) के नए आदेश के अनुसार, अब सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए

टैरिफ को औसत लागत से भी कम रखा गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को किफायती दरों पर चार्जिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे ईवी को अपनाने में तेजी आएगी। सरकार का लक्ष्य है कि ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए बेहतर दरें निर्धारित की जाएं ताकि परिवहन क्षेत्र में हरित ऊर्जा का अधिक उपयोग हो सके। इस कदम से राज्य में ईवी उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ योगी सरकार का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखना है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करना है। चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों, इंजीनियरों और स्थानीय लोगों को काम पर लगाया जा रहा है। इससे राज्य के युवाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा। इसके अलावा, यूपीईआरवी के माध्यम से योगी सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत 2000 करोड़ रुपये की सब्सिडी का लाभ उठाने की योजना बना रही है, जिससे और अधिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जा सके।

योगी सरकार की यह पहल न केवल राज्य के पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहायक होगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को ईवी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करके राज्य न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा, बल्कि परिवहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी बढ़ाएगा। इस तरह की योजनाओं से यह स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आने वाले वर्षों में यह पहल राज्य को स्वच्छ, हरित और अधिक उन्नत बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

ग्राम चौपालों में चार लाख 27 हजार से अधिक समस्याओं का किया गया निस्तारण

अब तक एक लाख 07 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का किया आयोजन

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, (गांव की समस्या-गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है, और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1210ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 3080 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3194 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 5544 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 66 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 07 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 76 लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 04 लाख 27 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

14 कोसी परिक्रमा: राम नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

लखनऊ/अयोध्या। प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा करने को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मुहूर्त से पहले उठी परिक्रमा में देर रात बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए कुछ श्रद्धालुओं ने पांच घंटे में ही 42 किलोमीटर नाप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद रात भर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी निरीक्षण करते देखे गए। परिक्रमार्थियों को किसी प्रकार की तकलीफ़ न हो, इसलिए रात भर उच्चाधिकारी भी मेला क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ जुटे रहे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार तकरीबन 30 से 35 लाख श्रद्धालुओं के द्वारा परिक्रमा किये जाने की संभावना जताई जा रही है। यह पहला मौका है कि अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर समेत 5 हजार से अधिक मंदिरों की श्रद्धालुओं ने परिक्रमा की है। पूरे परिक्रमा पथ पर श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न संगठनों की तरफ से जलपान की व्यवस्था कराई गई थी। इसके अलावा नगर निगम की ओर विश्राम गृह व मोबाइल टॉयलेट के भी इंतजाम कराए गए थे। विभिन्न घाटों पर 150 से भी अधिक चेंजिंग रूम बनाये गए थे। 14 कोसी परिक्रमा के महत्व को देखते हुए बड़ी संख्या में बाहरी श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे। मण्डल के जिलों के अलावा बहराइच, सीतापुर, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोंडा, प्रयागराज समेत अन्य जिलों के अलावा नेपाल से भी श्रद्धालु पहुंचे थे। कुछ श्रद्धालु अभी 12 नवंबर को पंचकोसी परिक्रमा करने के बाद ही लौटेंगे। परिक्रमा पथ पर देर रात 11 बजे से सुबह सात बजे तक जबरदस्त भीड़ रही। इस दौरान एक पटरी से दूसरी पटरी पर जाने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ रही थी। मेला क्षेत्र में जलपान की दुकानें रातभर गुलजार रहीं। किसी तरह से परेशानी न हो इसलिए 14 कोसी पथ पर निकलने वाली सभी गलियों पर बैरिकेडिंग की गई थी।

योगी सरकार का पौष्टिक स्नैक्स बच्चों को बनाएगा हेल्दी

बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को पौष्टिक भोजन संग दिया जाएगा मूंगफली की चिक्की, बाजरे के लड्डू और भुना चना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार द्वारा प्रदेश के बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों के समग्र विकास के लिए पौष्टिक भोजन के साथ पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। यह पौष्टिक स्नैक्स बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत दिये जाएंगे। इसमें मूंगफली की चिक्की, बाजरे के लड्डू और भुना चना आदि शामिल है। योगी सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना को और अधिक प्रभावी संग लाभकारी बनाने के लिए पहल की है। यह पहल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी।

95 करोड़ रुपये खर्च करेगी योगी सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को नवंबर से बेसिक और जूनियर हाई स्कूल के बच्चों को विशेष साप्ताहिक पोषण कार्यक्रम के तहत हर गुरुवार को पौष्टिक स्नैक्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीएम पोषण योजना के तहत कक्षा 1 से 8 तक के 1.74 करोड़ छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से बच्चों को हर दिन 100 से 150 ग्राम अनाज दिया जा रहा है। बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए चक्की के लड्डू, बाजरे के लड्डू, मूंगफली की चिक्की, भुना चना जैसे खाद्य पदार्थ भी योजना में शामिल करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए योगी सरकार करीब 95 करोड़ रुपये खर्च करेगी। छात्रों को पौष्टिक स्नैक्स का लाभ देने के लिए प्रदेश भर में 3.72 लाख रसोइयों को नियुक्त किया गया है। इन्हे प्रत्येक माह 2000 रुपये का मानदेय और साल में एक बार यूनिफॉर्म के लिए 500 रुपये की सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा रसोइयों को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि वे बच्चों के लिए पोषण युक्त और स्वादिष्ट भोजन तैयार कर सकें। यह कदम योजना की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और रसोइयों को बेहतर सेवाएं देने के लिए उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट करने के निर्देश दिये हैं। इससे खाद्यान्न की आपूर्ति और उपयोग की सही जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही योजना के निष्पक्षता और प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जा सकेगा। बता दें कि वर्तमान में जिलों में नियमित निरीक्षणों के माध्यम से योजना की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह काफी नहीं है। ऐसे में डिजिटल निगरानी और सोशल ऑडिट का निर्णय लिया गया है।

भाजपा भर्ती नहीं छलावा करती है: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा भर्ती नहीं छलावा करती है और जब एक छल पकड़ा जाता है, तो भाजपाई दूसरा धोखा ले आते हैं। अब यूपी पीसीएस और आर ओ-एआरओ की परीक्षा में दो शिफ़्ट की भाजपाई साज़िश को कैंडिडेट्स भाँप गये हैं, इसीलिए उसके खिलाफ आंदोलनरत हैं। उनकी आवाज़ में समाजवादी अपनी आवाज मिलाते हैं और उनकी जायज़ माँग के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर खड़े हैं। ये भाजपा की चाल है कि युवाओं को सरकारी नौकरी न मिले और वो बेरोज़गार ही रहें और एक दिन सस्ते में मज़दूरों की तरह काम करने पर मजबूर हो जाएं। इससे भाजपाई मुनाफ़ाखोरों की तिजोरी भरती रहे और वो भाजपा को चंदा देतें रहें, जिसका दुरुपयोग वो चुनाव जीतने के लिए करते रहें। अब बेरोज़गार युवा भाजपा का ये चुनावी-दुष्चक्र समझ गया है और भाजपा की मंशा भी, इसीलिए वो अब चुनाव में भाजपा को हराने के लिए मुट्ठी बाँध कर संकल्प ले रहा है।

भारतीय जनता पार्टी का भविष्य और युवाओं का भविष्य, दो विरोधाभासी बातें हैं। जो भाजपा नौकरी और रोज़गार की परिभाषा में फँसाकर युवाओं और उनकी नौकरी के सपने देखनेवाले उनके माता-पिता को उलझाए रखती है, उससे कोई भी उम्मीद करना बेकार है। भाजपा के पतन में ही युवाओं का उत्थान है।

भाजपा की हार ही, युवाओं की जीत है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद नौजवानों के लिए किया ही क्या है? 2 करोड़ नौकरियों देने को वादा था, 10 लाख भी नौकरियां नहीं दी। नौजवानों को लैपटॉप देने का कहा वह वादा भी भूल गए। वाईफाई देने का वादा भी उन्हे याद नहीं रहा। आज नौजवान रोजगार के अभाव में अवसादग्रस्त होकर आत्महत्या कर रहा है। प्रदेश में कहीं नया उद्योग चालू नही हुआ है। पूंजी निवेश के बड़े-बड़े दावे हवाई साबित हुए है। नौजवान को रोजगार मिल नहीं रहा है, उन्हें उसकी तमाम नौकरियों से छंटनी हो रही है। संविदा पर काम करने वालों को न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल रहा है। उनकी सेवा में हर समय असुरक्षा रहती है। ऐसी भाजपा सरकार से जितनी जल्दी मुक्ति मिले, उतना ही अच्छा।

सपा सरकार में गौ संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया था:राजेन्द्र चौधरी

लखनऊ। गोपाष्टमी के पर्व पर कल लखनऊ में जयपाल खेड़ा की गौशाला में गायों का पूजन कर उन्हें गुड़-केला खिलाया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने गौशाला की गायों को माला पहनाई तथा उन्हें गुड़-केला खिलाया। गौशाला में 100 गाएं हैं। गोपाष्टमी पर हवन पूजन का भी कार्यक्रम हुआ जिसमें पंडित अरुण मिश्रा ने मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति दिलाई। राजेन्द्र चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में गौ हमारी संस्कृति और सभ्यता का अंग है। भगवान श्रीकृष्ण का गोपालन से विशेष सम्बन्ध रहा है। गौ के लिए परिवारों में भोजन के समय ग्रास निकालने की परंपरा रही है। समाजवादी सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गौ संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया था। गौ सेवा आयोग के गठन के साथ कामधेनु योजना का शुभारम्भ किया था। इसमें गो पालन के लिए तमाम सुविधाएं दी गई थीं। डेयरी उद्योग को भी काफी प्रोत्साहन दिया था। गौशाला, जयपालखेड़ा के संचालक अनुराग मिश्र ने गौशाला में गायों के रखरखाव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गौशाला सात बीघे क्षेत्र में फैली है। बीमार गायों के पुख्ता इलाज के लिए डाक्टर की भी व्यवस्था है। गोपाष्टमी पर्व पर गौशाला के कार्यक्रम में राजेन्द्र चौधरी के साथ मुकेश शुक्ला पूर्व महानगर अध्यक्ष, सोनू कनौजिया पूर्व प्रत्याशी, मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र, सोनू यादव पूर्व ओएसडी सीएम, एवं आदर्श सिंह एडवोकेट भी शामिल रहे। अनुराग मिश्र गांधी आश्रम, खादी भवन, हजरतगंज, लखनऊ के ट्रस्टी सचिव रहे स्वम्र रामेश्वर नाथ मिश्र के सुपुत्र हैं।

देव दीपावली पर गौ माता के गोबर से बनाए दीयों से दमकेंगे काशी के घाट

मुश्किल से 400-500 रुपए ही होती थी कमाई, अब 4 से 5 हजार तक हो रही आमदनी

लखनऊ/वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की है। इन प्रयासों से न केवल महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है, बल्कि उनके आत्मसम्मान में भी वृद्धि हो रही है। खासकर वाराणसी जिले में देव दीपावली के मौके पर गाय के गोबर से बने दीपों का निर्माण कर रही महिलाओं की सफलता इस बात का गवाह है कि कैसे योगी सरकार ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया है। देव दीपावली के मौके पर, वाराणसी के घाटों पर लाखों दीप जलाने की तैयारी हो रही है। खास बात यह है कि इन दीपों का निर्माण गाय के गोबर से किया जा रहा है और यह कार्य स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कर रही हैं। 7 स्वयं सहायता समूहों की 25 परिवारों की

महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई हैं और उनका लक्ष्य 30,000 गोबर से बने दीप तैयार करना है। पहले जहां देव दीपावली पर महिलाएं मुश्किल से 400-500 रुपये कमाती थीं, अब उन्हें इस कार्य के लिए लगभग 4,000 से 5,000 रुपये की आय हो रही है।

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अब घर-घर जाकर दीपों की बिक्री नहीं करतीं, बल्कि उन्हें पहले से ही बड़े पैमाने पर आर्डर मिलने लगे हैं। ग्राम अहरक की राधिका ने बताया कि पहले उन्हें दीपों को बेचने के लिए घर-घर जाना पड़ता था, लेकिन अब योगी सरकार के प्रयासों से उन्हें पहले से ही आर्डर मिल जाते हैं, जिससे उनकी आय में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने पैरों पर खड़ी हैं, जिसका सीधा लाभ उनके परिवारों को मिल रहा है। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और सशक्तिकरण के नए अवसर प्रदान किए हैं। इस मिशन से जुड़ी महिलाएं गाय के गोबर से बने दीपों का निर्माण कर रही हैं, और इन दीपों की बिक्री से उनकी आय में वृद्धि हो रही है। सरकार ने महिलाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए गाय के गोबर का उपयोग करके उन्हें एक स्वच्छ और पर्यावरण फ्रेंडली रोजगार का अवसर दिया है। 15 नवंबर को काशी में मनाई जाने वाली देव दीपावली में 12 लाख दीपों से घाट रोशन होंगे, जिसमें गाय के गोबर से बने दीप भी शामिल होंगे। देव दीपावली पर गाय के गोबर से बने दीपों के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जब महिलाओं को सही अवसर मिलते हैं, तो वे समाज में बदलाव ला सकती हैं। योगी सरकार के इन प्रयासों से न केवल महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि वे समाज में अपनी पहचान भी बना रही हैं।

राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भाजपा में दस हजारे नए सदस्य जोड़े

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान के तहत उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने अपने रेफरल आईडी से 10 हजार बीजेपी के सदस्य बना कर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मिले लक्ष्य को पूरा किया। इसी क्रम रविवार को राज्यमंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय माती में भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला व पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं संगठन चुनाव अधिकारी कानपुर देहात डॉ0 सतीश द्विवेदी को भाजपा के सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण फार्म सौंपा। जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला व संगठन चुनाव अधिकारी डॉ सतीश द्विवेदी ने फार्म भरवा कर सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी की। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना से विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण करवा कर प्रसन्नता की अनुभूति कर रही हूं। इस दौरान जिला प्रभारी भाजपा अशोक राजपूत, विधायक पूनम संखवार एपूर्व जिलाध्यक्ष वंशलाल कटियार, श्याम सिंह सिसौदिया, राजेश सचान, रामजी मिश्रा, शिवविलास मिश्रा, श्यामबिहारी पांडेय, श्यामू शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अक्षय नवमी के पर्व पर सौभाग्य और समृद्धि की कामना की

गुरसहायगंज, कन्नौज। अक्षय नवमी के पावन अवसर पर नगर भर में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने श्रद्धा और भक्तिपूर्वक पूजा अर्चना कर सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति के लिए कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने अपनी रचनात्मकता और पारंपरिक विधियों का पालन करते हुए व्रत रखे और आंवला बृक्ष के नीचे बैठकर विशेष रूप से देवी लक्ष्मी की पूजा की। रविवार को अक्षय नवमी के पर्व पर नगर के टीवी हॉस्पिटल, गोमती देवी आदर्श इण्टर कॉलेज सहित कई स्थानों पर महिलाओं नें व्रत रखकर अपने घर की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली के लिए संगठित होकर आंवला बृक्ष के नीचे बैठकर देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना की। इस दौरान मानस मंजरी रत्नेश द्विवेदी ने बताया कि यह दिन न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक समृद्धि और पारिवारिक खुशहाली का प्रतीक भी माना जाता है। पूजा आयोजन में महिलाओं के साथ-साथ बच्चों और अन्य परिवारजनों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के बाद सभी ने इस पर्व को एक उत्सव के रूप में मनाया।

आंवला बृक्ष के नीचे बैठकर पूजा अर्चना करती महिलायें।

द्वितीय अभियान तिथि पर जिले में सभी मतदेय स्थलों पर हुआ मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम

● एडीएम ने देखे पोलिंग बूथए अभियान की संचालित गतिविधियों का लिया जायज़ा

लखीमपुर खीरी। रविवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप्र, एवं डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देशन में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत द्वितीय अभियान तिथि पर जिले में सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों पर मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनपद स्तर पर नियुक्त सभी सेक्टर आफिसरोंए बीईओए बीडीओए ईओए नायब तहसीलदारए तहसीलदारए एसडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने मतदेय स्थलों पर भ्रमण कर बीएलओ पदाभिहित अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों के कार्यो का पर्यवेक्षण किया।

रविवार को डिप्टी डीईओ/एडीएम संजय कुमार सिंह ने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 142.लखीमपुर के विभिन्न मतदेय स्थल पीके इंटर कॉलेजए धर्मसभा इंटर कॉलेजए जीआईसीए स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेजए गॉधी विद्यालय इंटर कॉलेजए श्री गुरूनानक महाविद्यालय के विभिन्न बूथों पर बूथ लेविल अधिकारियों के कार्यो का पर्यवेक्षण करने हेतु स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय तहसीलदार सदर सुशील प्रताप सिंहए उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान एडीएम संजय कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि सभी बीएलओ को विधिवत् रूप से आयोग द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु पुन: निर्देशित किया जाये तथा स्वयं बीएलओ के कार्यो का प्रतिदिन पर्यवेक्षण किया जायेए जिससे आयोग के निर्देशानुसार निर्धारित ईपी रेशियोए जेण्डर रेशियो तथा एज को हार्ट मानक के अनुसार पूर्ण कराया जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने पीया कीटनाशक, मौत मचा कोहराम

घर के बाहर रोते विलखते परिजन व महिलाए।

फर्रुखाबाद। कोतवाली कायमगंज क्षेत्र गांव लुधईया निवासी युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना में परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल की तरफ से मेमो कोतवाली भेजा गया।

शनिवार की शाम क्षेत्र के गांव लुधईया निवासी श्याम बाबू ने खेत पर कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। खेत में काम कर रहे लोगों ने उसे अचेत अवस्था में देखा तो इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी लेकर दौड़े जहा। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों उसे लोहिया अस्पताल ले जाने वाले थे। तब तक उसने अस्पताल के बेड पर ही दम तोड़ दिया।

मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि मृतक के तीन भाई हैं मृतक भाइयों में सबसे छोटा था। मृतक के दो बच्चे दिनेश (10) व राघव (8) है। मृतक की पत्नी शारदा देवी पिता कालीचरण भाई भैया लाल व सुरेंद्र सिंह का रोग्रो कर बुरा हाल है। इधर अस्पताल की ओर से एक मेमो कोतवाली भेजा गया।

शादी में शामिल होने आ रहे भाई की व रिश्तेदार की हादसे में मौत

मृतक युवक सुमित राठौर की फाइल फोटो, रोते विलखते परिजन व रिश्तेदार तथा गांव की महिलाएं।

फर्रुखाबाद। बहन की शादी में शामिल होने आ रहे भाई की व रिश्तेदार की हादसे में मौत हो गयी। मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया। बताते है कि कायमगंज नगर के मोहल्ला बगिया मंगूलाल निवासी परमाल सिंह राठौर का 22 वर्षीय पुत्र सुमित राठौर फरीदाबाद में रहकर मजदूरी का कार्य करता था। शुक्रवार की देर शाम सुमित बहन की शादी में शामिल होने के लिए अपने बहनोई के भाई जनपद कासगंज के थाना अमापुर के ढकपुरा निवासी पिंकू से साथ बाइक से घर वापस आ रहा था। तभी अचानक सिकन्दराराऊ क्षेत्र के कासगंज रोड़ पर महमई सतावत नगर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हादसे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए।

आसपास राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची दोनों का गंभीर हालत में सीएचसी लेकर आई। जहां डॉक्टर ने पिंकू को मृत घोषित कर दिया और सुमित को प्राथमिक इलाज के बाद अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। इधर सुमित की इलाज के दौरान अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। दोनों की मौत की सूचना पर परिजनों ने कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो .रो कर बुर हाल है। हादसे में बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने दोनों के शवो को पोस्टमार्टम कराया।

मृतक के पिता परमाल ने रोते हुए बताया कि 11 नवबंर को उसकी बेटी की बारात आनी थी होनी को देखिए की जिस घर में बेटी की डोली उठनी चाहिए थी। उस घर से बेटे की अर्थी उठ रही है। इतना कह कर वह फूट फूट कर रोने लगे। वहां मौजूद नाते रिश्तेदारों ने ढाढंस बंधाया। मृतक की छरू बहने व एक छोटा भाई रोहित है। पांच बहनो की शादी हो चुकी है। छोटी बहन की शादी में शामिल होने बाइक से आ रहा था।

11 नवबंर 2024 को बहन सुमन की थी शादी

22 वर्षीय पुत्र सुमित राठौर फरीदाबाद से शुक्रवार की देर शाम सुमित बहन की शादी 11 नवबंर 2024 को थी । बहन की शादी में शामिल होने के लिए अपने बहनोई के भाई जनपद कासगंज के थाना अमापुर के ढकपुरा निवासी पिंकू से साथ बाइक से घर वापस आ रहा था। तभी अचानक सिकन्दराराऊ क्षेत्र के कासगंज रोड़ पर महमई सतावत नगर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हादसे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। इलाज के दौरान सुमित राठौर की अलीगढ़ के अस्पताल में मौत हो गई। होनी को देखिए की जिस घर में बेटी की डोली उठनी चाहिए थी। उस घर से बेटे की अर्थी उठ रही है। गांव में गमगीन माहौल है। हर किसी की आंख इस घटना को लेकर नम है। गांव में मातम सा छाया हुआ है।

सिलेंडर की आग से झुलसे युवक की मौत

राठ (हमीरपुर)। लीकेज गैस सिलेंडर में आग लगने से किसान पुत्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जरिया पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। जरिया थाने के कैनोखर गांव निवासी उचित कुमार ने बताया कि उसके पिता पास तीन बीघा जमीन है। वह तीन भाई राजू देवीसिंह है। वह व उसका सबसे छोटा भाई देवीसिंह बाहर एक कंपनी में काम रहते हैं। घर पर पिता व 50 वर्षीय भाई राजू रहते थे। 30 अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे राजू घर में गैस चूल्हे पर चाय बना रहा था। तभी लीकेज सिलेंडर में आग लग गई। आग से राजू गंभीर रूप से झुलस गया। स्वजन इलाज के लिए सीएचसी गोहांड ले गए। गोहांड से मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया। उरई से झांसी और झांसी से ग्वालियर रेफर कर दिया। बताया कि शनिवार को डॉक्टरों ने घर जाने के लिए बोल दिया। रविवार की सुबह करीब चार उसके भाई ने घर पर दम तोड़ दिया। मृतक के भाई उदित कुमार ने बताया कि राजू पिता के साथ खेती में हाथ बंटाता था। मृतक अविवाहित था। जरिया थानाध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

साड़ी थ्रेसर में फंसने से महिला की मौत

राठ (हमीरपुर)। खेत में मूंगफली की कतराई कराते समय महिला की साड़ी थ्रेसर मशीन के पंखे में फंस जाने घायल वृद्ध महिला की मेडिकल कालेज उरई में इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत स्वजनों में कोहराम मचा हुआ है। क्षेत्र के चिकासी गांव निवासी उदित राजपूत ने बताया कि शनिवार की शाम वह खेत में मूंगफली की थ्रेसर मशीन से कतराई करा रहे थे। तभी मूंगफली उठाते समय उसकी मां (70) चंदारानी की साड़ी थ्रेसर के पंखे में फंस गई थ्रेसर मशीन में साड़ी फंसने से उसकी मां का गला कस गया। तभी वहां मौजूद मजदूरों ने देखा तो उन्हें बाहर निकाला और इलाज के लिए ले गए। जहां मेडिकल कालेज उरई में इलाज दौरान उनकी मां की मौत हो गई। बताया कि उनके पिता झल्लू के नाम बीस बीघा जमीन है। मां चंदारानी हाथ बंटाती थी। रविवार को को गांव में महिला का अंतिम संस्कार किया गया।

मछली बेचने आये युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

कुरारा(हमीरपुर)। शनिवार शाम मछली बेचने मूसानगर गए युवक का शव रविवार मनकी रोड़ पर हरौलीपुर गांव के मोड़ के पास पड़ा मिला। मूसानगर से वापस आते समय किसी वाहन द्वारा टक्कर मार देने का अंदेशा लगाया जा रहा है। स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थाना क्षेत्र के बिलौटा गांव निवासी समरपाल उर्फपप्पू पुत्र छैलू निषाद उम्र करीब 42 वर्ष शनिवार शाम करीब 7 बजे यमुना नदी से मछलिया पकड़कर मूसानगर बेचने गया था। देर रात तक वापस न लौटने पर स्वजनों द्वारा खोजबीन की गई। युवक के न मिलने पर स्वजनों ने पुलिस को सूचना दी जिसपर रात में ही पुलिस ने स्वजनों को साथ लेकर युवक की खोजबीन शुरू कर दी सुबह होते होते पुलिस ने हरौलीपुर गांव मोड़ के पास युवक को मोटरसाइकिल सहित सड़क के किनारे झाड़ियो में मृत अवस्था मे पड़ा पाया। स्वजन व पुलिस शव को कुरारा सीएचसी लेकर आये जहां डॉक्टरों ने बताया कि इसकी मृत्यु कई घंटे पहले हो चुकी है। मृतक के सर व शरीर में चोट लगी हुई थी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेजा है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि घटना देखकर ऐसा लग रहा है जैसे किसी को बचाने में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर झाड़ियो में जा घुसी या फिर किसी वाहन ने उसे टक्कर मारी है। जांच की जा रही है।

दलित को धारदार हथियार से हमला कर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। विगत शुक्रवार को जमीनी विवाद को लेकर खेत में कृषि कार्य कर रहे क्षेत्र के ग्राम तहसीपुर ठठिया निवासी अमरेश दोहरे पुत्र रामदास के साथ गांव के कुलदीप कटियार एवं सुभाष कटियार ने अपने अज्ञात रिश्तेदारों के साथ मिलकर जाति सूचक गाली गलौज करते हुए धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल के भाई राजीव व अन्य लोगों द्वारा मौके पर पहुंचने पर उक्तगण जान माल की धमकी देकर मौके से चले गए। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

ग्रापए की मासिक बैठक, सदर तहसील अध्यक्ष बने अखिलेश

फतेहपुर। ग्रामीण पत्रकार एसो. जिला इकाई की मासिक बैठक जिला कार्यालय रूद्र सदन सथरियाव रोड खंभापुर में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुमुद तिवारी व संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव ने किया। बैठक में सर्वप्रथम फतेहपुर जनपद के स्थापना दिवस मनाते हुए केक काटा गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां का सक्रियता से निर्वाह करें। वरिष्ठ महामंत्री सुजान सिंह गौतम ने संगठन में लापरवाह व संवेदनहीन पदाधिकारी को हिदायत देते हुए सक्रिय रूप से कार्य करने का अनुरोध किया। वही प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत सिंह के प्रस्ताव पर सर्वसम्मत से अखिलेश कुमार को सदर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष महेश त्रिपाठी, सुरेश चंद्र विश्वकर्मा, शेखर अवस्थी, विमल सिंह चौहान, प्रवेश सिंह, रोहित अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

गणेश सिंह विद्यार्थी उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के जिला संयोजक मनोनीत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने गणेश सिंह विद्यार्थी को समिति के जनपद हमीरपुर का संयोजक मनोनीत किया है। महासचिव श्री त्रिपाठी ने विद्यार्थी जी को जनपद हमीरपुर की कार्यकारिणी का गठन करके अविलंब प्रदेश इकाई को प्रेषित करने का निर्देश दिया है। साथ ही यह आशा व्यक्त की है कि समिति के उद्देश्यों के लिए पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करेंगे। श्री विद्यार्थी जी को उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति का जिला संयोजक बनाए जाने पर जनपद के पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभ कामनाएं दी हैं। विद्यार्थी जी कई राष्ट्रीय अखवारों में काम कर चुके है। सभी लोग उनकी कलम का लोहा मानते है।

ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबने से दो लोगों की मौत, एक शाहजहांपुर रेफर

मोहम्मदी खीरी। अजवापुर चीनी मिल में गन्ना डालने जा रहे भुईहरा भट्टे के पास गन्ने से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से दो मजदूरों की मौके पर हुई मृत्युएतेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली मोटर साइकिल को बचाने के चक्कर मे बैलेंस बिगड़ गया, जिसमें ट्रैक्टर ट्राली पलट गई जिससे विनोद उर्फ नन्हे व बैठे उसके साथी ट्रॉली के नीचे दब गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से निकाला गया व एंबुलेंस से सीएचसी मोहम्मदी भेजा गया जहां अशोक पुत्र सुखपाल व निवास पुत्र सतेंद्र को डॉक्टर द्वारा मृतक घोषित कर दिया गया, विनोद उर्फनन्हें को शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया, सभी गांव भुइयरा के निवासी है व अन्य सभी का इलाज सीएचसी मोहम्मदी में चल रहा है, पुलिस ने मृतकों के पंचायतनामा की कार्यवाही करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, घटना की जानकारी मिलने से परिवार बालो का रो रोकर बुरा हाल है।

स्वतंत्रता सेनानी गोपाल गुप्त की पुण्यतिथि पर नमन

सेनानी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते लोग।

गुरसहायगंज, कन्नौज। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और नगर के पूर्व प्रधान श्री गोपाल गुप्त की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें उनके जीवन और संघर्षो को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया और उनकी अनमोल सेवाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में दोनों जनपदों के जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों सहित समाजसेवियों ने भाग लिया।

रविवार को नगर के मोहल्ला गोपालनगर स्थित भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेन्द्र देव के प्रतिष्ठान पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में स्वतंत्रा संग्राम सैनानी श्री गोपाल गुप्त के चित्र पर पुष्प अर्पित करनें के उपरान्त वरिष्ठ भाजपा नेता शुम्भूदयाल गुप्ता ने कहा कि श्री गोपाल गुप्त भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन सेनानियों में शामिल थे जिन्होंने अपने साहस, संघर्ष और निष्ठा से देश की स्वतंत्रता के लिए अहम योगदान दिया। राज्यमंत्री असीम अरूण ने कहा कि स्वर्गीय दादा जी न केवल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, बल्कि एक सशक्त समाज सुधारक भी थे जिन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई थी। पूर्व राज्यमंत्री अर्चना पांडेय ने कहा कि उन्होंने समाज के निचले तबकों के लिए काम किया और उनकी जिंदगी में सेवा की भावना प्रमुख रही। वहीं भोजपुर विधायक नागेन्द्र सिंह राठौर, नरेन्द्र राजपूत, ब्लाक प्रमुख राजीव सिंह, सन्दीप चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य, राजीव दुबे, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता, कांग्रेस नेत्री उषा दुबे, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुभाष चंद्र दुबे, राम वीर कठेरिया, जीतू तिवारी, राजीव ठाकुर, चेयरमैन प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, संजीव गुप्ता उर्फ संजू आदि वक्ताओं ने श्री गोपाल गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि श्री गोपाल गुप्त की पुण्यतिथि न केवल उनके योगदान को याद करने का अवसर है, बल्कि यह हमें अपने देश के लिए उनके किए गए त्याग और बलिदान को समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र कौशल, अमरदीप मिश्रा, एडवोकेट पीयूष चतुर्वेदी, अजीत सिंह वर्मा, शैलेन्द्र द्विवेदी, सभासद विपिन चौरसिया, कपिल यादव, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना हमारी संस्कृति एवं हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा हैः लोकेन्द्र प्रताप सिंह

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्री धर्मादा समिति गौशाला के सप्तदिवसीय सोलहवें गोपाष्टमी महोत्सव समापन समारोह में मुख्य अतिथि सभापति पंचायती राज/ मोहमदी विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी गोला विनोद कुमार गुप्ता, पुलिस क्षेत्राधिकारी गवरेनद्र गौतम, बार एसो. गोला अध्यक्ष राकेश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष भाजपा विनोद वर्मा, गौ सेवक सी पी श्रीवास्तव, भाजपा नेत्री डाण् प्रीति वर्मा ए समीक्ष गुप्ता नगर उपाध्यक्ष लखीमपुर तथा कार्यक्रम अध्यक्ष राम सेवक शुक्ला ने हवन एवं गौ पूजन कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया गया। सोलहवें महोत्सव महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। सम्मान समारोह की श्रृंखला में विजय शुक्ला रिंकू ने सप्तदिवसीय महोत्सव में सहयोग करने वाले सामाजिक संगठनों के प्रमुखों पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद विभिन्न विद्यालय के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि लोकेन्द्र प्रताप सिंह सभापति पंचायती राज एवं विधायक मोहमदी ने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिन: की भावना हमारी संस्कृति एवं हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है भारत प्रचीन काल से ही सबके कल्याण की कामना करता है, गौ सेवा एवं संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है।

सोलहवें गोपाष्टमी महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने सभी अतिथियों एसहयोगी संगठनों के साथ आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गौ सेवा करना सभी का कर्त्तव्य हैए यथाशक्ति एसामर्थ्य एवं पूर्ण मनोयोग से करना चाहिए। गौ माता सभी मनोरथ पूर्ण करती है।

महापुरुषों की मूर्ति स्थलों पर हुआ दीपोत्सव, निकाली रैली

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में जनपद के 198 वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी चौराहों में स्थापित महापुरुषों की मूर्तियों में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किए गए। साथ ही डॉ. अनुराग द्वारा अपने सभी आजीवन सदस्यों के साथ पटेल नगर चौराहे से जनपद के स्थापना दिवस हेतु सभी नागरिकों को जागरूक कर दीपोत्सव की तरह घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में दीप प्रज्वलित करने के लिए रैली निकालकर निवेदन किया गया। सभी सदस्य जब तक सूरज चांद रहेगा फ़तेहपुर तेरा नाम रहेगा, फ़तेहपुर जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी, सुभाष चंद्र बोस, श्याम लाल पार्षद, लाल बहादुर शास्त्री, गणेश शंकर विद्यार्थी जी की प्रतिमाओं में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किए गए।इस अवसर पर आजीवन सदस्य संजय श्रीवास्तव, सर्वेश गुप्ता, सुरेश श्रीवास्तव, रामप्रकाश मौर्य, सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, मनीष यादव, के.के. सिंह, चौतन्य कुमार, अतुल गुप्ता, शाहनूर आलम, मिथुन कुमार, विभा मिश्रा, अजय कुमार जैन, मनोज कुमार गुप्ता, रामबाबू गुप्ता, श्रवण कुमार गुप्ता, विनय कुमार, प्रवीण प्रसून श्रीवास्तव, प्रशांत पाटिल, अंगद सिंह चन्देल उपस्थित रहे।

इसी कड़ी में रेडक्रॉस सोसाइटी व डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में रविवार को चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने फ़तेहपुर स्थापना के 198 वर्ष पूर्ण होने पर आकूपुर अजगवाँ में स्थापना दिवस केक काटकर मनाया। गांव में बच्चों द्वारा पूरे उत्साह के साथ गुब्बारे फुलाये। सभी बच्चों ने उत्साह के साथ देशभक्ति के गीतों पर नृत्य कर एवं गीत सुनाकर स्थापना दिवस मनाया तत्पश्चात डॉ अनुराग ने फ़तेहपुर के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। सभी बच्चों को बिस्कुट, टॉफी, केक, गुब्बारे इत्यादि वितरित किया गया।

पूर्णाहुति के साथ रूरा की प्रसिद्ध विष्णु महायज्ञ के 30 वें वार्षिकोत्सव का समापन

व्यास मनोज मिश्र दाऊ जी का माल्यार्पण कर सम्मान करते युवा उद्यमी अविनाश ओमर

रूरा, कानपुर देहात। जनपद के प्रमुख धार्मिक कार्यक्रमों में शुमार किये जाने वाले श्री विष्णु महायज्ञ एवॅ विशाल मानस सॅगीत सम्मेलन के 30 वें वार्षिकोत्सव का भव्य व दिव्य समापन पूर्णाहुति व कथा विश्राम के साथ किया गया। आज विशाल भण्डारे का आयोजन किया जायेगा। कथा विश्राम के अवसर पर यज्ञाचार्य पं. उमाशॅकर तिवारी जी व उनके सहयोगी आचार्यों, व्यास पीठ पर मौजूद बनारस के पं. मनोज मिश्रा जी व महाभारती विजय कौशल, सॅचालक जगदीश नारायण शुक्ला जनक जी व पत्रकारों का सम्मान युवा उद्यमी व चैयरमैन रामजी गुप्ता के भतीजे अविनाश ओमर ने भगवान राम के परिवार व नवनिर्मित भव्य राममॅदिर से युक्त चित्र भेंट किया, अविनाश ओमर ने अॅगवस्त्र के साथ माला पहना कर आगुन्तक विद्वानों से आर्शीवाद ग्रहण किया।

कस्बे के थाना ग्राउण्ड में कई वर्षों से श्री विष्णु महायज्ञ, विशाल मानस सॅगीत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 30वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशाल कलश यात्रा के साथ 3 नवम्बर को इस धार्मिक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया था, रविवार को यज्ञाचार्य पं0 उमाशॅकर तिवारी जी व उनके सहयोगी आचार्यों ने यज्ञजजमान सहित समिति व आस्थावान नगरवासियों व क्षेत्रीय लोगों की उपस्थिति में यज्ञशाला में पूर्णाहुति प्रदान की गयी। पूर्णाहुति के बाद महाआरती का आयोजन किया गया। इसी बीच भागवत मॅच से अमृतमयी व मोक्षदायिनी श्रीमदभागवत कथा का रसपान ददरौआ धाम भिण्ड के पवन मिश्रा जी द्वारा उपस्थिति भक्तों को कराया गया।

महाभारत की कथा विजय कौशल द्वारा सॅगीतमयी शैली में सुनायी गयी, रामचरित मानस की कथा के ओजस्वी व प्रखर वक्ता बनारस के पं0 मनोज मिश्रा जी द्वारा अपनी सारगर्भित व धाराप्रवाह शैली के माध्यम से मानस के प्रसॅगों का वर्णन किया गया। युवा उद्यमी व चैयरमैन रामजी गुप्ता के भतीजे अविनाश ओमर द्वारा भागवत मॅच पर यज्ञाचार्य उमाशॅकर तिवारी जी व उनके सहयोगी आचार्यों सहित महाभारती विजय कौशल, रामचरित मानस के प्रखर वक्ता बनारस के मनोज मिश्र, दाऊ जी, पत्रकारों गोल्डन द्विवेदी, अशोक मिश्रा, अनुज पाण्डेय सहित अन्य पत्रकारों का सम्मान किया गया।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 11 नवंबर, 2024

कांग्रेस का शाही परिवार एसटी, एससी और ओबीसी की एकता को तोड़ने पर तुला :मोदी

गुमला (झारखंड)। (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसका शाही परिवार अपने नापाक मंसूबों के तहत आरक्षण छीनने के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की एकता को तोड़ने पर तुला हुआ है।गुमला में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन पर खनिज, जंगल, रेत और कोयले जैसे राज्य के समृद्ध संसाधनों को लूटने का आरोप लगाया और दावा किया कि इससे रोटी, माटी और बेटी पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार पर घुसपैठियों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस जानती है कि यदि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग एक हो गए तो वे पार्टी के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर देंगे। यही कारण है कि कांग्रेस का शाही परिवार उनकी एकता तोड़ने पर आमादा है... वे आरक्षण छीनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस एक आदिवासी समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रही है... आदिवासी समाज की ताकत को तोड़ने के एजेंडे के साथ वह उरांव के खिलाफ मुंडा, खारिया के खिलाफ लोहरा, कोरवा के खिलाफ खरवार आदि को लड़ा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उच्च पदों पर आदिवासियों को बर्दाश्त नहीं कर सकती, यही कारण है कि उसने राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू का विरोध किया और उनका अपमान करना जारी रखे हुए है। उन्होंने इस क्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का भी उल्लेख किया और कहा कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस आदिवासी नेता का अपमान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी गौरव को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और बिरसा मुंडा के सम्मान में 15 नवंबर से देशभर में एक साल तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जाएगा।महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थान खूंटी के उलिहातू का दौरा करने वाले पहले प्रधानमंत्री होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मोदी उनकी पूजा करता हैं जिन्हें दूसरे खारिज कर देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान के तहत पूरे भारत में 60,000 से अधिक आदिवासी गांवों को 80,000 रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा।

मोदी ने यह भी वादा किया कि जिन लोगों ने झारखंड के संसाधनों को लूटा और यहां के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाएगा।झामुमो नीत सरकार पर झारखंड की जमीन, नदियां और पहाड़ बेचकर रेत की तस्करी कर करोड़ों रुपए कमाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, जिन लोगों ने जनता का पैसा लूटा है वे अपना जीवन जेल में बिताएंगे, उन्हें पैसा लौटाना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि गठबंधन के नेता न केवल संसाधनों को लूट रहे हैं, बल्कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए रिश्वत भी ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि ऐसे लोगों को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा कि तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि रागी की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा और यह झारखंड के किसानों के लिए अवसर और समृद्धि लाएगा।उन्होंने कहा, यह मोदी की गारंटी है कि भाजपा के घोषणापत्र में गोगो दीदी योजना (हर महीने महिलाओं को 2,100 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने का) सहित सभी वादों को पूरा किया जाएगा।

रांची में प्रधानमंत्री का मेगा रोड शो

रांची।(भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी राज्य झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को तीन किलोमीटर के मेगा रोड शो में हिस्सा लिया। इस दौरान उनकी एक झलक पाने के लिए हजारों लोग सड़क किनारे खड़े देखे गए। फूलों और कटआउट से सजे भगवा रंग के खुले वाहन में सवार प्रधानमंत्री ने भीड़ की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। प्रधानमंत्री को देखकर भीड़ मोदी जिंदाबाद नारे लगाती दिखी। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने अपने मोबाइल फोन में रोड शो की झलकियों को कैद कर अपना उत्साह जाहिर किया। पिछले छह माह में प्रधानमंत्री का यह दूसरा रोड शो था।

कड़े सुरक्षा इंतजाम और भारी पुलिसबलों की तैनाती के बीच यह रोड शो ओटीसी ग्राउंड से शुरू हुआ जो न्यू मार्केट चौक पर समाप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने कहा, रोड शो की शुरुआत में, लगभग 501 ब्राह्मणों ने जीत के संकल्प के साथ शंखनाद किया। जब प्रधानमंत्री भीड़ की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे तो उस समय केंद्रीय मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ, रांची के उम्मीदवार सीपी सिंह और हटिया के भाजपा उम्मीदवार नवीन जायसवाल उनकी बगल में बैठे देखे गए। रातू रोड इलाके में लोग अपने घरों की छतों पर खुशी से चिल्लाते और अपने नेता की एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की करते हुए देखे गए। इसके साथ ही आदिवासी लोगों ने बैंड पार्टियों के साथ सड़क पर संगीत वाद्ययंत्र बजाए। बहुत से लोग भाजपा के झंडे थामे हुए थे। कई जगहों पर महिलाएं केसरियां रंग की साड़ी पहने दिखीं और उन्होंने कमल का बैज लगाया हुआ था। कई महिलाओं ने दीप जलाए, शंख बजाए, प्रधानमंत्री के लिए आरती की तथा अपने घरों को रंगीन बल्ब, फूलों और दीयों से सजाया। कई महिलाएं प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लिखी तख्तियां और बैनर लेकर खड़ी थीं जबकि अन्य ने मंदिर की तस्वीरों के साथ अयोध्या राम मंदिर की प्रतिकृतियां पकड़ी हुई थीं। भाजपा नेता ने कहा, रोड शो के मद्देनजर कई महिलाओं ने उपवास रखा। रातू की 44 वर्षीय रेखा देवी ने कहा, मैंने आज इस रैली के लिए उपवास रखा। मैं अपने नेता की एक झलक पाने के बाद उपवास तोडूंगी। उन्होंने महिलाओं के हितों के लिए बहुत काम किए हैं। रांची के संजय सिंह ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि झारखंड में भाजपा सत्ता में आएगी।विवेक ने कहा, जब मैंने रातू रोड पर प्रधानमंत्री मोदी को देखा तो मुझे अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं हुआ और यह मेरे के लिए हमेशा यादगार रहेगा। रोड शो से पहले प्रधानमंत्री ने दो रैलियों को संबोधित किया जिनमें एक बोकारो और दूसरी गुमला में हुई। रैलियों में उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास का वादा किया और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार पर भ्रष्टाचार, लूट और लोगों पर अत्याचार के आरोप लगाते हुए निशाना साधा। रोड शो के मद्देनजर रांची में सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गई है। साथ ही, अपराह्न दो बजे से रात आठ बजे तक राज्य की राजधानी में सभी छोटे और बड़े मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।

भाजपा नफरत फैला रही, झारखंड विधानसभा चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है : तेजस्वी

चतरा (झारखंड)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को भाजपा पर समाज में नफरत फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार बनेगी, जबकि अगले साल बिहार में राजद नीत गठबंधन सत्ता में आएगा। चतरा जिले के हंटरगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया, भाजपा समाज में नफरत फैलाती है और जनादेश का अपमान करती है। झारखंड में यह चुनाव देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों ने 2019 में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को वोट दिया था, लेकिन भाजपा ने सरकार गिराने की साजिश रची। राजद नेता ने दावा किया, जब वे सफल नहीं हुए, तो उन्होंने आदिवासी समुदाय से आने वाले सोरेन को जेल में डाल दिया। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा विधायकों को खरीदने का प्रयास करती है। जो लोग बिकना नहीं चाहते, उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के माध्यम से धमकाया जाता है। बिहार में, उन्होंने (भाजपा ने) हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त

नई दिल्ली।(भाषा) न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ का भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में कार्यकाल रविवार को पूरा हो गया। दो साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले दिए और महत्वपूर्ण सुधार किए तथा भारतीय न्यायिक इतिहास में एक अनूठी विरासत स्थापित की। उन्होंने अयोध्या भूमि विवाद, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और सहमति से बनाए गए समलैंगिक यौन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने जैसे कई ऐतिहासिक फैसले दिए जिन्होंने समाज और राजनीति को आकार दिया। वह उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अपने आठ साल के कार्यकाल के दौरान 38 संविधान पीठों का हिस्सा रहे। उच्चतम न्यायालय में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 500 से अधिक फैसले सुनाए, जिनमें से कुछ का समाज और कानूनी क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ा। भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को कई सारगर्भित बयानों के लिए भी जाना जाता है। न केवल न्यायिक पक्ष में बल्कि प्रशासनिक पक्ष में भी सीजेआई चंद्रचूड़ ने न्यायपालिका में विभिन्न सुधारों का नेतृत्व करते हुए अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने न्यायालयों को आम आदमी के लिए सुलभ और दिव्यांगों के अनुकूल बनाने को लेकर उच्चतम न्यायालय के सुगमता ऑडिट का आदेश दिया। चंद्रचूड़ की विरासत का एक भौतिक स्वरूप भी है-एक नई कल्पना के अनुरूप न्याय की देवी। पहले, न्याय की देवी यूनानी परिधान में हुआ करती थी, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी थी। उसकी जगह छह फुट ऊंची नई प्रतिमा स्थापित की गई, जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार की जगह संविधान है। साड़ी पहनी हुई न्याय की देवी की नई प्रतिमा के सिर पर मुकुट है और आंखों पर पट्टी नहीं बंधी हुई है। उन्होंने न्यायालय के ग्रीष्मकालीन अवकाश को आंशिक न्यायालय कार्य दिवस के रूप में नया नाम दिया। ग्रीष्मकालीन अवकाश की इस बात को लेकर आलोचना की जा रही थी कि शीर्ष अदालत के न्यायाधीश लंबी छुट्टी पर रहते हैं। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश के पिता वाई वी चंद्रचूड़ भी प्रधान न्यायाधीश (1978 से 1985) रहे थे, जो इस पद पर सबसे लंबा कार्यकाल था। यह उच्चतम न्यायालय में सर्वोच्च पद पर पिता और पुत्र के आसीन रहने का एकमात्र उदाहरण है।

दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज एवं दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कैंपस लॉ सेंटर से पढ़ाई करने वाले तथा फिर हार्वर्ड लॉ स्कूल से एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डी वाई चंद्रचूड़ नौ नवंबर 2022 को प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। उनके द्वारा लिखे गए फैसलों की फेहरिस्त लंबी है और इसमें कानून के लगभग सभी पहलू शामिल हैं। उनके द्वारा सुनाए गए फैसलों में व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा और न्याय प्रदान करने के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता स्थापित करना, निजता को शामिल करने के लिए मौलिक अधिकारों के दायरे का विस्तार करना और चुनावी बॉण्ड योजना को अमान्य करना शामिल है।

वह पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा सुनाए गए उस ऐतिहासिक फैसले का हिस्सा थे, जिसने पैसिव यूथेंसिया के लिए, असाध्य रोगों से पीड़ित मरीज द्वारा तैयार लिविंग विल को मान्यता दी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कई संविधान पीठों का हिस्सा रहे और उन्होंने अयोध्या भूमि विवाद सहित कई ऐतिहासिक फैसले लिखे। उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में, 2019 में आया सर्वसम्मति वाला फैसला लिखा था। अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में (निवर्तमान) प्रधान न्यायाधीश ने एक सार्वजनिक समारोह में यह कहकर एक और विवाद खड़ा कर दिया कि वह ध्रुवीकरण विवाद के समाधान के लिए देवता से प्रार्थना करते हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का आरोपी बहराइच के नानपारा से गिरफ्तार चार अन्य भी पकड़े गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और मुंबई अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में कथित मुख्य शूटर और चार अन्य को बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार कर लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बाबा सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर 12 अक्टूबर की रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उप्र पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था व एसटीएफ) अमिताभ यश ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शूटर शिवकुमार को एसटीएफ उत्तर प्रदेश व मुंबई अपराध शाखा की संयुक्त कार्यवाही में आज बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार किया गया है। यश ने बताया कि अभियुक्त शिवकुमार नेपाल भागने की फिराक में था। एडीजी यश ने बताया कि शिवकुमार को शरण देने व नेपाल भागने में मदद करने के आरोप में अनुराग कश्यप, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, आकाश श्रीवास्तव व अखिलेंद्र प्रताप सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि उन्होंने सिद्दीकी की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश से शूटर और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया है तथा तीनों को मुंबई लाया जा रहा है।

उप्र में कांवड़ मार्ग के निर्माण के लिए 17,600 पेड़ काटे गए: समिति ने एनजीटी से कहा

नई दिल्ली। (भाषा) राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को एक तथ्यान्वेषी समिति द्वारा सूचित किया गया है कि आगामी कांवड़ यात्रा मार्ग बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के तीन जिलों में 17,600 से अधिक पेड़ काटे गए हैं। अधिकरण गाजियाबाद के मुरादनगर और मुजफ्फरनगर के पुरकाजी के बीच प्रस्तावित मार्ग के लिए गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर के तीन वन प्रभागों के संरक्षित वन क्षेत्र में एक लाख से अधिक पेड़ों और झाड़ियों की कथित कटाई से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रहा है। छह नवंबर को दिए गए आदेश में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि तथ्यों का पता लगाने के लिए पहले गठित एक संयुक्त समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंप दी है। समिति में भारतीय वन सर्वेक्षण के निदेशक, केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक, राज्य के मुख्य सचिव या उनके प्रतिनिधि और मेरठ के जिलाधिकारी शामिल थे। पीठ ने कहा, अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंचाई विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नौ अगस्त, 2024 तक तीनों जिलों में 17,607 पेड़ काटे जा चुके हैं। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल हैं। अधिकरण ने कहा कि।,12,722 पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में केवल 33,776 पेड़ों को काटने का निर्णय लिया गया। इसने कहा, उत्तर प्रदेश राज्य को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया जाता है कि काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या की गणना क्या उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार की गई है। अधिकरण ने राज्य के पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को दो सप्ताह के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें मार्ग के निर्माण के दौरान काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या बताई जाए। उसने कहा कि यह भी स्पष्ट किया जाए कि क्या पेड़ों की कटाई 15 से 20 मीटर की चौड़ाई से अधिक दायरे में की गई है और यदि हां, तो इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति कौन है। अधिकरण ने कहा, सार्वजनिक परियोजना से संबंधित मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, संयुक्त समिति से अपेक्षा की जाती है कि वह निर्देशानुसार, शीघ्रता से कार्य पूरा करे और बिना किसी देरी के अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करे। धिकरण ने नहरों के दोनों ओर काटे गए पेड़ों की सीमा का पता लगाने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण करने के बारे में 16 अक्टूबर को महासर्वेक्षक के पहले के बयान का भी उल्लेख किया। हालांकि, इसने कहा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट से वह जानकारी एकत्र नहीं की जा सकती। इसलिए, हम महासर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग को वर्ष 2024 (अक्टूबर 2024 तक) के लिए विचाराधीन खंडों की उपग्रह तस्वीर प्राप्त करने और विचाराधीन खंडों में 2023 में मौजूद पेड़ों और अक्टूबर 2024 तक काटे गए पेड़ों की तुलनात्मक स्थिति दिखाते हुए एक नई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हैं।

एक साल के एरियर के साथ दिया जाए नोशनल इंक्रीमेंट: ट्रिब्यूनल

प्रयागराज। केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल प्रयागराज ने याची को एक साल का नोशनल इंक्रीमेंट एक जुलाई को मिलने वाले वेतन वृद्धि देने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव जोशी ने फर्रुखाबाद निवासी सत्यराम और अलीगढ़ निवासी सतीश बाबू के वादों को स्वीकार करते हुए दिया है। सत्य राम 30 जून 2009 को और सतीश बाबू 30 जून 2020 को रेलवे से सेवानिवृत्त हुए। इस दौरान दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों को एक जुलाई को मिलने वाले वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। संबंधित अधिकारियों के समक्ष अभ्यावेदन देकर वेतन वृद्धि व ब्याज सहित बकाया राशि भुगतान करने की मांग रखी। इस पर कोई विचार न किए जाने पर केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल में वाद दाखिल किया। याची अधिवक्ता शशिधर द्विवेदी ने न्यायिक फैसलों के हवाले के साथ बहस की है कि याची एक वेतन वृद्धि ब्याज सहित बकाया राशि पाने का हकदार है। केंद्र सरकार के अधिवक्ता चक्रपाणि वास्त्यायन ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी किया है। जिसके तहत एक साल की वेतन वृद्धि दी जाएगी।

निजी हित साधने को दाखिल जनहित याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निजी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग में दाखिल याचिका खारिज होने के बाद सोसायटी के नाम उसी समान जनहित पयाचिका दाखिल करने को प्रक्रिया का दुरूपयोग करार दिया है और याची सोसायटी की जनहित याचिका 25 हजार रुपए हर्जाने के साथ खारिज कर दी है और हर्जाना राशि चार हफ्ते में महानिबंधक कार्यालय में जमा न करने की दशा में वसूली कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने संपूर्ण जन कल्याण समिति की जनहित याचिका पर दिया है।

पेज 1 का शेष

बांग्लादेश...

एजेंसियों के लिए एक वैश्विक अनुरोध है कि वे प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्रवाई के लंबित रहने तक व्यक्ति का पता लगाएं और उसे अस्थाई रूप से गिरफ्तार करें। इंटरपोल के सदस्य देश अपने राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार रेड नोटिस लागू करते हैं। आईसीटी का गठन मूल रूप से हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों के अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए मार्च 2010 में किया था। बाद में इसने आईसीटी-2 का गठन किया और दोनों न्यायाधिकरणों के निर्णयों के बाद कम से कम छह जमात-ए-इस्लामी और हसीना की कट्टर प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया की बीएनपी पार्टी के नेताओं को फांसी दी गई। इसके अध्यक्ष के सेवानिवृत्त होने के बाद जून के मध्य से न्यायाधिकरण निष्क्रिय हो गया। अंतरिम सरकार ने 12 अक्टूबर को न्यायाधिकरण का पुनर्गठन किया।

जस्टिस...

और उन्हें शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, वकीलों और कर्मचारियों द्वारा शानदार विदाई दी गई। यह न्यायमूर्ति खन्ना की अगुवाई वाली पीठ थी, जिसने पहली बार, तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल को आबकारी नीति घोटाला मामलों में लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए 1 जून तक अंतरिम जमानत दी थी। 14 मई, 1960 को जन्मे, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर में कानून की पढ़ाई की। उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में नामांकन कराया और शुरुआत में यहां तीस हजारी परिसर में जिला न्यायालयों और बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय में अभ्यास किया। उन्होंने आयकर विभाग के वरिष्ठ स्थायी वकील के रूप में लंबा कार्यकाल बिताया। 2004 में, उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए स्थायी वकील (सिविल) के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अतिरिक्त सरकारी अभियोजक और न्यायमित्र के रूप में भी कई आपराधिक मामलों में बहस की थी।

वक्फ..

पैनल की रिपोर्ट सौंपने की कोई 'तत्काल आवश्यकता' नहीं है। विपक्षी सदस्यों ने बिरला को लिखे अपने पत्रों में दौरे पर निराशा और आश्चर्य व्यक्त किया है, उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में उनकी बैठक में केवल पांच सदस्य थे, जो कि कोरम से भी बहुत कम है। उन्होंने दौरे का बहिष्कार किया है। सूत्रों ने बताया कि स्पीकर को पत्र लिखने वालों में डीएमके के ए राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और टीएमसी के कल्याण बनर्जी शामिल हैं। पाल ने कहा कि समिति के अध्यक्ष के रूप में वह विपक्षी सांसदों के बहिष्कार के बारे में अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं, जो दक्षिणी राज्यों में इसके पहले के अध्ययन दौरे का हिस्सा थे, उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य अधिकतम हितधारकों के विचारों को दर्ज करना है, क्योंकि उनमें से कई दिल्ली नहीं आ सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को लिखे अपने पत्र में कहा कि उनसे मिलने के बाद उन्हें विश्वास हो गया कि समिति की बैठकें अब सप्ताह में एक दिन या पखवाड़े में लगातार दो दिन होंगी, ताकि उन्हें इसकी बैठकों में प्रस्तुत किए गए सुझावों को तैयार करने और उनका अध्ययन करने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद की एक किरण मिली है कि उनकी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। हालांकि, पाल ने उनके निराशा और आश्चर्य के बावजूद दौरा जारी रखा। यह तीसरा समन्वित संचार है जो इन सांसदों ने बिरला को भेजा है, जिसमें पाल के कामकाज के तरीके को निशाना बनाया गया है। 9 नवंबर को विपक्षी सांसदों द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है, 'हम यह बताना चाहते हैं कि जेपीसी के अध्यक्ष ने संवैधानिक नैतिकता और सुस्थापित संसदीय प्रथाओं का पूर्ण उल्लंघन करते हुए कार्यवाही को मजाक में बदल दिया है।' विपक्षी सांसदों के आरोप पर निराशा व्यक्त करते हुए पाल ने दावा किया कि उनसे बड़ा कोई लोकतंत्रवादी नहीं है क्योंकि उन्होंने बताया कि उन्होंने बार-बार उन्हें अपनी बैठकों में जितने मुद्दे उठाने और जितने सवाल पूछने की अनुमति दी है, उतनी ही अनुमति दी है। उन्होंने कहा, असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम) से पूछिए, जो बहुत तैयारी के साथ समिति की बैठकों में भाग लेते हैं। मैंने हमेशा उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी है। या फिर चाहे वह सैयद नसीर हुसैन (कांग्रेस) हों या कल्याण बनर्जी (टीएमसी)। अध्ययन दौरे का बहिष्कार करने का कोई मतलब नहीं है, जिसमें हम केवल हितधारकों के विचारों को दर्ज करते हैं।

कहीं दाढ़ी..

ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. राजन्ना ने कहा कि छात्रों द्वारा कॉलेज प्रबंधन के निर्देशों का पालन करने के लिए सहमत होने के बाद यह मुद्दा सौहार्दपूर्ण ढंग से हल हो गया। कॉलेज में लगभग 40 कश्मीरी छात्र हैं जिन्होंने आरोप लगाया कि वे 'महत्वपूर्ण चुनौतियों' का सामना कर रहे हैं। उन्होंने श्रीनगर स्थित जम्मू-कश्मीर छात्र संघ को अपनी चिंताओं से अवगत कराया। संघ ने कहा, 'यह हमारे संज्ञान में आया है कि कॉलेज में दो दर्जन से अधिक कश्मीरी छात्र अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति से संबंधित प्रतिबंधात्मक नीतियों के कारण महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।' एसोसिएशन ने सीएम को लिखा कि कॉलेज प्रशासन कथित तौर पर कश्मीरी छात्रों को कॉलेज की गतिविधियों में भाग लेने या परिसर में प्रवेश करने से पहले अपनी दाढ़ी को 01 ट्रिमर लंबाई तक छोटा करने या साफ-सुथरा होने के लिए मजबूर कर रहा है, खासकर नैदानिक कार्यों के लिए। जिन छात्रों की दाढ़ी है, उन्हें नैदानिक कार्यों के दौरान अनुपस्थित चिह्नित किया जा रहा है, जिससे उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड और उपस्थिति प्रभावित हो रही है। इसमें कहा गया है, किसी भी छात्र को इस तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए या शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपनी मान्यताओं और प्रथाओं से समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। इस तरह की हरकतें न केवल इन छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि भय और बहिष्कार का माहौल भी बनाती हैं, जो शिक्षा और लोकतंत्र की भावना के लिए हानिकारक है। हालांकि, डॉ. राजन्ना ने एसोसिएशन के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, इन छात्रों ने गंदे कपड़े पहनने और लंबी दाढ़ी रखने के बारे में दिए गए निर्देश को गलत समझा है। नैदानिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें अपने कपड़े साफ रखने और दाढ़ी को ट्रिम करने का निर्देश दिया गया था। राजन्ना ने कहा कि जब उन्हें इस मुद्दे के बारे में पता चला, तो उन्होंने छात्रों से चर्चा की, जो बाद में साफ-सुथरे कपड़े पहनकर आने, समय पर आने और दाढ़ी को ट्रिम रखने के लिए सहमत हुए। उन्होंने बताया, अब यह मुद्दा सुलझ गया है।

48 लाख..

सेवा क्षेत्र में, व्यय संभवत: बैंक्वेट हॉल, होटल और आयोजन स्थल (पांच प्रतिशत), इवेंट मैनेजमेंट (तीन प्रतिशत), टेंट सजावट (10 प्रतिशत), खानपान सेवाएं (10 प्रतिशत), फूलों की सजावट (चार प्रतिशत), परिवहन और कैब सेवाएं (तीन प्रतिशत), फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी (दो प्रतिशत), ऑर्केस्ट्रा और संगीत (तीन प्रतिशत), प्रकाश और ध्वनि (तीन प्रतिशत), और अन्य सेवाओं (सात प्रतिशत) पर जाएगा। निवेश बैंकिंग और पूंजी बाजार फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विवाह उद्योग 130 अरब अमेरिकी डॉलर का है और खाद्य और किराने के सामान के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक औसत भारतीय परिवार एक शादी पर 12 लाख रुपये खर्च करता है, जो उनकी वार्षिक आय चार लाख रुपये से तीन गुना अधिक है। इसके विपरीत, वे अपने बच्चे की 18 साल की शिक्षा (प्रीस्कूल से ग्रेजुएशन तक) पर केवल 6 लाख रुपये खर्च करते हैं। शादी के खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा आभूषणों पर जाता है, जो लगभग 25 फीसदी है, इसके बाद खानपान पर 20 फीसदी और आयोजनों पर 15 फीसदी खर्च होता है। कैट की वेद एवं आध्यात्मिक समिति के संयोजक आचार्य दुर्गेश तारे के अनुसार, इस सीजन के लिए शुभ तिथियां 12, 13, 17, 18, 22, 23, 25, 26, 28 और 29 नवंबर तथा 4, 5, 9, 10, 11, 14, 15 और 16 दिसंबर को हैं। इस अवधि के बाद, सीजन के फिर से शुरू होने से पहले जनवरी के मध्य से मार्च 2025 तक लगभग एक महीने का विराम रहेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विवाह उद्योग कैटरर्स, डेकोरेटर, फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर, मेकअप आर्टिस्ट, वेडिंग प्लानर और संगीतकारों सहित लगभग 1 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। खंडेलवाल ने कहा कि अध्ययन ने उपभोक्ता खरीद व्यवहार में बदलाव को भी उजागर किया है, जिसमें लोग विदेशी वस्तुओं की तुलना में भारतीय उत्पादों को अधिक पसंद कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' विजन की सफलता को दर्शाता है।

बाला साहेब और सावरकर का अपमान करने वालों का साथ दे रहे हैं उद्धवः शाह

भाषा। मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे उस कांग्रेस का साथ दे रहे हैं जिसके नेताओं ने बालासाहेब ठाकरे और हिंदुत्व के विचारधारा वाले विचारक वीर सावरकर का अपमान किया है। शाह ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद यह बात कही। शाह ने कहा कि उनकी पार्टी देश में धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) (जिसमें शिवसेना, कांग्रेस और शरद पवार की राकांपा शामिल है) की कोई विश्वसनीयता नहीं है। उन्होंने कहा, महा विकास आघाडी का भरोसा पाताल से नीचे चला गया है। इसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। शाह ने कहा कि महायुति (जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राकांपा शामिल है) को एमवीए से चुनौती मिल रही है। एमवीए के वादे विचारधारा का अपमान करते हैं और तुष्टिकरण को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने शासन वाले राज्यों में चुनाव पूर्व किए गए वादों से मुकर गई है और महा विकास आघाडी की कोई विश्वसनीयता नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उद्धव ठाकरे से पूछना चाहता हूं कि क्या वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी से वीर सावरकर के लिए दो अच्छे शब्द कहने का अनुरोध कर सकते हैं। शाह ने कहा, क्या कांग्रेस का कोई नेता बालासाहेब ठाकरे के सम्मान में कुछ शब्द कह सकता है। उन्होंने कहा, अच्छा होगा कि महाराष्ट्र के लोग उन लोगों को जान लें जो ऐसे विरोधाभासों के बीच गठबंधन सरकार बनाने का सपना लेकर आए हैं। शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, उलेमाओं के एक संगठन ने अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की मांग की है और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने इस पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, मैं उद्धव ठाकरे से कहना चाहता हूं कि आप उन लोगों के साथ बैठे हैं जो राम मंदिर, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, समान नागरिक संहिता, वक्फ बोर्ड संशोधन का विरोध करते हैं और सावरकर को बुरा भला कहते हैं। शाह ने कहा कि यदि वक्फ बोर्ड संशोधन नहीं किया जाता तो वह आपकी संपत्ति को अपना घोषित कर सकता है। शाह ने कहा, क्या महाराष्ट्र के लोग अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए निर्धारित आरक्षण का अधिकार मुसलमानों को देने के पक्ष में हैं? उन्होंने कहा, हमारे संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है। फिर भी कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले आरक्षण का वादा किया, लोगों को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 (जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करता था) को निरस्त करने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री (उमर अब्दुल्ला) ने डॉ. बी आर आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की शपथ ली। शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्थर की लकीर हैं।

एमवीए तुष्टिकरण की राजनीति के लिए किसी हद तक गिर सकता है, पटोले मुस्लिम कोटे की मांग से सहमत

जलगांव-बुलढाणा। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले उलेमा काउंसिल की मुस्लिम आरक्षण की मांग से सहमत है। शाह ने जलगांव जिले के रावेर विधानसभा क्षेत्र और बुलढाणा के मल्कापुर विधानसभा क्षेत्र में रैलियों को संबोधित करने के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने उलेमा संघ द्वारा विपक्षी कांग्रेस को हाल ही में सौंपे गए एक ज्ञापन की ओर इंगित किया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षा में 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है। शाह ने बुलढाणा में कहा, पटोले अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण खत्म करने और उलेमा काउंसिल की मांग के अनुसार इसे मुसलमानों को देने पर सहमत हो गए है। उन्होंने रैली में कहा कि मुस्लिम समुदाय के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग से दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लाभ प्रभावित होंगे, क्योंकि कोटे पर 50 प्रतिशत की सीमा है और कोई भी वृद्धि मौजूदा आरक्षण की कीमत पर होगी। महा विकास आघाडी के नेताओं की सत्ता की लालसा ने उन्हें हाशिए के समुदायों पर उनके कार्यों के दीर्घकालिक परिणामों के प्रति अंधा कर दिया है। भाजपा सभी समुदायों के कल्याण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, लेकिन मुसलमानों के लिए किसी भी प्रकार के आरक्षण के सख्त खिलाफ है। जब तक भाजपा का एक भी सांसद या विधायक यहां है, हम धर्म आधारित आरक्षण का विरोध करेंगे, यह हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, एमवीए के दलों ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण देश की सुरक्षा से समझौता किया है। वे वोटों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं। कांग्रेस और राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार की आलोचना करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने दशकों तक राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही इस मुद्दे का समाधान अयोध्या में एक भव्य मंदिर के निर्माण के साथ हुआ। शाह ने कहा कि राज्य के लिए भाजपा का दृष्टिकोण छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि महायुति महाराष्ट्र की संस्कृति और समृद्धि के संरक्षण पर केंद्रित सरकार का वादा करती है। शाह ने शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को चुनौती दी कि वह महा विकास आघाडी की सहयोगी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर और शिव सेना संस्थापक बाल ठाकरे की तारीफ कराकर दिखाएं। शाह ने दावा किया कि 2019 और जून 2022 के बीच शासन करने वाली उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार के तहत महाराष्ट्र ने औद्योगिक विकास में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त खो दी और राज्य चौथे स्थान पर आ गया। उद्योगों के महाराष्ट्र छोड़ने और नए उद्योगों के नहीं आने के दावे को लेकर उन्होंने विपक्षी दलों की आलोचना की। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि एमवीए राज्य के लिए कुछ भी अच्छा नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि पिछली कांग्रेस नीत केंद्र सरकार के तहत आतंकी हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, जबकि राजग सरकार ने सीमा पार शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक करने का आदेश दिया।

उप राज्यपाल ने किश्तवाड़ मुठभेड़ में शहीद जेसीओ को श्रद्धांजलि दी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाज मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में रविवार को शहीद हुए जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) को श्रद्धांजलि अर्पित की। केशवान के जंगलों में हुई मुठभेड़ में तीन अन्य सैनिक घायल हुए है। यह मुठभेड़ तब हुई जब सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल ने हाल ही में दो ग्राम रक्षा रक्षकों की हत्या के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों की घेराबंदी की। सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, मैं सेना के वीर जवान राकेश कुमार के साहस और सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता हूं। उन्होंने किश्तवाड़ में कर्तव्य निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा।

बजाज फिन्सर्व कंजम्पशन फंड किया लॉन्च

मुंबई। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने कंजम्प्शन थीम के अंतर्गत एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम, बजाज फिन्सर्व 'कंजम्प्शन फंड शुरू करने की घोषणा की है। यह फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 8 नवंबर को खुला और इसकी न्यू फंड ऑफर अवधि 22 नवंबर 2024 को समाप्त होगी। लॉन्च पर बोलते हुए बजाज फिन्सर्व एएमसी के सीईओ गणेश मोहन कहते हैं आय के स्तर और शहरीकरण में वृद्धि तथा लोगों के बुनियादी से विवेकाधीन खर्च की तरफ रुझानों के कारण भारत का उपभोग परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल रहा है। एक थीम के रूप में उपभोग,क्षेत्र निवेश के अनुकूल है क्योंकि व्यापक बाजारों की तुलना में इसके बुनियादी सिद्धांत मजबूत हैं। बजाज फिन्सर्व एएमसी के मुख्य निवेश अधिकारी निमेश चंदन कहते हैं बदलती जनसांख्यिकी और बढ़ती आय के स्तर देश को अधिक, अच्छी तरह, बेहतर और आसानी से उपभोग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। एक तरफ जहां बाजार ने पिछले 2 वर्षों में अर्थव्यवस्था के पूंजीगत व्यय पक्ष पर ध्यान केंद्रित किया है, उपभोक्ता क्षेत्र ने अपने स्वयं के ऐतिहासिक मूल्यांकन के साथ-साथ व्यापक बाजारों के प्रीमियम की तुलना में आकर्षक मूल्यांकन किया है।

पंजाब में पराली जलाने के 345 नए मामले दर्ज किए गए

चंडीगढ़। पंजाब में रविवार को पराली जलाने के 345 मामले सामने आए जिनमें से सबसे अधिक 116 घटनाएं संगरूर जिले में दर्ज की गईं। इसी के साथ खरीफ फसल की कटाई के बाद से अब तक राज्य में पराली जलाने के 6,600 से अधिक मामले सामने आ चुके है। पंजाब दूरसंवेदी केंद्र द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 सितंबर से 10 नवंबर तक पंजाब में पराली जलाने की 6,611 घटनाएं हुई है।जानकारी के मुताबिक रविवार को संगरूर जिले में पराली जलाने की 116 घटनाएं सामने आईं जबकि मानसा में 44, फिरोजपुर में 26, मोगा और फरीदकोट में 24-24 तथा मुक्तसर में पराली जलाने की 20 घटनाएं दर्ज की गईं।

राकांपा (एसपी) और भाजपा को चुनाव खर्च को लेकर नोटिस जारी किया गया

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र की आष्टी विधानसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार महबूब शेख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी सुरेश धास (पार्टी के मौजूदा विधान पार्षद) को चुनाव खर्च को लेकर नोटिस जारी किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ए दोनों बीड जिले की आष्टी सीट से चुनाव लड़ रहे 17 उम्मीदवारों में शामिल है।क आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की जांच के लिए आठ नवंबर को एक बैठक आयोजित की गई थी।

विवाह समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान दुल्हन के सिर में लगी गोली

फिरोजपुर (पंजाब)। जिले के खाई फेमे की गांव के नजदीक रविवार को विवाह समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान एक गोली दुल्हन के सिर में लग गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विवाह समारोह के दौरान कुछ रिश्तेदार हर्ष फायरिंग कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि खाई फेमे की गांव के समीप हाशम टूट गांव निवासी बाज सिंह की बेटी बलजिंदर कौर (23) की शादी तरन तारन जिले के सरहाली कलां गांव निवासी गुरप्रीत सिंह से होनी थी। उसने बताया कि बलजिंदर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां पर उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रधानमंत्री ने आदिवासियों को उनकी धार्मिक पहचान से क्यों वंचित रखा: कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर झारखंड के बारे में रविवार को सवाल उठाते हुए पूछा कि उन्होंने आदिवासियों को उनकी धार्मिक पहचान से वंचित क्यों रखा और सरना कोड लागू करने से इनकार क्यों किया। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी झारखंड में चुनावी रैलियां कर रहे हैं, इसलिए उन्हें एक भी वोट मांगने से पहले तीन सवालों के जवाब देने चाहिए। उन्होंने एक्स पर सवाल किया कि कोरबा-लोहरदगा और चतरा-गया रेलवे

लाइन का क्या हुआ। रमेश ने कहा कि लोहरदगा और चतरा के लोग शिक्षा, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक पहुंच में सुधार के लिए वर्षों से बेहतर रेल कनेक्टिविटी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, मोदी सरकार के सत्ता में आने के दस साल बाद और लोहरदगा से लगातार दो बार भाजपा सांसदों के चुने जाने के बाद भी इस संबंध में विशेष प्रगति नहीं हुई है। अक्टूबर 2022 में, रेल मंत्रालय ने चतरा-गया रेल परियोजना को मंजूरी दी लेकिन दो साल बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई है। रमेश ने कहा, कोरबा-गुमला-लोहरदगा लाइन के लिए लोगों को और कितना इंतजार करना होगा? चतरा-गया लाइन के लिए लोगों को और कितना इंतजार करना होगा? क्या नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री इस आवश्यक परियोजना को पूरा करने के लिए कुछ कर रहे हैं? उन्होंने सवाल किया कि वे इंजीनियरिंग कॉलेज कहां हैं जिनका प्रधानमंत्री ने 2014 में वादा किया था। रमेश ने कहा कि झारखंड में 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अपने प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में एक आईटी संस्थान और इंजीनियरिंग कॉलेजों समेत कई औद्योगिक और शैक्षिक परियोजनाओं का वादा किया था। रमेश ने कहा, लेकिन अब तक केवल दो संस्थान ही स्थापित हुए हैं -एनआईईएलआईटी (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) रांची और केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) खूंटी।

गंगा का उद्गम स्थल भी एसटीपी से निकले जल से प्रदूषित हुआ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण को गंगा में प्रदूषण पर उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट के हवाले से सूचित किया गया कि इस नदी का उद्गम स्थल भी जलमल शोधन संयंत्र (एसटीपी) से छोड़े जा रहे जल से प्रदूषित हो गया है।उत्तराखंड में गंगा में प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर अधिकरण में हो रही सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी गई। एनजीटी ने पहले राज्य और अन्य से रिपोर्ट तलब की थी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने सुनवाई में हस्तक्षेप के लिए याचिका दाखिल करने वाले आवेदकों में से एक के वकील की दलीलों पर संज्ञान लिया। उन्होंने राज्य सरकार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि गंगोत्री स्थित 10 लाख लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता वाले एसटीपी से एकत्र नमूने में सर्वाधिक संभावित संख्या (एमपीएन) 540/100 मिली वाला फिकल कोलीफॉर्म पाया गया था।फिकल कोलीफॉर्म (एफसी) का स्तर मनुष्यों और जानवरों के मलमूत्र से निकलने वाले सूक्ष्मजीवों से होने वाले प्रदूषण को दर्शाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के जल गुणवत्ता मानदंडों के अनुसार,नदी में स्नान करने के लिए जल में 500/100 मिली से कम एमपीएन वांछनीय है।एनजीटी की पीठ द्वारा पांच नवंबर को पारित आदेश में कहा गया, उन्होंने (वकील ने) कहा है कि गंगा नदी का उद्गम स्थल भी एसटीपी द्वारा छोड़े जा रहे जल से प्रदूषित हो गया है। इस पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल थे। अधिकरण अब इस मामले पर अगली सुनवाई 13 फरवरी को करेगा।

मांड्या में दलितों के पहली बार मंदिर में प्रवेश से तनाव

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या जिले के एक गांव में रविवार को उस समय तनाव फैल गया जब जिला प्रशासन ने दलितों को पहली बार कालभैरवेश्वर मंदिर में प्रवेश और पूजा करने की मंजूरी दे दी।हनाकेरे गांव में रहने वाले ऊंची जाति के लोग दलितों के मंदिर में प्रवेश से नाराज होकर मंदिर में स्थापित धातु वाली उत्सव मूर्ति को कथित तौर पर अपने साथ ले गए।गांव में उच्च जाति के ज्यादातर लोग वोक्कालिगा जाति से ताल्लुक रखते है।मौजूदा तनाव को देखते हुए हनाकेरे में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।सूत्रों के अनुसार, गांव में एक पुराना कालभैरवेश्वर स्वामी मंदिर है और दलितों को कभी भी उसमें प्रवेश की अनुमति नहीं थी। लगभग तीन साल पहले मंदिर के पुराने ढांचे को ध्वस्त कर एक नया मंदिर बनाया गया। हाल ही में, यह मंदिर राज्य सरकार के धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के नियंत्रण में आ गया। इसके तुरंत बाद दलितों ने मंदिर में प्रवेश करने का फैसला किया लेकिन उच्च जाति के समुदाय के लोग इस बात पर सहमत नहीं हुए।दलितों ने अपने साथ हुए भेदभाव की शिकायत जिला प्रशासन से की, जिसके बाद दो शांति बैठकें आयोजित की गईं लेकिन वे विफल रही।रविवार को दलितों ने पुलिस सुरक्षा के बीच मंदिर में प्रवेश किया।इस घटनाक्रम से नाराज ऊंची जाति के लोग उत्सव मूर्ति को अपने साथ ले गए। उनमें से एक को यह कहते हुए सुना जा सकता था, उन्हें (दलितों को) मंदिर रखने दो, हम मूर्ति को अपने साथ ले जाएंगे।

टाटा का महिलाओं, मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर पर ध्यान

मुंबई। भारत में एक प्रमुख सामान्य बीमा प्रदाता, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज 60 से अधिक लाभ प्रदान करने वाले पांच नए राइडर्स के लॉन्च की घोषणा कीए जिसका उद्देश्य अपने खुदरा स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की लचीलापन और व्यापकता को बढ़ाना है। चूंकि चिकित्सा लागत में वृद्धि जारी है और स्वास्थ्य सेवा की ज़रूरतें विकसित हो रही हैं, इसलिए इन राइडर्स को अनुकूलित सुरक्षा प्रदान करने, उभरती हुई स्वास्थ्य चिंताओं और जीवनशैली में बदलावों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह लॉन्च अपने ग्राहकों के लिए अभिनव और प्रासंगिक समाधान प्रदान करके स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा एआईजी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नए राइडर्स मेंटल वेलबीइंग, एम्पावरहर, ओपीडी केयर, कैनकेयर और फ्लेक्सी शील्ड, मानसिक स्वास्थ्यए महिला स्वास्थ्य और कैंसर कवरेज जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। एम्पावरहर राइडर महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, जैसे बांझपन, पीसीओएस और अन्य स्त्री रोग संबंधी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि मेंटल वेलबीइंग उद्योग में पहली बार मानसिक स्वास्थ्य निवारक जांच और पुनर्वास कवरेज पेश करता है। कैनकेयर बेहतर कैंसर सुरक्षा प्रदान करता हैए ओपीडी केयर और फ्लेक्सी शील्ड सुनिश्चित करता है कि ग्राहक बढ़ती चिकित्सा लागतों और रोज़मर्रा के स्वास्थ्य खर्चों से सुरक्षित रहें। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष और एजेंसी प्रमुख प्रतीक गुप्ता ने नवाचार और विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, ष्इन नए राइडर्स का लॉन्च स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में विकास को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कटक सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की शिकायत लेने से तीन पुलिस थानों ने किया इनकार : बीजद

भुवनेश्वर। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले की जांच के तरीके को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार और पुलिस की रविवार को आलोचना की। बीजद और कांग्रेस का दावा है कि पीड़िता छात्रा को कथित तौर पर अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए तीन पुलिस थानों के चक्कर लगाने पड़े। बीजद और कांग्रेस ने ओडिशा पुलिस को प्रस्तुत अलग-अलग याचिकाओं में आरोप लगाया कि बादामबाड़ी पुलिस थाने द्वारा पीड़िता की प्राथमिकी स्वीकार किए जाने से पहले पीड़िता ने कई पुलिस थानों - पुरी घाट, सदर और बारंग से संपर्क किया था। यह घटना दशहरा उत्सव के दौरान हुई जब पीड़िता अपने पुरुष मित्र के साथ अपना जन्मदिन मनाने के लिए पुरी घाट पुलिस थाना क्षेत्र में एक कैफे में गई थी। लड़की ने दावा किया कि वह अपना जन्मदिन मनाने के लिए दशहरा पर्व के दौरान अपने प्रेमी के साथ पुरी घाट थाना इलाके में एक कैफे में गई थी। उसने कहा कि प्रेमी ने वहां कथित तौर पर कैफे मालिक की मदद से अपने फोन में उनके कुछ अंतरंग क्षणों का वीडियो बना लिया। पुलिस ने दर्ज मामले के आधार पर बताया कि उस वीडियो के सहारे प्रेमी तथा उसके दोस्तो ने लड़की को ब्लैकमेल किया और कई बार उससे दुष्कर्म किया। इसने कहा कि इस संबंध में शिकायत चार नवंबर को दर्ज की गई और आरोपियों को अगले दो दिन में गिरफ्तार कर लिया गया। बाराबती-कटक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक सोफिया फिरदौस ने इस घटना के संबंध में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया के समक्ष याचिका प्रस्तुत की थी। बीजू जनता दल के महिला प्रकोष्ठ के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष स्नेहांगिनी छुरिया के नेतृत्व में कटक के पुलिस उपायुक्त जगमोहन मीणा से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। बीजद के महिला प्रकोष्ठ ने इस घटना की गहन जांच और कड़ी कार्वाई की मांग की है। याचिका में छुरिया ने प्राथमिकी दर्ज करने में देरी और एक अन्य आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी न होने पर चिंता जताई है। स्नेहांगिनी छुरिया ने कहा, नवीन पटनायक के शासनकाल में पुलिस थाने राज्य सरकार के अधीन थे और शिकायतें तुरंत दर्ज की जाती थी। बीजद के महिला प्रकोष्ठ की नेता ने यह भी आरोप लगाया कि जिस कैफे में अश्लील वीडियो शूट किया गया वह अवैध था। छुरिया ने मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए आरोप लगाया पुलिस प्रशासन को कैफे में हुक्के के अवैध इस्तेमाल की जानकारी थी। इसी जगह का इस्तेमाल भाजपा के कटक-बाराबती विधायक उम्मीदवार ने इस साल के शुरू में चुनाव के दौरान पार्टी कार्यालय के तौर पर किया था। भाजपा का एक पार्षद भी पास में ही रहता है।

संपत्ति सृजनकर्ताओं पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिएः धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि वाणिज्य और व्यवसाय से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए, क्योंकि वे ही नौकरी और संपत्ति के सृजनकर्ता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद का सिद्धांत कुछ व्यक्तियों के वित्तीय लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है। धनखड़ ने यहां एक निजी शैक्षणिक संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने हमेशा इस बात की वकालत की है कि व्यापार, वाणिज्य, उद्योग से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए। उन्हें समाज में सम्मान मिलना चाहिए। उपराष्ट्रपति का मानना है कि यह वर्ग नौकरी और संपत्ति का सृजन करता है और सामाजिक सद्भाव में योगदान देता है। उन्होंने कहा, वे अर्थव्यवस्था के चालक हैं... उन्होंने इस देश में समाज को कुछ वापस देने की कला सीखी है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी उद्यमियों का योगदान रहा है। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद के सिद्धांतों का पालन करने की जरूरत पर भी जोर दिया, और कहा कि अनावश्यक आयात पर अंकुश लगाना चाहिए।

भारत यूरोपीय संघ को ईंधन का सबसे बड़ा निर्यातक बना

भारत के रास्ते यूरोप पहुंच रहा रूसी तेल

भाषा। नई दिल्ली

वर्ष 2024 की पहली तीन तिमाहियों में भारत से यूरोपीय संघ को डीजल जैसे ईंधन का निर्यात 58 प्रतिशत बढ़ गया। एक मासिक निगरानी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ऐसे में माना जा रहा है कि इसमें रूस से आने वाले कच्चे तेल की बड़ी हिस्सेदारी है, जिसे परिष्कृत करके यूरोप भेजा जा रहा है। दिसंबर 2022 में यूरोपीय संघ और जी7 देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कच्चे तेल के आयात पर मूल्य सीमा और प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, रूस के कच्चे तेल से बने परिष्कृत ईंधन पर नीति में स्पष्टता की कमी का मतलब था कि प्रतिबंध नहीं लगाने वाले देश बड़ी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात कर सकते हैं और उन्हें परिष्कृत उत्पादों में बदलकर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को कानूनी रूप से निर्यात कर सकते हैं। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। देश का रूस से आयात यूक्रेन युद्ध से पहले कुल आयातित तेल के एक प्रतिशत से भी कम था और युद्ध के बाद खरीद बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा और स्वच्छ वायु पर शोध केंद्र (सीआरईए) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि शोधन नियमों में खामियों का लाभ उठाते हुए, भारत अब यूरोपीय संघ को तेल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तीन तिमाहियों में जामनगर, वडिनार (गुजरात) और मैंगलोर रिफाइनरी से यूरोपीय संघ को निर्यात सालाना आधार पर 58 प्रतिशत बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर में तेल रिफाइनरियां हैं, जबकि रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की वडिनार में एक इकाई है। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) सरकारी स्वामित्व वाली ओएनजीसी की सहायक कंपनी है।

पूर्वोत्तर में गैस भंडारों की खोज से आयात बिल में कमी आएगी: आईजीएक्स प्रमुख

गुवाहाटी। इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राकृतिक गैस भंडारों की खोज और मौद्रीकरण से गैस आयात में कमी लाने में मदद मिलने के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और अधिक व्यापार अवसर प्रदान किए जा सकेंगे। राष्ट्रीय स्तर के पहले स्वचालित गैस एक्सचेंज आईजीएक्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश के मेदिरत्ता ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र न केवल देश के अन्य हिस्सों बल्कि पड़ोसी बांग्लादेश को भी अतिरिक्त गैस की आपूर्ति कर सकता है और महत्वपूर्ण राजस्व जुटा सकता है। मेदिरत्ता ने कहा,"पूर्वोत्तर में प्राकृतिक गैस के उत्पादन की बहुत अधिक क्षमता है। चूंकि पूर्वोत्तर गैस ग्रिड 2026 तक चालू होने की संभावना है, इसलिए मौजूदा उत्पादक 60 लाख मानक घन मीटर प्रतिदिन प्राकृतिक गैस के भंडार का मौद्रीकरण कर सकते हैं" आईजीएक्स के प्रमुख ने यहां पूर्वोत्तर के लिए गैस बाजार विकास पर एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा,"पूर्वोत्तर में गैस उत्पादन बढ़ने से श की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी क्योंकि आईजीएक्स गैस उत्पादकों को अधिशेष गैस को अन्य क्षेत्रों में बेचने में मदद करेगा" उन्होंने कहा कि भारत फिलहाल अपनी खपत का लगभग 50 प्रतिशत यानी लगभग 10 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन गैस का आयात कर रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रभावी गैस पाइपलाइनों के साथ, मौजूदा पेट्रोलियम कंपनियां 60 लाख मानक घन मीटर प्रतिदिन गैस का पता लगा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इससे लगभग 14,000 करोड़ रुपए की बचत होने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था में रोजगार और व्यापार के अवसर भी पैदा होंगे।

इंदौर के किसान ने अपने घर के कमरे में बिना मिट्टी के उगाया केसर

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

देश में केसर का उत्पादन खासकर कश्मीर में होता है, लेकिन बर्फीली वादियों वाले इस क्षेत्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर इंदौर के एक प्रगतिशील किसान ने एयरोपॉनिक्स पद्धति की मदद से अपने घर के कमरे में बिना मिट्टी के केसर उगाया है। किसान के घर की दूसरी मंजिल के इस कमरे में इन दिनों केसर के बैंगनी रंग के खूबसूरत फूलों की बहार है। नियंत्रित वातावरण वाले कमरे में केसर के पौधे प्लास्टिक की ट्रे में रखे गए हैं। ए ट्रे खड़ी रैक में रखी गई हैं ताकि जगह का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जा सके।केसर उत्पादक अनिल जायसवाल ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया, मैं कुछ साल पहले अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गया था। वहां पम्पोर में केसर के खेत देखकर मुझे

इसके उत्पादन की प्रेरणा मिली। जायसवाल ने बताया कि उन्होंने अपने घर के कमरे में केसर उगाने के लिए एयरोपॉनिक्स तकनीक के उन्नत उपकरणों से तापमान, आर्द्रता, प्रकाश और कार्बन डाइऑक्साइड का नियंत्रित वातावरण तैयार किया ताकि केसर के पौधों को कश्मीर जैसी मुफीद आबो-हवा मिल सके।उन्होंने बताया कि 320 वर्ग फुट के कमरे में केसर की खेती का बुनियादी ढांचा तैयार करने में उन्हें करीब 6.50 लाख रुपए की लागत आई।जायसवाल ने बताया कि उन्होंने केसर के एक टन बीज (बल्ब) कश्मीर के पम्पोर से मंगाए थे और इसके फूलों से वह इस मौसम में 1.50 से दो किलोग्राम केसर प्राप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि चूंकि उनकी उगाई केसर पूरी तरह जैविक है, इसलिए उन्हें उम्मीद है कि घरेलू बाजार में वह अपनी उपज करीब पांच लाख रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेच सकेंगे, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उन्हें इसके 8.50 लाख रुपए तक मिल सकेंगे। जायसवाल ने बताया, मैंने अपने घर के कमरे के नियंत्रित वातावरण में केसर के ए बल्ब सितंबर के पहले हफ्ते में रखे थे और अक्टूबर के आखिरी हफ्ते से इन पर फूल खिलने लगे। केसर की खेती में जायसवाल का पूरा परिवार उनका हाथ बंटाता है। यह परिवार केसर के पौधों को गायत्री मंत्र और पक्षियों की चहचहाहट वाला संगीत भी सुनाता है।

धोखाधड़ी वाली कॉल रोकने की प्रणाली ने 2,500 करोड़ रुपए की सार्वजनिक संपत्ति बचाईः सिंधिया

नई दिल्ली। सरकार ने धोखाधड़ी वाली कॉल रोकने के लिए तकनीकी प्रणाली तैनात की है, जो रोजाना ऐसी 1.35 करोड़ कॉल को रोक रही है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसने अब तक लोगों की 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति बचाने में मदद की है। मंत्री ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि ज्यादातर फर्जी कॉल देश के बाहर के सर्वर से आते हैं, और प्रणाली ऐसी ज्यादातर धोखाधड़ी वाली कॉल को रोकने में सक्षम हैं। सिंधिया ने कहा, आपके फोन पर आने वाली मार्केटिंग कॉल और धोखाधड़ी वाली कॉल से निपटने के लिए हमने एक पूर्ण प्रणाली लागू की है। हमारे दूरसंचार विभाग के धोखाधड़ी का पता लगाने वाले नेटवर्क ने आज संचार साथी और चक्षु के की मदद से लोगों की लगभग 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति बचाई है। इन प्रणालियों के कारण करीब 2.9 लाख फोन नंबर बंद हो गए हैं और करीब 18 लाख हेडर ब्लॉक हो गए हैं, जिनका इस्तेमाल संदेश भेजने के लिए किया जाता था। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा ऐसे धोखेबाज जो भारत के बाहर के सर्वर का इस्तेमाल करते थे, लेकिन खुद को ़91 नंबर (भारतीय नंबर) के रूप में पेश करते थे, उनकी पहचान भी की जा रही है। हमने ऐसे सॉफ्टवेयर लगाए हैं जो इन कॉल को रोकते हैं। जो औसतन प्रतिदिन 1.35 करोड़ ऐसे कॉल को ब्लॉक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक नया सॉफ्टवेयर गाया है, जिसमें वह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ ही बैंकों को भी जोड़ रही है। 520 एजेंसियों को इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि मई तक आत्मनिर्भर बीएसएनएल 5जी और अप्रैल तक संतृप्ति योजना के तहत सभी के लिए 4जी शुरू करना उनकी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

इजराइल के हवाई हमले में 37 की मौत

उत्तरी गाजा में 17 मरे

उत्तरी लेबनान में में 20 लोगों की गई जान : अधिकारी

भाषा। दीर अल बलाह

इजराइल द्वारा रविवार तड़के उत्तरी गाजा के एक शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर किए गए हमले में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। गाजा शहर के अल-अहली अस्पताल के निदेशक डॉ. फदल नईम ने बताया कि मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं तथा मृतक संख्या बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जबालिया के शहरी शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में इन लोगों की मौत हुई, जहां इजराइल एक महीने से अधिक समय से हमले कर रहा है। सेना ने कहा कि उसने उस जगह को निशाना बनाया, जहां आतंकवादी मौजूद थे, हालांकि उसने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। वहीं लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि देश के उत्तरी हिस्से में हुए इजराइली हवाई हमले में 20 लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि यह हमला बेरूत के उत्तर में स्थित अलमत गांव में हुआ। यह क्षेत्र देश के दक्षिण और पूर्व के उन इलाकों से काफी दूर पर स्थित है, जहां चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला की मुख्य रूप से मौजूदगी है।

कतर ने मध्यस्थता के अपने प्रयासों पर रोक लगाई

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। कतर ने शनिवार को कहा कि वह गाजा में संघर्षविराम समझौते पर प्रगति न होने के कारण हमास और इजराइल के बीच मध्यस्थता के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को समाप्त कर रहा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कतर में रह रहे हमास के शेष नेतृत्व को वहां से जाना होगा या वे वहां रहेंगे। मिस्र के एक अधिकारी के अनुसार, यदि दोनों पक्ष समझौते पर पहुंचने के लिए गंभीर राजनीतिक इच्छा दिखाते हैं, तो कतर के मध्यस्थता प्रयासों के फिर से शुरू होने की पूरी संभावना है। मामले की जानकारी रखने वाले एक राजनयिक सूत्र ने बताया कि कतर ने इजराइल और हमास से कहा कि वह समझौते पर सद्भावनापूर्वक बातचीत करने से इनकार किए जाने के कारण मध्यस्थता के प्रयास जारी नहीं रख सकता। सूत्र ने यह भी बताया कि कतर ने हमास से कहा कि यदि वह बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है तो उसे कतर छोड़ना होगा। वाशिंगटन में एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने दो सप्ताह पहले कतर को सूचित किया था कि दोहा में हमास कार्यालय का संचालन अब उपयोगी नहीं है और हमास प्रतिनिधिमंडल को निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमास द्वारा संघर्षविराम के पिछले प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने के बाद कतर ने लगभग 10 दिन पहले हमास प्रतिनिधिमंडल को इस फैसले के बारे में सूचित कर दिया। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम कतर के मध्यस्थता प्रयासों को समाप्त करने के फैसले से अवगत थे, लेकिन किसी ने हमें जाने के लिए नहीं कहा।

सिंगापुर में सामूहिक प्रार्थना सभा के दौरान कैथोलिक पादरी पर चाकू से हमला

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में एक गिरजाघर में बच्चों द्वारा आयोजित सामूहिक प्रार्थना सभा में एक कैथोलिक पादरी पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, आर्कडायोसीजन इमरजेंसी रिस्पांस टीम और प्रार्थना सभा में मौजूद लोगों ने 37 वर्षीय हमलावर को पकड़ किया।खबर में कहा गया कि यह हमला शनिवार को मासिक बाल प्रार्थना समारोह के दौरान हुआ जब बच्चे वे कार्य करते हैं जो आमतौर पर वयस्कों द्वारा किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि गिरजाघर के पादरी फादर क्रिस्टोफर ली (57) को शाम की प्रार्थना सभा के दौरान एक व्यक्ति ने चाकू मार दिया जिन्हें नेशनल यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत स्थिर है।प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने घटना की निंदा की है।वोंग ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, सिंगापुर में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। सबसे बढ़कर, हमें अपने पूजा स्थलों की सुरक्षा और पवित्रता को बनाए रखना चाहिए - ऐसे स्थान जहां लोग शांति और संतोष पाने आते हैं। सिंगापुर में कैथोलिक चर्च के प्रमुख कार्डिनल विलियम गोह ने कहा कि वह इस बात से स्तब्ध और बेहद दुखी हैं कि ईश्वर के घर में हमारे एक प्रिय पादरी पर उस समय हिंसा की गई जब वह सामूहिक प्रार्थना सभा में थे। विभिन्न धार्मिक संगठनों ने घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि यहां धर्म के नाम पर हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। आरोपी के खिलाफ सोमवार को अदालती कार्यवाही की जाएगी। दोषी पाए जाने पर उसे 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, साथ ही जुर्माना या बेंत से मारने की सजा भी सुनाई जा सकती है।

लाहौर के शादमान चौक का नामकरण भगत सिंह के नाम पर करने की योजना रद्द

लाहौर। लाहौर के शादमान चौक का नाम स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नाम पर रखने और उनकी प्रतिमा स्थापित करने की योजना एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी तथा लाहौर जिला प्रशासन की राय के बाद रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान के पंजाब राज्य की सरकार ने उच्च न्यायालय में यह जानकारी दी। लाहौर उच्च न्यायालय में शुक्रवार को दाखिल जवाब में सहायक महाधिवक्ता असगर लेघारी ने स्वतंत्रता सेनानी पर गंभीर आरोप लगाए। लाहौर नगर निगम ने लाहौर उच्च न्यायालय में भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी द्वारा दायर अवमानना याचिका के जवाब में कहा, शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा लगाने की लाहौर नगर जिला सरकार की प्रस्तावित योजना को कमोडोर (सेवानिवृत्त) तारिक मजीद की राय के बाद रद्द कर दिया गया है। सरकार की ओर से दाखिल जवाब में कहा गया कि शादमान चौक का नाम बदल कर सिंह के नाम पर रखने के लिए उसके द्वारा गठित समिति मे शामिल मजीद ने अपनी राय देते हुए दावा किया कि सिंह क्रांतिकारी नही बल्कि एक अपराधी थे, आज की परिभाषा के तहत वह एक आतंकवादी थे। उन्होंने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की थी और इस अपराध के लिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी की सजा दी गई थी। मजीद ने सरकार से सिफारिश की कि शादमान चौक का नाम भगत सिंह चौक न रखा जाए और वहां उनकी प्रतिमा न लगाई जाए।

विद्यार्थियों ने आवामी लीग की रैली को विफल किया

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिराने में अहम भूमिका निभाने वाले एक प्रभावशाली छात्र समूह के सदस्यों ने रविवार को ढाका में आवामी लीग की एक प्रस्तावित रैली को विफल कर दिया। विद्यार्थियों ने पार्टी कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया और उन पर हमला भी किया। अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा था कि वह हसीना की पार्टी को रैली आयोजित करने की अनुमति नही देगी, जिसके एक दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन और कई अन्य राजनीतिक समूहों के कार्यकर्ता आवामी लीग के केंद्रीय कार्यालय के पास नूर हुसैन छत्तर या जीरो प्वाइंट पर इकट्ठा हुए। पांच अगस्त को हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद से आवामी लीग की इस तरह की यह पहली रैली थी। पुलिस की मौजूदगी मे प्रदर्शनकारियो ने कथित तौर पर कम से कम सात लोगो पर हमला किया, जिन्हें आवामी लीग का कार्यकर्ता बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस ने आवामी लीग के समर्थकों को हिरासत में लिया। समाचार चैनल पर प्रस्तारित वीडियो मे भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के सदस्यो को हसीना और उनकी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी करते और कथित नरसंहार के लिए उन पर मुकदमा चलाने की मांग करते देखा गया।अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल-आलम ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि अंतरिम सरकार देश मे हिंसा फैलाने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नही करेगी।

वॉशिंगटन ग्लैडिएटर मे मैक्रिनस की भूमिका से खुश

हालीवुड। डेंज़ल वाशिंगटन जिनकी अदाकारी में गहराई और दमदार उपस्थिति की ताकत है, हर भूमिका को जीवंत बना देते हैं। उनका करिश्माई अंदाज और दृढ़ता से भरा अभिनय स्क्रीन पर ऐसा प्रभाव डालता है कि हर सीन में वह छा जाते हैं। ग्लैडिएटर-2 में वाशिंगटन मैक्रिनस का किरदार निभा रहे हैं जो महत्वाकांक्षा और शक्ति की भूख को दर्शाता है। इस किरदार में वह सत्ता की नई परिभाषा पेश करते हैं, जो दर्शकों को उनकी दुनिया में खींच लेती है। मैक्रिनस के रूप में वह एक ऐसा शख्स बनते हैंए जो न केवल अपने साम्राज्य को खुद स्थापित करता हैए बल्कि अपने खुद के नियम भी तय करता है। इस ऐतिहासिक सीक्वल का हिस्सा बनने के अनुभव के बारे में डेंज़ल वाशिंगटन के विचार क्या हैं। वॉशिंगटन बताते हैं कि मैक्रिनस एक ऐसा व्यक्ति है जो कई भाषाओं में माहिर और रोम का शायद सबसे अमीर इंसान है। वह कहते हैंए आजकल जैसे अमीर लोग घुड़दौड़ के घोड़े पालते हैं मैक्रिनस के पास ग्लैडिएटर्स का पूरा समूह है। जब वह लूसियस को अपने इस समूह में शामिल करता है तो उसके मन में एक बड़ा लक्ष्य होता है। लूसियस एक जन्मजात नेता और महान योद्धा हैं जो उसे मैक्रिनस के लिए कई तरह से महत्वपूर्ण बनाता है। लेकिन क्रोध को वह अपने लिए खतरा मानता हैए क्योंकि यह एक कमजोरी है। मैक्रिनस कभी अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहता। वह सम्राट बनने में रुचि नहीं रखताय वह सम्राट को नियंत्रित करना चाहता है। सत्ता उसके लिए एक नशा हैए और एक बार इसका स्वाद चख लेने के बादए वह और भी अधिक चाहता है। उसे वास्तव में किसी की परवाह नहीं होतीए वह सिर्फलोगों का इस्तेमाल करता है। अगर कोई उसे और ज्यादा ताकतवर नहीं बना सकताए तो वह उनमें कोई दिलचस्पी नहीं रखता। वाशिंगटन जो कई पुरस्कार विजेता फिल्मों में काम कर चुके हैं।

विदेशों के बाद सेल्सफोर्स का भारत में विस्तार

इंडियाना पोलिस। एआई टेक्नोलॉजी और कैपेबिलिटीज़ द्वारा पॉवर्ड 1 सीआरएम सेल्सफोर्स ने देश में अपने पहले टॉवर के साथ कंपनी का विस्तार करते हुए सेल्सफोर्स टॉवर बैंगलुरू की घोषणा की। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ के पास दर्ज कराई गई कंपनी की रैगुलेटरी फाईलिंग के मुताबिक सेल्सफोर्स इंडिया का राजस्व 31 मार्च को समाप्त हु वर्ष में पिछले साल के मुकाबले 36 प्रतिशत बढ़कर 9116.3 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। सेल्सफोर्स द्वारा भारत में अपनी भौतिक पहुँच बढ़ाने के लिए लगातार निवेश किया जा रहा हैए जिसके अंतर्गत बैंगलुरू में नया सेल्सफोर्स टॉवर शुरू किया जा रहा है। यह सेल्सफोर्स द्वारा सैन फ्रांसिस्को, न्यू यार्क,शिकागो, लंदन, डुबलिनए सिडनी, टोक्यो, अटलांटा और इंडियाना पोलिस सहित मुख्य शहरों में दस टॉवरों में किए गए निवेश में से एक है। बैंगलुरू में सेल्सफोर्स टॉवर महादेवपुरा में बागमाने कैपिटल में स्थित होगा। इस टॉवर में 12 मंजिल होंगी, जिनमें सहयोग, सस्टेनेबिलिटी और कर्मचारियों के कल्याण पर केंद्रित रहते हुए एक आकर्षक लॉबीए सेल्सफोर्स इनोवेशन सेंटर और कर्मचारियों द्वारा मिलकर काम करने के लिए डिज़ाईन किए गए स्पेस होंगे। यहाँ पर प्रशिक्षण के लिए स्थान होगा जहाँ कर्मचारियों और समुदाय को व्यक्तिगत रूप से एआई अपस्किलिंग के अवसर मिलेंगे। सस्टेनेबिलिटी की ओर सेल्सफोर्स की प्रतिबद्धता के अनुरूप इस भवन को लीड गोल्ड सर्टिफिकेशन द्वारा प्रमाणित किया जाएगा। इस टॉवर का काम 2026 में पूरा होने के बाद यहाँ से कर्मचारी काम करना शुरू कर देंगे। जहाँ भारत में सेल्सफोर्स का विकास अभियान जारी हैए वहीं विश्व में कंपनी ने हाल ही में एजेंटफोर्स पेश किया हैए जो सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म की एक नई परत है और कंपनियों को ऐसे एआई एजेंट बनाने एवं क्रियान्वित करने में समर्थ बनाती हैए जो बिज़नेस के किसी भी कार्य के लिए स्वतंत्र रूप से कार्रवाई कर सकें। रेलिना बुलचंदानी एक्ज़िक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंटए रियल ईस्टेट एवं वर्कप्लेस सर्विसेज़, सेल्सफोर्स ने कहा कि सेल्सफोर्स टॉवर बैंगलुरू सेल्सफोर्स की संस्कृति और मूल्यों के स्तंभ के रूप में काम करेगा। यह पूरी दुनिया से हमारे कर्मचारियों, ग्राहकों, पार्टनर्स और ट्रेलब्लेज़र्स के लिए मुलाकात का केंद्रीय स्थान होगा।

ब्रिटिश हिंदुओं ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट के दिवाली भोज में मांसाहारी व्यंजन, शराब परोसने पर आपत्ति जताई

लंदन। ब्रिटेन मे हिंदू समुदाय के कुछ लोगो ने लंदन स्थित 10 डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का कार्यालय और आधिकारिक आवास) में प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की ओर से आयोजित दिवाली भोज में मेहमानों को कथित तौर पर मांसाहारी व्यंजन और शराब परोसे जाने पर आपत्ति जताई है। सामुदायिक संगठन इनसाइट यूके ने हिंदू त्योहार के आध्यात्मिक पहलू की समझ की भयावह कमी पर सवाल उठाया, जबकि अन्य लोगो ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनो से पहले व्यापक संवाद करने की आवश्यकता होती है। इनसाइट यूके ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिवाली सिर्फ त्योहार नही है, बल्कि इसके गहरे धार्मिक मायने भी है। दिवाली का पवित्र त्योहार पवित्रता और भक्ति पर जोर देता है। इसलिए दिवाली पर पारंपरिक रूप से शाकाहारी भोजन परोसा जाता है और शराब के सेवन से सख्त परहेज किया जाता है।

मंदिर हिंसा मामले में एसएफजे कनाडा का समन्वयक गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित एक हिंदू मंदिर में हिंसक प्रदर्शन के दौरान हमला करने के मामले मे कनाडा पुलिस ने 35 वर्षीय एक स्थानीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। तीन नवंबर को ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में एक विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसके सोशल मीडिया पर वायरल अपुष्ट वीडियो मे प्रदर्शनकारियो को खालिस्तान के समर्थन मे बैनर पकड़े हुए देखा गया। वीडियो मे हाथापाई और लोगो को मंदिर के आस-पास एक-दूसरे पर डंडे से वार करते हुए भी देखा जा सकता है। शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया कि पील की क्षेत्रीय पुलिस ने मंदिर में प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प पर कार्वाई की। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हुई कई घटनाओ की जांच शुरू कर दी है, जिनके वीडियो मे यह देखा जा सकता है कि लोगो पर झंडो और लाठियों से हमले किए जा रहे हैं। पील पुलिस के बयान मे कहा गया है कि 21 डिवीजन आपराधिक जांच ब्यूरो और स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के जांचकर्ताओं ने ब्रैम्पटन के इंद्रजीत गोसल को गिरफ्तार किया है और हथियार से हमला करने का उस पर आरोप है।

तालिबान संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेगा

काबुल। तालिबान 2021 मे अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद, पहली बार संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेगा। देश की राष्ट्रीय पर्यावरण एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। सीओपी29 के नाम से जाना जाने वाला यह सम्मेलन सोमवार को अजरबैजान में शुरू हो रहा है। यह सम्मेलन उन महत्वपूर्ण बहुपक्षीय वार्ताओ मे से एक है, जिसमे तालिबान शामिल हो रहा है।तालिबान को फिलहाल अफगानिस्तान के वैध शासक के रूप में आधिकारिक मान्यता नही मिली है। राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक तकनीकी प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में भाग लेने के लिए बाकू गया है।एजेंसी के प्रमुख मतिउल हक खलीस ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल इस सम्मेलन का उपयोग पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग को मजबूत करने और जलवायु अनुकूलन व शमन प्रयासो पर चर्चा करने के लिए करेगा।

नेपाल में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत, 13 घायल

काठमांडू। नेपाल के कालीकोट जिले में रविवार को एक सड़क हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना अपराह्न करीब ढाई बजे रादुकाप्रे के पास की है जब पलाटा ग्रामीण नगर निकाय के खिन क्षेत्र से थिरपु की ओर जा रही एक जीप एक अन्य वाहन से टकरा गई। अधिकारी ने बताया कि घायलो और शवों को सुरक्षाकर्मियों की मदद से हवाई मार्ग के जरिए सुरखेत के प्रांतीय अस्पताल में पहुंचाया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान नही हो पाई।

भारतीय पनडुब्बी आईएनएस वेला श्रीलंका पहुंची

कोलंबो। भारतीय पनडुब्बी आईएनएस वेला रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका पहुंची। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। आईएनएस वेला 67.5 मीटर लंबी पनडुब्बी है, जिसमें चालक दल के 53 सदस्य सवार है और इसका संचालन कमांडर कपिल कुमार कर रहे है। यह पनडुब्बी स्वदेशी कलवरी श्रेणी की डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी है और इसे 25 नवंबर 2021 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में बताया कि कोलंबो में पनडुब्बी के रुकने के दौरान चालक दल के सदस्य श्रीलंकाई नौसेना द्वारा दोनो देशो की नौसेनाओं के बीच सौहार्द को मजबूत करने के लिए आयोजित गतिविधियों में भाग ले सकते है।इसके अलावा, श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों द्वारा भारतीय पनडुब्बी का दौरा करने और इसकी परिचालन विशेषताओं से जुड़े कार्यक्रम में भाग लेने की उम्मीद है।

सऊदी अरब भारतीय महिला लोको पायलट

रियाद। हैदराबाद की इंदिरा ईगलपति रियाद मेट्रो की उन चुनिंदा महिला लोको पायलट मे से एक है जो वहां ट्रेन चलाने के लिए उत्सुक है। रियाद मे रैपिड ट्रांजिट सिस्टम का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब है और वह फिलहाल प्रायोगिक परीक्षण से गुजर रही ट्रेन को चला रही है।पिछले पांच वर्ष से ट्रेन पायलट और स्टेशन ऑपरेशन मास्टर के रूप मे कार्यरत 33 वर्षीय इंदिरा ने कहा, इस विश्व स्तरीय और प्रतिष्ठित परियोजना का हिस्सा बनना, खासकर एक प्रवासी होने के चलते, मेरे लिए वास्तव मे गर्व का क्षण है। जब इंदिरा को रियाद मेट्रो मे रिक्तियो के बारे मे पता चला तब वह हैदराबाद मेट्रो मे काम कर रही थी और फिर उन्होंने इसके लिए आवेदन किया।इंदिरा और भारत से दो अन्य लोग 2019 मे रियाद मेट्रो मे शामिल हुए थे लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण उन्हें शुरुआती प्रशिक्षण डिजिटल तरीके से ही लेना पड़ा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में तीन और सलाहकार शामिल

ढाका। प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद मे तीन नए सदस्यो को शामिल किया और उन्हें देश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रविवार शाम यहां बंगभवन (राष्ट्रपति भवन) मे पद की शपथ दिलाई। बंगभवन के अधिकारियों ने बताया कि उद्योगपति शेख बशीर उद्दीन, फिल्म निर्माता मुस्तफा सरवर फारूकी और भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेता एवं यूनुस के विशेष सहायक महफूज आलम को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों समेत गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति मे राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल मे शपथ दिलाई गई। अधिकारी ने बताया कि इन नियुक्तियों के साथ ही अंतरिम सरकार मे सलाहकारो की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। अधिकारी ने कहा कि नए सदस्यो के शामिल होने से परिषद के विभागो मे संभवतः फेरबदल किया जाएगा। इस परिषद की स्थापना आठ अगस्त को हुई थी। यह परिषद भेदभाव-विरोधी आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने के तीन दिन बाद स्थापित हुई थी।

ट्रंप ने एरिजोना में भी जीत दर्ज की, हैरिस हारीं

सभी सात प्रमुख राज्यों में हैरिस को दी मात

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में हाल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एरिजोना राज्य में भी विजई परचम लहराया। इसके साथ ही उन्होंने सभी सात प्रमुख राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को हरा दिया है। इस चुनाव में सात प्रमुख राज्य एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, पेन्सिलवेनिया, नॉर्थ कैरोलाइना और जॉर्जिया थे। एरिजोना में जीत के साथ ट्रंप के इलेक्टोरल वोट की संख्या 312 पहुंच ग ई है जबकि निवर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 226 वोट मिले हैं। एरिजोना में 11 इलेक्टोरल वोट हैं। रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है और वह प्रतिनिधि सभा में बहुमत बरकरार रखने के लिए तैयार है। अभी, पार्टी के पास सीनेट में 52 सीट हैं जबकि डेमोक्रेट के पास 47 सीट हैं। प्रतिनिध सभा में रिपब्लिकन अभी तक डेमोक्रेट की 209 सीटों के मुकाबले 216 सीट हासिल कर चुके हैं। बहुमत का आंकड़ा 218 है। रिपब्लिकन को विश्वास है कि उन्हें बहुमत के लिए आवश्यक सीट मिल जाएंगी। साल 2020 में निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन 1996 में बिल क्लिंटन के बाद एरिजोना से जीत दर्ज करने वाले पहले डेमोक्रेट बने थे। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान सीमा सुरक्षा, आव्रजन और अवैध शरणार्थियों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के मुद्दों पर बात की थी। ट्रंप ने अवैध शरणार्थियों को वापस उनके देश भेजने का संकल्प लिया था। एरिजोना छठा राज्य है जिसे ट्रंप ने बाइडन से छीन लिया है जहां उन्हें 2020 में जीत मिली थी। इसके अलावा ट्रंप ने इस साल जॉर्जिया,मिशिगन, नेवादा, पेन्सिलवेनिया और विस्कॉन्सिन में भी जीत हासिल की है जो पहले बाइडन ने जीते थे।

ट्रंप की हत्या की साजिश के आरोपी को इजराइली पर्यटकों को भी निशाना बनाने का दिया था जिम्माः अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के आरोप मे अमेरिकी खुफिया ब्यूरो (एफबीआई) द्वारा गिरफ्तार किए गए एक ईरानी नागरिक को ईरानियो ने श्रीलंका मे इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाने का भी काम सौंपा था। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। ईरान के फरहाद शकेरी (51) के खिलाफ ट्रंप की हत्या की साजिश मे कथित संलिप्तता के संबंध मे शुक्रवार को आपराधिक शिकायत दर्ज की गई। शकेरी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का सदस्य है। वह फिलहाल फरार है और माना जा रहा है कि वह तेहरान मे है। न्याय विभाग ने कहा, उसे श्रीलंका मे इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाने का भी काम सौंपा गया था। संघीय अदालत मे दायर दस्तावेजो के अनुसार शकेरी को आईआरजीसी ने श्रीलंका मे इजराइली पर्यटकों को निशाना बनाने और अक्टूबर 2024 मे सामूहिक गोलीबारी की योजना बनाने के लिए कहा था।

ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह की योजना बनाने के वास्ते गठित की समिति

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी 2025 को होने वाले अपने शपथ ग्रहण समारोह की योजना बनाने और अन्य आयोजनो के लिए एक समिति के गठन की शनिवार को घोषणा की। ट्रंप (78) ने देश मे हाल मे हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव मे जीत हासिल की है और 47वें राष्ट्रपति चुने गए है। वे निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन का स्थान लेंगे। ट्रंप वेंस इनॉगरल कमेटी शपथ ग्रहण कार्यक्रम की योजना बनाएगी और इस समिति की सह-अध्यक्षता ट्रंप के करीबी मित्र स्टीव विटकॉफ तथा सीनेटर केली लोफ्लर करेंगे। ट्रंप ने कहा, चुनाव की रात हमने इतिहास रच दिया और मुझे अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति निर्वाचित होने का असाधारण सम्मान प्राप्त हुआ है। इसका श्रेय देश भर के उन लाखो मेहनती अमेरिकियों को जाता है जिन्होंने हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का समर्थन किया।

बाइडन ने ट्रंप को 13 नवंबर को व्हाइट हाउस में बैठक के लिए आमंत्रित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो. बाइडन ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 13 नवंबर को व्हाइट हाउस मे बैठक के लिए आमंत्रित किया है। इस बैठक के बाद औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद का हस्तांतरण करने की प्रक्रिया शुरू होगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने एक बयान मे कहा, निवर्तमान राष्ट्रपति बाइडन के निमंत्रण पर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे ओवल ऑफिस मे उनसे मुलाकात करेंगे। निवर्तमान राष्ट्रपति और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के बीच यह बैठक औपचारिक होती है और यह दशकों पुरानी परंपरा है। बैठक आम तौर पर ओवल ऑफिस मे होती है, जिसके दौरान निवर्तमान राष्ट्रपति अपने उत्तराधिकारी को देश के मुख्य एजेंडे के बारे मे जानकारी देते है। इसमे प्रथम महिला और आने वाली प्रथम महिला के बीच भी मुलाकात भी होती है। इस दौरान नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस का दौरा भी कराया जाता है।

मॉरीशस : संसदीय चुनाव का मतदान संपन्न

सत्ताधारी दल को सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद

भाषा। जोहानिसबर्ग

मॉरीशस में लोगों ने संसदीय चुनाव के लिए रविवार को मतदान किया। अफ्रीका के सबसे स्थिर लोकतंत्रों में से एक इस देश के चुनाव में सत्तारूढ़ दल प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के पांच साल के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने की उम्मीद कर रहा है। लोगों ने संसद की 62 सीट के लिए हुए चुनाव में मतदान किया, जबकि आठ सांसदों को इलेक्टोरल सुपरवाइजरी काउंसिल नामित करती है। जगन्नाथ की सरकार को हाल ही में आलोचना का सामना करना पड़ा था, जब उसने वायरटैपिंग घोटाले के बाद सोशल मीडिया वेबसाइट पर प्रतिबंध लगा दिया था। वायरटैपिंग घोटाले के तहत नेताओं, व्यापारियों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों से जुड़ी बातचीत की रिकॉर्डिंग ऑनलाइन लीक कर दी गई थी। हालांकि, कुछ दिनों के बाद प्रतिबंध हटा लिया गया, लेकिन इससे विपक्ष और नागरिक समाज में चिंता बढ़ गई। वर्ष 1968 में मॉरीशस को ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद यह देश में 12वां संसदीय चुनाव है, जिसमें कम से कम 10 लाख लोगों ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया था। जगन्नाथ के सेंटर-लेफ्ट मिलिटेंट सोशलिस्ट मूवमेंट के नेतृत्व वाले दलों के गठबंधन ने 2019 में उनके नेतृत्व को मजबूत करने के लिए संसद में अधिकांश सीट जीती थीं।

एयरशो के दौरान नए लड़ाकू विमानों और ड्रोन पोत का प्रदर्शन करेगा चीन

भाषा। बीजिंग

चीन की सेना झुहाई शहर में आयोजित किए जा रहे अपने वार्षिक एयर शो में कुछ नवीनतम युद्धक विमानों को प्रदर्शित करेगी जिनमें एक नया लड़ाकू विमान और एक बड़ा ड्रोन जहाज भी शामिल है जिसे किलर व्हेल के नाम से जाना जाता है।चीन का 15वां एयर शो 12 से 17 नवंबर तक दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के झुहाई शहर में आयोजित किया जाएगा। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) हर साल एयर शो में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करती है। पीएल, नौसेना जे-15टी जेट का प्रदर्शन करेगी। इसे तीसरे विमान वाहक पोत, फुजियान से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो इलेक्ट्रो मैग्नेटिक कैटापुल्ट से सुसज्जित है, जबकि अन्य दो विमान वाहक पोतों, लिओनिंग और शांदोंग में स्की जंप टेक ऑफ रैंप लगे हैं। एयरोस्पेस नॉलेज पत्रिका के मुख्य संपादक वांग यानान ने सरकारी अखबार चाइना डेली को बताया कि जे-15टी को लिओनिंग और शांदोंग पर भी तैनात किया जा सकता है, दोनों ही स्थानों पर फिक्स्ड-विंग विमान उड़ान भरने के लिए स्की जंप विधि का इस्तेमाल करते हैं। चीन की नौसेना एयर शो के दौरान किलर व्हेल नामक एक बड़े ड्रोन जहाज को भी पहली बार प्रदर्शित करेगी। हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक यह पोत लंबे समय तक खुले समुद्र में काम करने में सक्षम है। खबर के मुताबिक किलर व्हेल में दोहरी डीजल और इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली है, जो इसे 4,000 समुद्री मील (7,400 किमी) से अधिक की दूरी 40 नॉट्स (74 किमीघंटा) की अधिकतम गति तक तय करने की क्षमता देती है। अखबार ने इस पोत को एक सर्वांगीण योद्धा बताया है, जिसे विभिन्न प्रकार के हथियार से लैस किया जा सकता है ।

शारीरिक व्यायाम बच्चों के स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए आवश्यक

भाषा। स्टार्कविल (अमेरिका)

क्या वे इसके लिए थोड़े छोटे नहीं हैं? यह एक ऐसा सवाल है जिसे मैं माता-पिता से अक्सर सुनता था, जब मैं युवा खेलों में अपने साथ काम करने वाले बच्चों के लिए शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले व्यायाम की सलाह देता था। इन बच्चों की उम्र छह से 18 वर्ष के बीच थी। क्षमता एवं प्रशिक्षण कोच के रूप में अपने चार वर्षों के दौरान, मुझे अक्सर माता-पिता से बच्चों के लिए शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले व्यायाम - (अर्थात, भार वहन करने वाले व्यायामों से संबंधित प्रशिक्षण) - के फायदे और नुकसान के बारे में सवाल प्राप्त होते थे। कुछ सबसे आम सवाल: क्या बच्चों और किशोरों के लिए शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले व्यायाम सुरक्षित है? किस उम्र में उनके लिए यह व्यायाम प्रशिक्षण शुरू करना उचित है? इस आयु वर्ग के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण के क्या लाभ हैं? क्या शारीरिक व्यायाम उन बच्चों के लिए भी फायदेमंद है जो संगठित खेलों में शामिल नहीं होते हैं? सरल शब्दों में कहें तो, सभी उम्र के बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण सुरक्षित और उपयुक्त है। मैं एक व्यायाम फिजियोलॉजिस्ट, प्रमाणित क्षमता और प्रशिक्षण विशेषज्ञ और प्रमाणित प्रदर्शन और खेल वैज्ञानिक हूं। मेरा शोध इस बात पर केंद्रित है कि बचपन से किशोरावस्था तक मांसपेशियां किस प्रकार विकसित होती हैं, और इसका लक्ष्य यह समझना है कि युवा लोग व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विशेष रूप से क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रमों से किस प्रकार अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। मेरे अनुभव और शोध से पता चला है कि शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण युवाओं के खेल प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, और यह कि शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण में भाग लेने वाले युवाओं के लिए खेल प्रदर्शन के अलावा भी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ हैं। सुरक्षा प्रथम-- मुझसे अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि क्या शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण युवाओं के लिए सुरक्षित है। विभिन्न खेलों में चोट की दरों की जांच करने वाले एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि, यदि सही तरीके से किया जाए तो शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण में चोट लगने का जोखिम लगभग सभी अन्य खेलों की तुलना में कम होता है। जैसा कि कहा गया है, किसी युवा व्यक्ति को डम्बल देने से पहले उसकी भावनात्मक परिपक्वता पर विचार करना महत्वपूर्ण है। अपने करियर के दौरान, मैंने सभी उम्र के बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए हैं और उन्हें लागू किया है, यहां तक कि छह साल की उम्र के बच्चों के लिए भी। लेकिन, उस आयु सीमा का हर बच्चा शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण के लिए तैयार नहीं होता। अपनी सुरक्षा के लिए, प्रतिभागियों को भावनात्मक रूप से इतना परिपक्व होना चाहिए कि वे निर्देशों को सुनें और उनका पालन करें, ताकि वे स्वयं को चोट न पहुंचाएं। कुछ बच्चों के लिए यह उम्र छह वर्ष से भी कम होती है, जबकि अन्य कुछ वर्ष बड़े होने तक इसके लिए तैयार नहीं होते। क्योंकि इन व्यायामों को सुरक्षित रूप से करने के लिए सही तकनीक महत्वपूर्ण है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि बच्चों के लिए शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम एक योग्य प्रशिक्षक या कोच के मार्गदर्शन में डिजाइन और कार्यान्वित किए जाएं। इसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसके पास वैध योग्यता हो तथा जिसने व्यायाम विज्ञान में उच्च शिक्षा प्राप्त की हो।

दक्षिण अफ्रीका में हार्दिक चमके, लुढ़का शीर्ष क्रम

भारतीय पारी को छह विकेट पर 124 रन पर रोका

गक्बेरहा। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां छह विकेट पर 124 रन पर रोक दिया। चार मैचों की इस श्रृंखला के शुरुआती मैच को 61 रन से जीतने वाली भारतीय टीम के लिए अनुभवी हार्दिक पंड्या ने सबसे ज्यादा नाबाद 39 रन का योगदान दिया। उन्होंने 45 गेंद की पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया।दक्षिण अफ्रीका ने पहले ओवर से ही शिकंजा कसे रखा और शुरुआती चार ओवर में 15 रन पर तीन विकेट चटकाकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। टीम के लिए मार्को यानसन, गेराल्ड कोएट्जी, एडेन मारक्रम, नकाबायोमजी पीटर, एंडिले सिमेलेन ने एक-एक विकेट चटकाए। सभी ने किफायती गेंदबाजी की। यानसेन ने पहले ओवर में ही पिछले दो मैचों में शतक जड़ने वाले संजू सैमसन को खाता खोले बगैर बोल्ड किया। अभिषेक शर्मा (चार) ने कोएट्जी पर चौके के साथ अपना और टीम का खाता खोला लेकिन शॉटपिच गेंद को हवा में लहराकर यानसेन को कैच थमा बैठे। तिलक वर्मा ने यानसेन के खिलाफ चौका लगाया लेकिन दूसरी छोर से कप्तान सूर्यकुमार यादव संघर्ष करन रहे थे। वह पारी के चौथे ओवर में आठ गेंद पर चार रन बनाकर सिमेलेन की गेंद पर पगबाधा हो गए।वर्मा ने कोएट्जी के खिलाफ गेंद को स्टेडियम के बाहर पहुंचाकर भारतीय पारी का पहला छक्का जड़ा तो वहीं अक्षर ने छठे ओवर में सिमेलेन के खिलाफ दो चौके लगाए जिससे पावर प्ले में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 34 रन हो गया। वर्मा ने रनगति को तेज करने की कोशिश में कप्तान मारक्रम की गेंद पर आक्रामक शॉट लगाया लेकिन कवर क्षेत्र में डेविड मिलर ने शानदार कैच लपककर उनकी 20 गेंद में 20 रन की पारी को खत्म किया।अक्षर ने 10वें ओवर की आखिरी गेंद पर पीटर के खिलाफ चौका लगाया जिससे पहली बार टीम का रनरेट छह के पार हुआ। वह हालांकि 12वें ओवर में बदकिस्मत तरीके से रन आउट हो गए। हार्दिक पंड्या के बल्ले से निकली गेंद पीटर के हाथों से छूते हुए दूसरे छोर पर विकेटों से टकरा गई और अक्षर क्रीज से बाहर थे। उन्होंने 21 गेंद में चार चौके की मदद से 27 रन बनाए। सातवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए रिंकू सिंह (नौ) भी बल्ले से प्रभावी योगदान देने में नाकाम रहे और 16वें ओवर में पीटर की गेंद पर कोएट्जी को कैच दे बैठे। अर्शदीप सिंह ने इस ओवर को छक्के के साथ खत्म किया। एक छोर से संभल कर खेल रहे हार्दिक ने 17वें ओवर में कोएट्जी के खिलाफ चौका लगाकर टीम के रनों का शतक पूरा किया और फिर यानसेन के खिलाफ अगले ओवर में छक्का और दो चौके के साथ रनगति को तेज किया।उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर पर चौके के साथ टीम को संघर्ष करने लायक स्कोर तक पहुंचाया।

स्कोरबोर्ड

भारत पारीः सैमसन बो यानसेन 00,अभिषेक का यानसेन बो कोएट्जी 04,सूर्यकुमार पगबाधा सिमेलेन 04,वर्मा का मिलर बो मारक्रम 20, पटेल रन आउट (पीटर) 27, पंड्या नाबाद 39,रिंकू का कोएट्जी बो पीटर 09,अर्शदीप नाबाद 07,अतिरिक्तः 14,**कुल योगः** 20 ओवर मे छह विकेट परः 124 रन,**विकेट पतनः** 1-0, 2-5, 3-15, 4-45, 5-70, 6-87,**गेंदबाजीः** यानसेन 4-1-25-1,कोएट्जी 4-0-25-1,सिमेलेन 3-0-20-1,महाराज 4-0-24-0,मारक्रम 1-0-4-1, पीटर 4-0-20-1

न्यूजीलैंड से 0-3 की हार पर अश्विन ने कहा, यह बहुत ही निराशाजनक अनुभव है

मुंबई। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 0-3 की हार को निराशाजनक करार करते हुए घरेलू मैदान पर मिली शिकस्त के लिए खुद को दोषी ठहराया।यह पहली बार है जब भारत को घरेलू मैदान पर तीन या उससे अधिक टेस्ट मैचों की श्रृंखला में वाइटवॉश का सामना करना पड़ा जबकि पिछले 12 वर्ष से भारत को अपनी सरजमीं पर पराजय नहीं झेलनी पड़ी थी।अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हमें न्यूजीलैंड से 0-3 की हार का सामना करना पड़ा। मैंने कहीं पढ़ा था कि भारत में ऐसा कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मेरे करियर और अब तक अनुभव में मैं जानता हूं कि जब हम खेलते हैं तो हमारे अंदर इतनी भावनाएं नहीं होती हैं। लेकिन यह बहुत ही निराशाजनक अनुभव है जो कि सही शब्द है। पिछले दो या तीन दिन मैं इस पर कैसे प्रतिक्रिया दूं, यह नहीं जान पा रहा। अश्विन ने श्रृंखला में भारत के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए स्वीकार किया कि उनके खुद के लचर प्रदर्शन से टीम को नुकसान हुआ।उन्होंने कहा, मुझे खुद से बहुत उम्मीद रहती है। मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो कहता है कि जो कुछ भी गलत हुआ उसके लिए मैं जिम्मेदार हूं। मैं इस श्रृंखला में मिली हार का बड़ा कारण रहा। अश्विन ने कहा, मैं निचले क्रम के रन में योगदान नहीं दे सका। एक गेंदबाज के तौर पर मैं जानता हूं कि गेंदबाज के लिए रन बहुत जरूरी होते हैं। मैंने कई जगहों पर अच्छी शुरुआत की। लेकिन मैंने कुछ मौकों पर इसे गंवा दिया। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन यह काफी नहीं था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने उम्मीद जताई कि टीम श्रृंखला में शर्मनाक हार से सीख लेगी। इस 38 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, कोई भी अजेय नहीं है इसलिए हारना कों बुरी बात नहीं है। हमारी पहली गलती यह सोचना है कि हम अजेय हैं। और मैं ऐसा नहीं सोचता।

पाक का दौरा करने की भारत की अनिच्छा पर पीसीबी को मिला आईसीसी का मेल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को पुष्टि की कि भारत ने अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की अपनी अनिच्छा के बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, पीसीबी को आईसीसी से एक ई-मेल मिला है जिसमें कहा गया है कि बीसीसीआई ने उन्हें सूचित किया है कि उनकी टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा, पीसीबी ने उस ई-मेल को परामर्श और मार्गदर्शन के लिए पाकिस्तान सरकार को भेज दिया है। पीसीबी ने आईसीसी ई-मेल पर आगे कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन इसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान अपनी नीति का खुलासा तभी करेगा जब उन्हें आईसीसी से कुछ लिखित में मिलेगा। बीसीसीआई ने पहले ही वैश्विक क्रिकेट संस्था को भारत की पड़ोसी देश की यात्रा करने में असमर्थता के बारे में सूचित किया था।

पूर्व दिग्गज पोलो खिलाड़ी एचएस सोढ़ी का निधन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज पोलो खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता हरिंदर सिंह सोढ़ी का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण शनिवार देर रात को निधन हो गया है। वह 86 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां है। अपने शानदार करियर में उन्होने पांच से अधिक गोल का हैडीकैप हासिल किया था। पोलो जगत में वह बिली सोढ़ी के नाम से लोकप्रिय थे। सोढ़ी को दिग्गज हनुत सिंह, सवाई मान सिंह (जयपुर के महाराजा) और बाद में उनके बेटे भवानी सिंह के साथ पोलो खेलने का अनुभव था। छोटे भाई प्रसिद्ध पोलो खिलाड़ी रविंदर सिंह सोढ़ी भी अर्जुन पुरस्कार विजेता है। वह 1980 के मॉस्को ओलंपिक के दौरान भारतीय घुड़सवारी टीम के मैनेजर थे।

कोको गाफ ने पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता

रियाद। अमेरिका की युवा टेनिस स्टार कोको गाफ ने ओलंपिक चैम्पियन झेंग किंवेन को 3-4, 6-4, 7- 6 से हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता। बीस वर्ष की गाफ ने 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वह 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद यह खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी खिलाड़ी है। उन्हें पुरस्कार के तौर पर 48 लाख डॉलर मिले। वह मारिया शारापोवा (2004) के बाद खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी भी है। गाफ ने फाइनल तक के सफर में एरिना सबालेंका और इगा स्वियातेक को हराया।

मेस्सी की इंटर मियामी एमएलएस प्लेआफ से बाहर

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की इंटर मियामी टीम को शुरूआती चरण में ही एमएलएस कप से बाहर करके अटलांटा युनाइटेड ने बड़ा उलटफेर कर दिया। जमाल थियरे के दो गोल और बर्टोज स्लाइज के 76वें मिनट में लगाए गए हेडर के दम पर अटलांटा ने शनिवार की रात को इंटर मियामी को 3 . 2 से हराकर एमएलएस कप प्लेआफ पहले दौर का बेस्ट आफ थ्री मुकाबला जीता। आखिरी मिनटों में मेस्सी की दो फ्रीकिक बेकार गई। उन्होंने 65वें मिनट में हेडर पर बराबरी का गोल दागकर स्कोर 2 . 2 जरूर किया था लेकिन मेजबान टीम कभी बढत नही बना सकी।

राष्ट्रीय स्तर का शॉट-पुट खिलाड़ी भोपाल में मृत पाया गया

भोपाल। राष्ट्रीय स्तर का शॉट-पुट (गोला फेंक) खिलाड़ी अमित वर्मा रविवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपने अपार्टमेंट में मृत पाया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।टीटी नगर पुलिस थाने के प्रभारी सुनील सिंह भदोरिया ने पीटीआई-भाषा को बताया कि वर्मा ने सुबह जब अपने दोस्तो के फोन कॉल का जवाब नही दिया तो वे उनके घर पहुंचे। इस 22 साल के खिलाड़ी के दरवाजे की घंटी का जवाब नही मिलने पर दोस्तो ने दरवाजा तोड़ दिया। उन्हे उसका शव अपार्टमेंट के अंदर मिला।

भारत में रेफरियों का स्तर सुधर रहा है

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मे खराब रेफरिंग लंबे समय से कई कोचो के लिए निराशा भरी रही है लेकिन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के शीर्ष अधिकारी ट्रेवर केटल ने रविवार को दावा किया कि देश मे रेफरियो के स्तर में सुधार हो रहा है।आईएसएल क्लबो के कई कोच, विशेषकर विदेशी कोच बीते वर्षो मे शीर्ष टीयर लीग मे रेफरिंग के खराब मानक के बारे में बात कर चुके है और यहां तक कि एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने भी कुछ महीने पहले इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की थी।

अपनी धरती पर खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

महिला एसीटी हॉकी : मलेशियाई टीम से मैच आज

भाषा। राजगीर (बिहार)

पूरे साल खराब फॉर्म से जूझती रही भारतीय महिला हॉकी टीम नए ओलंपिक सत्र की शुरूआत अपनी धरती पर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) खिताब जीतकर करना चाहेगी और सोमवार को उसका पहला मुकाबला निचली रैंकिंग वाली मलेशियाई टीम से होगा। भारत ने अब तक सात बार हुए टूर्नामेंट में से सिंगापुर (2016) और रांची (2023) में खिताब जीते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम ने इस साल एफआईएच प्रो लीग में 16 में से 13 मैच गंवाए और सिर्फ दो जीते जबकि एक ड्रॉ रहा। भारत ने सलीमा टेटे की कप्तानी में मिली जुली टीम उतारी है जिसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ी दोनों हैं। स्ट्राइकर नवनीत कौर उपकप्तान होंगी। भारत को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड से चुनौती मिलेगी। भारतीय डिफेंस की कमान उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू और वैष्णवी विट्टल फाल्के के हाथ में होगी। मिडफील्ड में कप्तान टेटे के अलावा नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिटा टोप्पो और लालरेम्सियामी जिम्मा संभालेंगी। फॉरवर्ड पंक्ति में नवनीत , संगीता कुमारी, दीपिका , प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग पर जिम्मेदारी होगी। गोलकीपिंग में पूर्व कप्तान सविता और युवा बिछू देवी खारीबम पर नजरें रहेंगी। सुशीला और ब्यूटी फिटनेस समस्याओं से उबरकर टीम में वापसी कर रहीं हैं। भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चीन के साथ खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। दक्षिण कोरिया ने तीन बार और जापान ने दो बार खिताब जीते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह नई शुरूआत है। कोच हरेंद्र सिंह ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा , पेरिस ओलंपिक नहीं खेल पाना अब अतीत की बात है। हम उससे आगे निकलकर अब लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं और उसके लिए यह पहला कदम है। काफी महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम जीत के साथ आगाज करना चाहेंगे। टेटे प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत की कप्तानी कर चुकी है जिसमें प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने इसके लिए फिटनेस की कमी और मानसिक दृढता के अभाव को दोषी ठहराया था।

मिशन 2026 विश्व कप और 2028 ओलंपिक की शुरूआत एसीटी से : कोच हरेंद्र सिंह

राजगीर (बिहार)। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि टीम अतीत की नाकामियो को भुलाकर आगामी विश्व कप और ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के जरिए अपने अभियान का आगाज करेगी। तोक्यो ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ने लगातार खराब दौर देखा है। यह टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नही कर सकी और एफआईएच प्रो लीग में 16 में से 13 मैच हार गई। कोच हरेंद्र ने कहा कि उनकी टीम ने इन नाकामियो को पीछे छोड़ने के लिए काफी मेहनत की है और नीदरलैंड में 2026 में होने वाले विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर नजरे है। मलेशिया के खिलाफ सोमवार को होने वाले पहले मैच से पूर्व हरेंद्र ने कहा , यह टूर्नामेंट भविष्य की हमारी योजनाओ का आधार होगा। यह 2026 विश्व कप और 2028 ओलंपिक के हमारे मिशन की शुरूआत होगी। उन्होने कहा , हमें सारी नाकामियों को भुलाकर अपनी गलतियों को सुधारना है। टीम में हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका बखूबी पता है। एसीटी ऐसा बड़ा मंच है जहां लड़कियां अपना कौशल दिखाकर साबित कर सकती है कि टीम सही रास्ते पर जा रही है। उन्होने कहा , मै टीम से हमेशा कहता हूं कि वर्तमान में जियो।

क्विक न्यूज

बुमराह के लिए कप्तानी मुश्किल काम हैः पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग का कहना है कि अगर रोहित शर्मा पर्थ मे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती टेस्ट में नही खेल पाते है तो जसप्रीत बुमराह को भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करने के साथ टीम की अगुआई की दोहरी जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। पोंटिंग ने हालांकि कहा कि इस तेज गेंदबाज के लिए कप्तानी करना मुश्किल काम होगा। रोहित के पहले टेस्ट में खेलने को लेकर संदेह बना हुआ है जो 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाएगा। हाल में कप्तान ने खुद स्वीकार किया था कि वह अपनी भागीदारी को लेकर निश्चित नही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के रिव्यू पॉडकास्ट के दौरान बुमराह के बारे में पोंटिंग ने कहा, हां, कप्तानी शायद उनके लिए सबसे मुश्किल काम है।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सातवें दिन हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र ने दर्ज की आसान जीत

चेन्नई। ओडिशा हॉकी संघ, ले पुडुचेरी हॉकी, हॉकी झारखंड और हॉकी महाराष्ट्र ने रविवार को यहां 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैपियनशिप के सातवें दिन अपने-अपने पूल मैचों मे शानदार जीत दर्ज की। ओडिशा हॉकी संघ ने पूल ई में अमनदीप लाक्ड़ा, अजय कुमार एक्का और केरोबिन लाक्ड़ा के दो-दो गोल की मदद से हॉकी अरुणाचल को 9-0 से हराया। टीम के लिए नीलम संजीव जेस , प्रताप लाक्ड़ा और सुदीप चिरमाको ने भी गोल दागे।ले पुडुचेरी हॉकी ने मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में एक अन्य मैच में हॉकी राजस्थान को 13-2 से शिकस्त दी। पुडुचेरी की टीम के लिए टी अरुण कुमार, महेंद्रन पी और आर रंजीत ने चार-चार जबकि कप्तान वीरथमिजन वी एक गोल किया।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट हराकर तीन मैच की वनडे श्रृंखला 2-1 से जीती

पर्थ। पाकिस्तान ने रविवार को यहां निर्णायक तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में आठ विकेट की जीत से 2002 के बाद ऑस्ट्रेलिया पर 50 ओवर की श्रृंखला मे पहली जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया का कमजोर बल्लेबाजी लाइन अप पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के आगे 31.5 ओवर में 140 रन पर सिमट गया।घरेलू टीम कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और मार्नस लाबुशेन के बिना खेल रही थी। इन सभी को भारत के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले मैच की तैयारियो के लिए आराम दिया गया था। सईम अयूब (42 रन) और अब्दुल्ला शफीक(37 रन) ने फिर पहले विकेट के लिए 84 रन की शानदार साझेदारी निभाकर मजबूत नीव रखी। पर दोनो एक ही ओवर मे लांस मौरिस का शिकार हुए। फिर बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान को यह महत्वपूर्ण जीत दिलाई।

गेंदबाजों ने बड्डीज व तारिक क्लब को दिलाई जीत

लखनऊ। मैन ऑफद मैच सुमित गुप्ता 4 विकेट की उपयोगी गेंदबाजी से क्रिकेट बड्डीज ने तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में एसएमआर क्लब को रोमांचक मैच में 20 रन से हराया। एक अन्य मैच में तारिक क्लब ने कॅरियर लायंस को 5 विकेट से पराजित किया। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर क्रिकेट बड्डीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 4 विकेट पर 187 रन बनाए। सोनू स्वरुप ने सर्वाधिक 42, आईसी अग्रवाल ने नाबाद 34, फखरुजमां ने 33 व ललित कुमार श्रीवासतव ने 31 रन का योगदान किया। जवाब में एसएमआर क्लब नौ विकेट पर 167 रन ही बना सका। राशिद 61, रेहान ने 38 व शिव श्रीवास्तव ने 23 रन बनाए लेकिन टीम जीत से 20 रन दूर रह गयी। क्रिकेट बड्डीज से सुमित गुप्ता ने 24 रन देकर चार विकेट की सफलता पाई। अखिलेश अग्रवाल को दो विकेट की सफलता मिली। दिन के दूसरे मैच में तारिक क्लब ने मैन ऑफद मैच नैयर जमाल 4 विकेट की अगुवाई में धारदार गेंदबाजी से कॅरियर लायंस को 5 विकेट से पराजित किया। कॅरियर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में तारिक क्लब ने 18.5 ओवर में 5 विकेट पर जीत के लिए जरूरी 142 रन बना लिए।

पलक-अमित की जोड़ी ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। पलक गुलिया और अमित शर्मा की एयर पिस्टल मिश्रित टीम ने रविवार को यहां विश्व विश्वविद्यालय निशानेबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन हमवतन खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय निशानेबाजो ने इस प्रतियोगिता में अब तक पांच पदक हासिल किए है जिसमे से तीन रजत पदक है। पलक और अमित की जोड़ी ने यहां कर्णी सिंह परिसर में संयम और सम्राट राणा की जोड़ी को खिताबी मुकाबले में 16-12 से हराया जिससे भारत ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए। हंगरी की सारा राहेल फैबियन और रेडेसी मेट की जोड़ी ने चीनी-ताइपे को 16-12 से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले क्वालिफिकेशन दौर में संयम (289) और सम्राट (290) 579 के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर रहे थे जबकि पलक (285) और अमित (293) 578 के कुल स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। महिलाओ की ट्रैप स्पर्धा में नीरू और कीर्ति गुप्ता ने फाइनल मे क्रमशः 43 और 32 का स्कोर बनाकर रजत और कांस्य पदक जीता। चेक गणराज्य की जिना हर्डलिकोवा ने 45 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दिनेश कुमार शर्मा ने जीता 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट

लखनऊ। आईएम दिनेश कुमार शर्मा ने 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट में कांटे की टक्कर में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद टाईब्रेक स्कोर में दमदार प्रदर्शन के सहारे 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट का विजेता होने का गौरव हासिल किया। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शिवानी पब्लिक स्कूल द्वारा कुल 2,22,222 रुपए की ईनामी राशि वाले टूर्नामेंट में एलआईसी के दिनेश शर्मा को प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी चुनौती मिली। आठवें व अंतिम राउंड के बाद दिनेश सहित बिहार के विवेक शर्माए मेरठ के गोपाल कृष्ण माहेश्वरीए बिहार के सुधीर कुमार सिन्हा व लखनऊ के अंचल रस्तोगी के समान 7 अंक रहे लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते दिनेश शर्मा विजेता होने के साथ 42 हजार रुपए के नगद ईनाम के भी हकदार बने। वहीं विवेक शर्मा ;30 हजारद्ध दूसरे स्थान पर रहे। गोपाल कृष्ण माहेश्वरीए सुधीर कुमार सिन्हा व अंचल रस्तोगी क्रमशरू तीसरे से चौथे स्थान तक रहे। सर्वश्रेष्ठ वेटरन 60 वर्ष से अधिक में सर्वाधिक 6 अंक के साथ राजस्थान के कांतिलाल दवे पहले व कानपुर के अनिल बाजपेयी 5०5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंगलिस और मैकस्वीनी आस्ट्रेलियाई टीम में

भाषा। सिडनी

भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में नाथन मैकस्वीनी पहली बार उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे जबकि जोश इंगलिस को भी पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में इन दो नए चेहरों को जगह दी है। मैकस्वीनी के चयन की पैरवी डेविड वॉर्नर और रिकी पोंटिंग ने की थी। उन्हें मार्कस हैरिस, कैमरन बेनक्राफ्ट और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई। आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा , हम नाथन के खेल से काफी उत्साहित हैं। पिछले एक डेढ साल में उसके खेल में काफी परिपक्वता आई है। टेस्ट क्रिकेट उसे रास आएगा क्योंकि वह बहुत स्थिर भाव से खेलता है। 25 बरस के मैकस्वीनी ने पिछले कुछ साल में शेफील्ड शील्ड में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और भारत के खिलाफ ए टीम के मुकाबले में कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर भी प्रभावित किया। इंगलिस को एलेक्स कारी के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है।

अरविंद ने एरिगेसी को पहली शिकस्त दी

चेन्नई। ग्रैंडमास्टर एम अरविंद चिथंबरम ने रविवार को यहां छठे दौर में तालिका में शीर्ष पर चल रहे अर्जुन एरिगेसी का अजेय अभियान समाप्त किया जिससे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब की दौड़ सभी के लिए खुल गई।वहीं विदित गुजराती और लेवोन अरोनियन के बीच बाजी ड्रॉ रही। एरिगेसी और अरोनियन ।र-चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अरविंद ने प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की और जीएम अमीन तबाताबेई उनसे आधा अंक पीछे हैं।अरविंद ने 48 चाल में एरिगेसी को हराकर पूरे अंक हासिल किए। वहीं अरोनियन के पास एरिगेसी से आगे निकलने का मौका था लेकिन उन्होंने 70 चाल के बाद गुजराती से अंक बांटे। अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए जिसमें जीएम एलेक्सी सरना और जीएम मैक्सिम वचियर-लाग्रेव तथा अमीन और जीएम परम मघसूदलू के बीच बाजियां शामिल रहीं। चैलेंजर्स वर्ग में जीएम प्रणव वी ने पहले चार दौर में जीत के बाद लगातार दूसरे ड्रॉ के बावजूद शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। रविवार को उन्होंने केवल 39 चाल में जीएम एम प्रणेश से ड्रॉ पर हामी भरी जिससे उनके पांच अंक हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बना इकाना मीडिया कप का चैंपियन

लखनऊ। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने इकानी मीडिया टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में टाइम्स ऑफ इण्डिया को आठ विकेट से हराया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में रविवार पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 103 रन बनाए। टीम के कप्तान राजीव श्रीवास्तव नाबाद 40 रन की पारी खेली। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से मैन ऑफद मैच फहीम ने तीन विकेट लिए। जवाब में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने 15०2 ओवरों में ही दो विकेट पर 107 रन बनाकर मैच जीत लिया। मार्तण्ड ने नाबाद 35 और मयूर शुक्ला ने 22 रन बनाए। सतीश ने 32 रन का योगदान किया। विशेष पुरस्कारों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मयूर शुक्ला मैन ऑफद टूर्नामेंट व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जबकि अमर उजाला के राजीव आनंद सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बने। इकाना स्पोर्ट्स सिटी के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक उदय सिन्हा खेल निदेशक आरपी सिंह समेत कई हस्तियों ने पुरस्कार वितरण किया।

कुलदीप ने एक गोल्ड व दो रजत जीता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सचिवालय में कार्यरत विशेष सचिव कुलदीप कुमार रस्तोगी ने ब्रिसबेन/ गोल्डकोस्ट ऑस्ट्रेलिया में आयोजित पैन पैसिफिक मास्टर्स गेम्स में एक स्वर्ण एवं दो रजत पदक जीते। ज्ञात हो कि1 नवंबर 2024 से ऑस्ट्रेलिया में चल रहे इस गेम्स में कुलदीप ने 5000 मीटर पैदल चाल में स्वर्ण एवं 3000 मीटर पैदल तथा 10 किलोमीटर पैदल चाल में रजत पदक जीते कुलदीप पिछले कई वर्षो से एथलेटिक्स का अभ्यास कर रहे हैं कुलदीप ने पूर्व में भी मास्टर्स खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक प्राप्त किए हैं वह अपने परिवार मित्रों सहकर्मियों तथा विशेष कर अपने कोच श्री साहिल हुसैन नकवी के प्रोत्साहन से यह उपलब्धि अर्जित कर पाए हैं।

लखनऊ मंडल को सब जूनियर बालक हैंडबॉल का खिताब

फाइनल में बरेली मंडल को 27-24 गोल से हराया

लखनऊ। 10 नवंबर 2024। लखनऊ मंडल ने अमेठी में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता में खिताबी जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश खेल विभाग व उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के समन्वय से गत 6 से 9 नवंबर 2024 तक अमेठी के डा.भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में पिछले संस्करण की उपविजेता लखनऊ मंडल ने बरेली मंडल को 27.24 गोल से हराया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि दिनेश कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी न्यायिक, अमेठी सहित उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के कोषाध्यक्ष विनय कुमर सिंह, संगठनात्मक सचिव अमित पाण्डेय व संयुक्त सचिव परमेंद्र सिंह ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इसी के साथ विजेता व उपविजेता टीमों को उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अजय कुमार सेठी ने भी विजेता लखनऊ मंडल के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए लखनऊ मंडल के टीम कोच मो.तौहीद, अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच की भी सराहना की। इससे पूर्व खेले गए सेमीफाइनल में लखनऊ मंडल ने अयोध्या मंडल को 25-20 से और बरेली मंडल ने वाराणसी मंडल को 17-16 से हराकर फाइनल में स्थान

फुटबॉल टूर्नामेंट में सिटी क्लब विजयी

लखनऊ। लखनऊ के चौक स्टेडियम में लाइफ गेट ह्यूमन सोसाइटी द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का आज फाइनल मैच सिटी क्लब और विजय क्लब टीमों के मध्य खेला गया। इस मैच में सिटी क्लब ने विजय क्लब को 2-0 से हराया। सिटी क्लब की टीम की ओर से उत्कर्ष ने 17वें मिनट में गोल किया जबकि सुप्रग वर्मा ने दूसरे हॉफ में 35वें मिनट में गोल किया और अपनी टीम को विजय दिलायी। गत 5 नवंबर से चल रही इस पाँच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। आज फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के तौर पर मुमताज़ पी0 जी0 कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. यासिर अंसारी मौजूद रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में प्रधानाचार्य सुन्नी इंटर कॉलेज, शकील अहमद, चौक न्यूजपेपर हैंकर संगठन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ,प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रोटी कपड़ा बैंक के सेक्रेटरी रिद्धि किशोर गौड़ और फ़रहा नाज़ भी उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने में डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी कन्हैया लाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लाइफ गेट ह्यूमन सोसाइटी के सचिव मो. रिज़वानुल हसन ने विजेता टीम को बधाई दी और सभी अतिथियों और टीमों का धन्यवाद किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001